जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

चूरू

Rashtradoot

फोनः- 256906, 256907, फैक्सः- 01562-256908 | वर्षः 17 | संख्याः 02 | प्रभात | चूरू, बुधवार 30 अप्रैल, 2025 | पो. रजि. न. चूरू/084/2019-21 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

ट्रम्प प्रशासन ने एमेज़ॉन को "धमकी" दी

घबराकर एमेज़ॉन ने अपनी कीमतों में टैरिफ वॉर के कारण हुई वृद्धि को दिखाने का इरादा त्याग दिया

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने एमेज़ॉन द्वारा टैरिफ वॉर को मूल्य वृद्धि का कारण बताने को "राजनीति व गैर मैत्रीपूर्ण" कार्यवाही बताया। प्रेस सचिव ने यह भी कहा कि इस मुद्दे पर उनकी राष्ट्रपति ट्रम्प से भी बात हो चुकी है।**
- **ट्रम्प सरकार की इस "धमकी" के आगे, एमेज़ॉन का हौंसला पस्त हुआ और एमेज़ॉन ने "प्राइस राइज़" पर टैरिफ नीति का प्रभाव जताने का इरादा त्याग दिया।**
- **पर, यह भी सच है कि ट्रम्प की नई टैरिफ नीति के कारण, अमेरिका में मूल्य वृद्धि तो हुई ही है, साथ ही नौकरियां खत्म हो रही हैं और बेरोज़गारी बढ़ रही है और इस समय जानी-मानी कंपनी एमेज़ॉन द्वारा यदि यह प्रचारित किया जाता कि ट्रम्प की नई टैरिफ नीति, इस स्थिति के लिए जिम्मेवार है, तो ट्रम्प प्रशासन के लिए दिक्कतें बढ़ सकती थीं।**

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। एक बेहद अजीब घटनाक्रम में, ट्रंप प्रशासन अमेरिका की सबसे सफल कंपनियों में से एक के खिलाफ लड़ने की योजना बना रहा है, वजह यह है कि कंपनी अपने उत्पादों की कीमत में यह दिखाना चाहती थी कि टैरिफ के कारण मूल्य में कितनी वृद्धि हुई है।

एमेज़ॉन, जो अमेरिका का सबसे बड़ा ऑनलाइन सैलर (विक्रेता) है, उपभोक्ताओं के लिए मूल्य निर्धारण का यह नया विवरण पेश करने की योजना बना रहा था। लेकिन लगता है कि इसकी भनक लगने के बाद, यू.एस. एडमिनिस्ट्रेशन ने धमकी भरे संकेत दिए, जिससे एमेज़ॉन डर गया।

यह एक विडंबना है, क्योंकि अमेरिका, पूंजीवाद और बड़ी कंपनियों का गढ़ था तथा खासकर अत्यधिक सफल तकनीकी कंपनियां, देश की "पवित्र गायें" मानी जाती थीं। इनकी वाहवाही होती थी तथा इन कंपनियों के सीईओ कभी अमेरिका की कॉर्पोरेट संस्कृति में सेलेब्रिटी हुआ करते थे।

लेकिन ट्रंप के सत्ता में आने के बाद यह पूरी तस्वीर बदल गई है। सरकार अब उन शीर्ष कंपनियों के साथ टकराव की स्थिति में है, जो उसकी आर्थिक नीतियों की आलोचना कर रही हैं। कुछ प्रमुख कंपनियों को आशंका है कि अमेरिका मंदी की ओर बढ़ रहा है।

वाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने एमेज़ॉन की इस पहल को "राजनीतिक और शत्रुतापूर्ण" करार दिया और पुष्टि की कि उन्होंने इस मुद्दे पर राष्ट्रपति से चर्चा की है। उसके बाद एमेज़ॉन हिम्मत हार गया। हालांकि, कुछ सहयोगी वेबसाइटों ने उपभोक्ताओं को यह जानकारी देना शुरू कर दिया है कि मूल्य में वृद्धि का कितना हिस्सा शुल्कों के कारण है।

डॉनल्ड ट्रंप ने अपना चुनाव प्रचार इस आधार पर लड़ा था कि रोजमर्रा की चीजों की कीमतें तेजी से बढ़ रही हैं और आम अमेरिकी की पहुंच से बाहर हो रही हैं। यह मुद्दा उनकी अपील की एक प्रमुख वजह था।

तथापि, अब जब टैरिफ लागू हो चुके हैं, कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। आम अमेरिकी अब ट्रंप प्रशासन से नाराज़ दिखाई दे रहे हैं।

स्थिति और भी गंभीर हो रही है, क्योंकि मंदी आने से पहले ही नौकरियां जा रही हैं और सबसे बुरी बात, यह शुरुआत संघीय सरकार की नौकरियों से हुई है। इन नौकरियों को अब तक स्थायी और सुरक्षित माना जाता था। लेकिन ट्रंप शासन में ये भी असुरक्षित हो गई हैं और डिपार्टमैंट ऑफ गवरमैंट एफिशिएन्सी के हमले से चरमराने लगी हैं।

कुछ अनुमानों के अनुसार, अमेरिकी संघीय सरकार में ढाई लाख नौकरियां खत्म हो चुकी हैं, जबकि कुछ अन्य अनुमानों में यह संख्या डेढ़ लाख बताई गई है। रिटेल सेक्टर ने भी करीब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कार्यकाल पूरा होने के बाद भी नगर पालिकाओं के चुनाव क्यों नहीं

जयपुर, 29 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश की 55 नगरपालिकाओं का कार्यकाल पूरा होने के बाद भी उनके चुनाव नहीं कराने और प्रशासक नियुक्त करने पर राज्य के मुख्य सचिव, स्वायत्त शासन सचिव, निदेशक और राज्य निर्वाचन आयोग से चार सप्ताह में जवाब माँगा है। जस्टिस चंद्रशेखर और जस्टिस आनंद शर्मा की खंडपीठ ने यह आदेश पूर्व विधायक संयम लोढ़ा की जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अदालत को बताया गया कि संविधान के अनुच्छेद 243 यू और नगरपालिका अधिनियम की धारा 7 और धारा 11 के तहत नगरपालिकाओं का

- **हाई कोर्ट ने राज्य सरकार से चार सप्ताह में जवाब मांगा।**

कार्यकाल पूर्ण होने से पूर्व, उनके चुनाव कराए जाने जरूरी है। नगरपालिका अधिनियम के तहत, पिछले बोर्ड की पहली बैठक के पांच साल पूरे होने से पहले चुनाव होने चाहिए। प्रदेश की नगरपालिकाओं का कार्यकाल 25 नवंबर, 2024 को पूरा हो चुका है। राज्य सरकार और निर्वाचन आयोग ने इन नगरपालिकाओं के चुनाव कराने के बजाए यहां प्रशासक लगा दिए। याचिका में यह भी कहा गया कि प्राकृतिक आपदाओं के अलावा स्थानीय निकायों के चुनाव टाले नहीं जा सकते हैं। यदि किसी पालिका बोर्ड का विघटन किया गया है तब भी छह माह के भीतर चुनाव

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस के पोस्टर की पाकिस्तान के पूर्व मंत्री ने "तारीफ" की!

भाजपा ने इस पर कटाक्ष किया कि अब कांग्रेस केवल पाकिस्तान की भाषा ही नहीं बोलती, अब पाकिस्तान के आदेश पर काम भी करती है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **कांग्रेस के पोस्टर में चूड़ीदार पजामा व कुर्ता पहने एक आदमी दिखाया है, जिसका रंग रूप व काठी प्र.मंत्री मोदी जैसे हैं तथा पोस्टर में कैप्शन दिया है "गायब"। इस पोस्टर में इस व्यक्ति का सिर कटा हुआ दिखाया गया है, जिससे पाकिस्तान के हाई कमिश्नर की गला काटने के "इमेज" का स्मरण होता है।**
- **पलटवार में भारत ने पाकिस्तान के कई टॉप टी.वी. चैनल्स, जैसे, डॉन न्यूज़, ए.आर.वाय. न्यूज़, समा टीवी व जियो न्यूज़ पर प्रतिबंध लगाने का इरादा जताया है।**
- **साथ ही भारत ने इज़रायल की रणनीति अपनाते हुए, वीडियो जारी किये हैं, जिनमें पाकिस्तान की मदद व संरक्षण में आतंकवादियों द्वारा भारत को टारगैट बनाना साफ दिखाया गया है।**

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। पहलगाम हमलों के बाद पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे भ्रामक प्रचार को रोकने के लिए केन्द्र सरकार के जवाबी अभियान के बीच, कांग्रेस ने एक नया विवाद खड़ा कर दिया है। इस विवाद की जड़ एक पोस्टर है, जिसमें चूड़ीदार पाजामा-कुर्ता पहने एक व्यक्ति को दिखाया गया है और उस पर लिखा है: "गायब"। हालांकि उस छवि का चेहरा नहीं है, लेकिन सोशल मीडिया यूज़र्स ने इसे तुरंत प्रधानमंत्री मोदी की तस्वीर के रूप में पहचान लिया है।

यह विवाद तब और गहरा गया, जब पाकिस्तान के एक पूर्व मंत्री ने इस पोस्टर को "नॉटी कांग्रेस" हैशटैग के साथ शेयर किया। इसके बाद से भाजपा और इंटरनेट यूज़र्स कांग्रेस की तीखी आलोचना कर रहे हैं और कांग्रेस पर "पाकिस्तान से निर्देश लेने" का आरोप लगा रहे हैं।

पोस्टर पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा प्रवक्ता शहज़ाद पूनावाला ने कहा, "यह पार्टी सिर्फ पाकिस्तान जैसी बात ही नहीं करती, बल्कि उनका वर्क कल्चर और व्यवहार भी अब इस्लामाबाद जैसा हो गया है। कांग्रेस पार्टी ने एक तस्वीर साझा की है, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी का सिर नहीं है- यह ठीक वैसा ही है, जैसा लंदन में पाकिस्तान के राजनयिक ने भारतीयों की ओर "गला काटने" का इशारा किया था। कांग्रेस न केवल पाकिस्तान की भाषा बोल रही है, बल्कि आतंकियों जैसा व्यवहार भी कर रही है।"

पहलगाम हमले के बाद सरकार ने "भारत को निशाना बनाने वाले सूचना "युद्ध" को लेकर चिंता जताई है। इसके जवाब में भारत ने पाकिस्तान में स्थित

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सुप्रीम कोर्ट ने बिल्डर व बैंक की सांठ-गांठ की जाँच सीबीआई को सौंपी

दिल्ली, नैशनल कैपिटल रीज़न, मुम्बई, चंडीगढ़, मोहाली व कोलकाता से इस सांठ-गांठ की कई खबरें व शिकायतें आयी थीं, सुप्रीम कोर्ट के पास

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सीबीआई "प्रिलिमनरी इन्क्वायरी" रजिस्टर करे तथा एक स्पैशल इन्वैस्टिगैटिंग टीम (एसआईटी) गठित करे, जाँच के लिए।**

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। फ्लैटों /मकानों के निर्माण तथा ग्राहकों को सौंपे जाने में किये जा रहे विलम्ब पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये, सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली, नैशनल कैपिटल रीजन (एनसीआर), मुम्बई, चंडीगढ़, मोहाली और कोलकाता के प्रोजेक्टों के मामलों में बिल्डरों और बैंकों के बीच की "नापाक साँठ-गाँठ" की सीबीआई जाँच के आदेश दिये हैं।

मंगलवार को सुनवाई के दौरान, न्यायमूर्ति सूर्यकान्त तथा एन कोटीश्वर सिंह की बैंच ने सीबीआई को निर्देश दिये कि वह सात प्रीलिमिनरी इन्क्वायरी (पीई) दर्ज करे तथा एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) गठित करे।

अदालत ने उत्तर प्रदेश तथा हरियाणा के पुलिस महानिदेशकों, जो राज्य पुलिस के सर्वोच्च अधिकारी होते हैं, से भी कहा है कि जाँच में सहायता के लिये सीबीआई को पुलिस अधिकारी उपलब्ध कराये जायें।

जिन कम्पनियों के खिलाफ पीई दर्ज की जायेगी, उनमें से एक है "सुपरटैक।" सर्वोच्च न्यायालय, जो इस केस की मॉनिटरिंग तथा हर महीने सुनवाई करेगा, ने दिल्ली -एनसीआर के नोएडा, ग्रेटर नोएडा, यमुना एक्सप्रेस वे, गुरुग्राम तथा गाजियाबाद में स्थित प्रोजेक्टों की प्रारंभिक जाँच के आदेश दिये हैं।

जिन अन्य बिल्डरों के प्रोजेक्ट दिल्ली-एनसीआर, मुम्बई, चंडीगढ़, मोहाली, कोलकाता में हैं, उनकी भी जाँच होगी। सीबीआई से कहा गया कि वह अन्तरिम स्टेटस रिपोर्ट पेश करे।

सरिस्का में 3 शावकों के जन्म से टाइगर संख्या 44 हुई

अलवर। अलवर सरिस्का में बाघिन एसटी -30 ने 3 शावकों को जन्म दिया है। शावकों की उम्र करीब 2 महीने हैं। अब सरिस्का में टाइगर की संख्या 44 हो गई है।

बता दें कि बाघ पुनर्स्थापन की प्रक्रिया के तहत बाघिन एसटी -30 को 2023 में रणथम्भौर से सरिस्का लाया गया था और यहां टहला रेंज के भगानी में छोड़ा गया था।

- **जन्म देने वाली बाघिन एसटी-30 को 2023 में रणथम्भौर से सरिस्का पुनर्स्थापित किया गया था।**

सीसीएफ संग्राम सिंह ने बताया कि जंगल में गश्त के दौरान वनकर्मियों ने बाघिन एसटी-30 को 3 शावकों के साथ देखा था। शावक और बाघिन स्वस्थ नजर आ रहे हैं। वन विभाग ने अब बाघिन की मॉनिटरिंग बढ़ा दी है। कैमरा ट्रैप और ग्राउंड पेट्रोलिंग बढ़ाकर मानवीय हस्तक्षेप को कम से कम किया गया है। बाघिन के नए शावक आने के बाद वन राज्य मंत्री संजय शर्मा ने वनकर्मियों को बधाई दी।

'सफल इकोनॉमिक्स, सफल राजनीति भी है'

तमिलनाडु के मु.मंत्री ने सोच-समझ कर यह नारा अपनाया है, अगले विधानसभा चुनाव के लिए

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **हालांकि, उनके दो मंत्री भ्रष्टाचार में लिप्त पाये गये हैं तथा मंत्री पद से हटा दिया गया है। परन्तु, स्टालिन यह जानते हैं कि भ्रष्टाचार चुनाव में कोई खास मुद्दा नहीं होता।**
- **इसका उदाहरण हैं जयललिता, जिन पर भ्रष्टाचार के भारी आरोप लगे, पर, वे दोबारा मु.मंत्री चुनकर आयीं।**
- **अतः स्टालिन तमिलनाडु की, शिक्षा के क्षेत्र में, औद्योगिकीकरण के मामले में सफलता का ही उदाहरण देते है और इसे ही चुनाव का मुद्दा बनाना चाहते हैं। वे 2024-25 में तमिलनाडु में 9.69 प्रतिशत ग्रोथ रेट को अपनी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि गिना रहे हैं।**

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री तथा द्रमुक प्रमुख एम.के. स्टालिन ने मंगलवार को 'द्रविड़ मॉडल ऑफ डवलपमेन्ट एंड ग्रोथ' को 2026 के विधानसभा चुनावों के मुख्य आधार के रुप में प्रस्तुत किया तथा यह संदेश देने का प्रयास किया कि अच्छी अर्थव्यवस्था ही अच्छी राजनीति है।

अपना चुनावी नैरेटिव प्रस्तुत करते हुये, स्टालिन ने कहा कि उनकी सरकार के मॉडल का द्वितीय संस्करण 2026 में लोड होगा। उन्होंने दृढ़तापूर्वक कहा कि सत्ता में उनकी वापसी होगी तथा यह एक ऐसी उपलब्धि होगी, जो उनके पिता को भी नसीब नहीं हुई। तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के नतीजों की इस चक्रीय प्रकृति को केवल जे जयललिता ही तोड़ पाई थीं तथा 2011 में द्रमुक से सत्ता छीनने के बाद, 2016 में पुनः निर्वाचित हुई थी।

इस समय, चूँकि विपक्ष कुछ कमजोर है, अन्नाद्रमुक में फूट है, तथा भाजपा के साथ उसका गठबंधन कभी टूटता है, तभी बनता है, गठबंधन पार्टनरों के हल्के-फुल्के मतभेद भी हैं, तथा अभिनेता विजय का भी राजनैतिक क्षितिज पर उदय हो चुका है- इस सब कारणों के चलते, स्टालिन आत्मविश्वास से भरे हुये प्रतीत हो रहे हैं, या फिर तमिलनाडु के मतदाताओं के सम्मुख वे स्वयं को इस रुप में प्रस्तुत कर रहे हैं।

वे आर्थिक मोर्चे पर राज्य की उपलब्धियों को प्रस्तुत करते ही रहते हैं तथा अपनी सरकार के दूसरे कार्यकाल के दौरान भी वे ऐसी ही उपलब्धियों के वादे कर रहे हैं।

मंगलवार को, विधानसभा में बहस का समापन करते हुये, उन्होंने अपनी सरकार की चार साल की विभिन्न उपलब्धियाँ गिनाईं। स्टालिन ने विधानसभा में कहा कि उनकी पार्टी के नेतृत्व वाली इस सरकार के शासनकाल में राज्य ने नई ऊँचाइयाँ स्पर्श की हैं तथा तमिलनाडु 9.69 प्रतिशत ग्रोथ रेट के साथ, 2024-25 में "पहले नम्बर" पर रहा है।

स्टालिन ने कहा कि यह ग्रोथ रेट अभूतपूर्व थी। उन्होंने यह भी कहा कि केन्द्र सरकार के आँकड़े इस तथ्य को प्रमाणित कर रहे हैं।

उन्होंने अपनी सरकार की प्रमुख उपलब्धियाँ बताते हुये कहा कि मिडिल स्कूलों में न कोई ड्रॉपआउट नहीं" है, गरीबी उन्मूलन के प्रयास जारी हैं तथा उच्च शिक्षा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। स्टालिन ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति भी अच्छी है। कुछ लोग चाहते हैं कि हमसे चूक हो तथा कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ें, लेकिन हमारी उपलब्धियाँ सबके सामने हैं, सबको दिखाई दे रही हैं।

स्टालिन ने पूर्ण भरोसा व्यक्त करते हुये कहा कि तमिलनाडु के मतदाता, विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं तथा प्रोजेक्टों के क्रियान्वयन के कारण, द्रमुक को जबरदस्त समर्थन देंगे।

लेकिन जमीनी स्तर पर, कुछ सत्ता-

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कोटा में एक और कोचिंग छात्र ने आत्महत्या की

कोटा, 29 अप्रैल (निसं)। शहर के जवाहर नगर थाना इलाके में एक कोचिंग छात्र ने फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद छात्र के शव को एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया गया है। यह छात्र मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट यूजी की तैयारी कर रहा था और कोटा में रह रहा था। छात्र मूल रूप से बिहार का निवासी

- **बिहार का छात्र 15 दिन पहले ही 11वीं के साथ मैडिकल की तैयारी के लिए कोटा आया था।**

है और 15 दिन पहले ही कोटा आया था। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है।

जवाहर नगर थानाधिकारी राम लक्ष्मण गुर्जर ने बताया कि क्षेत्र के ही एक हॉस्टल से सूचना मिली थी। इसके बाद वे मौके पर पहुंचे थे और एफएसएल टीम को भी बुलाया गया, साथ ही जांच पड़ताल के बाद बॉडी को मोर्चरी में शिफ्ट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लोक गायिका नेहा सिंह राठौड़ के खिलाफ एफआईआर दर्ज, लखनऊ के हज़रतगंज थाने में

यू.पी. पुलिस ने एक ऐसी एफआईआर एक्टिविस्ट व प्रोफेसर माद्री काकोती के खिलाफ भी दर्ज करवायी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **एफआईआर के अनुसार, नेहा सिंह राठौड़ ने अपने एक्स हैंडल पर ऐसी आपत्तिजनक टिप्पणियाँ की हैं, जिससे देश की अखण्डता को चुनौती मिलती है तथा साम्प्रदायिक तनाव व दुर्भावना फैलने की आशंका है।**
- **शिकायतकर्ता अभय प्रताप सिंह के अनुसार, इन एफआईआर के विरोध में नेहा राठौड़ द्वारा दिये गये वक्तव्य पाकिस्तान में वायरल हो रहे हैं तथा इन वक्तव्यों के आधार पर पाकिस्तान मीडिया भारत के खिलाफ प्रपोगैण्डा फैला रहा है तथा भारत की प्रतिष्ठा के खिलाफ सवाल उठा रहा है।**

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। पाकिस्तान के रक्षामंत्री ख्वाजा आसिफ के 'एक्स' अकाउन्ट को भारत में निलम्बित कर दिये जाने, तथा उत्तर प्रदेश की लोक गायिका नेहा सिंह राठौड़ जैसे जाने-माने आलोचकों पर एफआईआर किये जाने से सोशल मीडिया ग्रुपों तथा सिविल सोसायटी सर्कल्स में बहुत से सवाल खड़े हो गए हैं। कुछ लोगों का कहना है कि यह सब भाजपा-आरएसएस ईको सिस्टम की गहरे तक पैठी आंतरिक असुरक्षा का संकेत है।

पाकिस्तान के कुछ पत्रकारों के एक्स एकाउंट भी सस्पैंड किए गए हैं, जो पाकिस्तान की आईएसआई के लिए काम कर रहे थे। इससे पहले, सोमवार को भारत ने 16 पाकिस्तानी यू ट्यूब चैनलों पर प्रतिबंध लगाया था, जो कथित रुप से भड़काने वाली, सांप्रदायिक रुप से संवेदनशील तथा भारत के खिलाफ भ्रामक विषय वस्तु प्रसारित कर रहे थे तथा पहलगाम हमले के संदर्भ में भारत की सेना व सुरक्षाबलों के खिलाफ द्वेष फैला रहे थे।

इसी बीच, उत्तर प्रदेश पुलिस ने लोक गायिका नेहा सिंह राठौड़ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। उनके खिलाफ कई गंभीर आरोप लगाए गए है, जिनमें भारत की सम्प्रभुता, एकता अखंडता के लिए खतरा पैदा करना शामिल है। एक अन्य एक्टिविस्ट माद्री काकोती, जो डॉ. मेडूसा के नाम से विख्यात हैं, पर भी इन्हीं आरोपों के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

एक भाजपा कार्यकर्ता अभय प्रताप सिंह ने शिकायत दर्ज की थी कि लोक गायिका एवं कवयित्री नेहा सिंह राठौड़ अपने एक्स हैंडल का इस्तेमाल कुछ आपत्तिजनक पोस्ट करने के लिए कर रही हैं, जो राष्ट्रीय एकता पर विपरीत प्रभाव डाल सकती हैं। वे बार-बार एक समुदाय को दूसरे के खिलाफ भड़काने का प्रयास कर रही हैं।" इस शिकायत के आधार पर लखनऊ की हज़रत गंज पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।

एफआईआर के अनुसार, नेहा सिंह राठौड़ के भारत विरोधी बयान पाकिस्तान में वायरल हो रहे हैं तथा पाकिस्तान के लोग उसकी तारीफ कर रहे है। पाकिस्तानी मीडिया नेहा सिंह राठौड़ के भारत विरोधी सभी बयानों का इस्तेमाल कर रहा है और भारत के खिलाफ बयानबाजी के लिये इन बयानों का प्रयोग कर रहा है। ऐसे समय में नेहा सिंह राठौड़ के भारत विरोधी बयान देश और सभी कवियों के लिए अपमानजनक है।

एफआईआर के जवाब में राठौड़ ने कहा, यह एक्शन मूल मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए किया गया है।

नेहा ने कहा, "पहलगाम हमले के जवाब में सरकार क्या कर रही है, मेरे खिलाफ एफआईआर? मेरे खिलाफ एफआईआर कर सरकार असल मुद्दों से ध्यान भटकाना चाहती है। क्या यह समझना इतना मुश्किल है। अगर आप में हिम्मत है तो आतंकवादियों के सिर लेकर आइए। अपनी असफलता के लिए मुझे दोष मत दीजीए। जैसे लोकतंत्र में हर वोट महत्वपूर्ण होता है, वैसे ही हर सवाल भी महत्वपूर्ण होता है। सरकार को मेरे सवाल पूछने से दिक्कत है, इसलिए वे मुझे रोकना चाहते हैं।"

राठौड़ के बाद, लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रोफेसर डॉ. मेडसा (माद्री काकोती) के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है। डॉ. मेडूसा सरकार की आलोचक हैं और अपने कटाक्षों के लिए जानी जाती है। उन्होंने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट ने 36 साल पहले मिली सजा रद्द की

जयपुर, 29 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने एसिड अटैक के मामले में 36 साल पहले मिली सज़ा को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही, अदालत ने याचिकाकर्ता को निचली अदालत से मिली ढाई साल की सजा की अवधि को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार की ओर से पेश अपील को भी खारिज कर दिया है। जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल की एकलपीठ ने यह आदेश सलीम और राज्य सरकार की ओर से दायर अपीलों पर संयुक्त रूप से सुनवाई करते हुए

- **याचिकाकर्ता को 1989 में हत्या के प्रयास के अपराध पर निचली अदालत ने ढाई साल की सजा सुनाई थी। वैसे हाई कोर्ट ने 1989 में ही सजा स्थगित कर दी थी।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

श्रद्धा और विश्वास ऐसी जड़ी बूटियाँ हैं कि जो एक बार घोल कर पी लेता है वह चाहने पर मृत्यु को भी पीछे धकेल देता है। -अमृतलाल नागर

क्या है सोशल मीडिया का वास्तविक स्वरूप!

मार्शल मैक्लुहान का एक प्रसिद्ध कथन है कि "सभी मीडिया किसी न किसी मानवीय क्षमता का विस्तार हैं- मानसिक हो या शारीरिक"। इस आधार पर हमें सोशल मीडिया को उसके वास्तविक स्वरूप में समझने में मदद मिल सकती है। आभासी ऑनलाइन दुनिया का विस्तार इतना व्यापक है कि कोई आश्चर्य नहीं कि यह हमारी भौतिक ऑफ़लाइन वास्तविकता में भी घुस कर उसे उथल-पुथल कर रहा है। कुछ विशेषज्ञ तो यह भी कह रहे हैं कि यह "वास्तविकता के पुनर्निर्माण का युग" है। सूचना का अतिभार इतना है कि तथ्य और कल्पना के बीच अंतर करना मुश्किल हो चला है। इसके चलते कुछ विशेषज्ञ यह निष्कर्ष भी निकाल रहे हैं कि वर्तमान 'सूचना युग' वास्तव में 'झूठी सूचना का युग' है, जिसमें सत्य बार-बार बलि चढ़ता है। एक समय था जब समाचार मीडिया संगठनों द्वारा तथ्य को पवित्र माना जाता था। हालांकि यह भी तथ्य है कि पूर्ण सत्य हमेशा ही मीडियाकर्मियों से दूर रहा है, लेकिन उन्होंने जितना संभव हो सके इसके करीब पहुंचने की कोशिश जरूर की। बीबीसी के एक प्रसिद्ध प्रोमो को याद किया जा सकता है जिसमें दावा किया जाता था कि "सत्य के कई शेड्स होते हैं और हम उन सभी को प्रस्तुत करते हैं"। एक नये शब्द 'पोस्ट-ट्रुथ' ने 2016 में ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में प्रवेश किया। इसे एक विशेषण के रूप में परिभाषित किया गया था, यानि वस्तुनिष्ठ तथ्य जनमत को बनाने में कम प्रभावी प्रभावी होते हैं मगर भावनाओं और व्यक्तिगत विश्वासों को उभारने में अधिक कारगर होते है। 'पोस्ट-ट्रुथ' को 'वर्ष का शब्द' नामित करते हुए ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी के अध्यक्ष ने एक दशक से भी कम समय पहले कहा था: "यह आश्चर्य की बात नहीं है कि हमारी पसंद एक ऐसे वर्ष को दर्शाती है जो अत्यधिक आवेशित राजनीतिक और सामाजिक प्रवचन से प्रभावित है। समाचार स्रोत के रूप में सोशल मीडिया के उदय और प्रतिष्ठान द्वारा पेश किए गए तथ्यों के प्रति बढ़ते अविश्वास से प्रेरित होकर, एक अवधारणा के रूप में पोस्ट-ट्रुथ कुछ समय से अपनी भाषाई पैर जमा रहा है।" इसके लगभग एक दशक बाद यह सुरक्षित रूप से कहा जा सकता हैं कि हम अब पोस्ट-ट्रुथ युग में रह रहे हैं। मगर यह जुमला अब पुराना हो गया है। कभी हमें बताया जाता था कि सोशल मीडिया राष्ट्रीय सीमाओं और सभी बाधाओं को तोड़कर लोगों को एक साथ लाता है तथा वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को वास्तविक रूप से सुनिश्चित करता है। इसीलिए स्वतंत्र सोशल मीडिया के आगमन से उत्साहित होकर पत्रकारिता शिक्षा के सभी संस्थान सोशल मीडिया और ऑनलाइन पत्रकारिता में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करने की होड़ में कूद पड़े। पत्रकारिता और जनसंचार के विश्वविद्यालयों में ये पाठ्यक्रम और डिग्रियां उन पासआउट के लिए नौकरियों के अवसर प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गईं जो अब न केवल बाजार के उत्पादों बल्कि राजनीतिक दलों और उनके नेताओं को बढ़ावा देने के लिए औजार बन कर मजदूरी का जरिया बन गई। सभी स्वतंत्र पत्रकार हो गये। ऐसे मजदूरों को सम्मानजनक इंफ्लुएंसर का नाम दे दिया गया। केंद्र और राज्यों की सरकारों ने भी उनकी सेवाएं लेना शुरू कर दी है। प्रचार का काम करने वाले अब पत्रकार मान लिए गये हैं।

सोशल मीडिया का अब तक का अनुभव बताता है कि वह कुछ और भी करता है। वह जो कुछ और करता है वह अब बिल्कुल भी रहस्य नहीं है। वास्तव में वह एकता को तोड़ता है और सीधे टकराव की सुविधा देकर लोगों को विभाजित करता है। इसलिए, इसे उचित ही विभाजनकारी मीडिया के रूप में वर्णित किया जाने लगा है जो आम सहमति के प्रयासों की हमारी क्षमता को बाधित करता है। आम सहमति के बिना कोई भी समाज ज्ञान का साझा-निर्माण नहीं कर सकता है। समाज में टकराव के मुद्दों की कभी कोई कमी नहीं होती हैं। हम विवादित पक्षों के अनुयाइयों को सोशल मीडिया पर आम तौर पर कटु शब्दों वाले द्वंद्व और झगड़ों में लिप्त रहते पाते हैं। यहां दोस्त बनाये जाते हैं और लोगों को अनफ्रेंड भी किया जाता है। सोशल मीडिया कुछ और भी करता है। यह समान विचारधारा वाले लोगों के समुदाय बनाता है। ऐसे समुदायों के लोग एक-दूसरे को हर तरह से पसंद करते हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम, और एक्स जैसे पटलों पर बने मित्र मोटे तौर पर समान विश्वदृष्टि रखते हैं। समान हित और विचारधाराएं उन्हें जोड़ती हैं। कोई भी व्यक्ति सोशल मीडिया पर सबसे पहले समान विचारधारा वाले ऐसे व्यक्तियों के साथ जुड़ता है जो ऐसी पोस्टें करते हैं जो उसके दृष्टिकोण को पुष्ट करती है। यह भी सब जानते हैं कि एल्गोरिदम का उपयोग करके सोशल मीडिया को झूठ और फर्जी कहानियां फैलाने के लिए अनुकूल बनाया जाता है। भोले-भाले लोग यह मानते रहते हैं कि सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म निष्पक्ष माध्यम हैं। यहां तक कि राजस्थान सरकार द्वारा स्थापित हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय अपने उद्देश्यों को बताते हुए इस हद तक आगे बढ़ कर कहता है कि सोशल मीडिया ने "संचार के लोकतंत्रीकरण और नागरिकों के सशक्तिकरण में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। इस माध्यम ने सामाजिक रूप से हाशिए पर पड़े समुदायों को आवाज़ दी है जिनका मुख्यधारा के समाचार मीडिया में बहुत कम प्रतिनिधित्व था या वे अनुपस्थित थे। सोशल मीडिया ने नागरिकों को सरकारों और प्रशासन की जवाबदेही सुनिश्चित करने का एक साधन प्रदान किया है।" सोशल मीडिया पर सभी को अपनी बात कहने की आज़ादी है। कोई भी किसी भी चीज को समाचार कह सकता है। और हर कोई किसी भी चीज को फर्जी खबर कह सकता है, ट्रोल कर सकता है। कोई नहीं जानता कि किस पर विश्वास किया जाए, किस पर भरोसा किया जाए। सोशल मीडिया समाज को आभासी जगत में ले जाता है। मुख्यधारा के भौतिक मीडिया के विपरीत सोशल मीडिया मनोवैज्ञानिक कनेक्शन पर काम करता है। संदेश इस तरह से तैयार किए जाते हैं कि वे भावनाओं को छूते हैं। सोशल मीडिया, वास्तव में, बाजार उद्यम हैं। इन उद्यमों का उत्पाद उनके उपयोगकर्ता 'हम लोग' हैं। लोगों को उनके प्लेटफ़ॉर्म पर बनाए रखने के लिए एल्गोरिद्म डिज़ाइन किया जाता है। यदि कोई मोदी विरोधी के रूप में क्लिक करता है, तो एल्गोरिथ्म उसे और अधिक मोदी विरोधी सामग्री दिखलाएगा और इसके विपरीत यदि कोई राहुल गांधी विरोध का संकेत देता है तो उसे एल्गोरिद्म वैसी सामग्री परोसेगा। इस प्रकार लोगों के पूर्वाग्रहों की पुष्टि होती है और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करके दूसरों के प्रति घृणा को बढ़ाया जाता है। सोशल मीडिया का उदय शासन प्रणाली, विशेष रूप से इसकी संस्थाओं, में विश्वास के संकट के साथ हुआ है। एक के बाद एक बड़े वित्तीय घोटालों के साथ मीडिया में लोगों के विश्वास में दीर्घकालिक गिरावट आई है। इसका मतलब है कि जिन बुनियादी संस्थानों पर लोकतंत्र आधारित है, उन्हें बदनाम किया जाता है। परिणामस्वरूप हम लोकलुभावन जननायकों और राष्ट्रवादी जननायकों का उदय देखते हैं।

> **बीसवीं सदी के दौरान लंबे समय तक प्रिंट मीडिया और बाद में प्रसारण मीडिया ने समाज और राजनीति को आकार दिया। डिजिटल मीडिया जिसे विशेषज्ञों ने मुक्ति-मीडिया के रूप में देखा वह जिस धमाकेदार तरीके से आया, उसने अचानक पुराने संतुलन को बिगाड़ कर रख दिया है। अब हम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की सामाजिक रूप से विनाशकारी भूमिका के खिलाफ आवाजें सुन रहे हैं।**

पुस्तक वॉर इन 140 कैरेक्टर्स: हाउ सोशल मीडिया इज रीशेपिंग कॉन्फ्लिक्ट इन द ट्वेंटी फर्स्ट सेंचुरी के लेखक डेविड पैट्रिकर्कस कहते हैं कि, "जितना अधिक संदेह आप लोगों के मन में सभी सूचनाओं के प्रति जगा सकते हैं उतना ही सत्य को पहचानने की उनकी प्रवृत्ति को कमजोर कर सकते हैं। इसका उद्देश्य पुराने युग के राजनेताओं की तरह सत्य को तोड़-मरोड़ कर पेश करना नहीं है, बल्कि इस धारणा को ही खत्म करना है कि कोई वस्तुनिष्ठ सत्य मौजूद है।" अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या हमारा यह विश्वास कि इंटरनेट और डिजिटल मीडिया तकनीक हमें स्वतंत्रता के एक नए युग में ले जाएगी, अब भी सच हो सकता है? मगर अनेकों को लगता है कि "लोकतांत्रिक बदलाव के लिए आशावादी दृष्टिकोण" जो कभी डिजिटल मीडिया के क्षेत्र में निहित था, उसमें से बहुत कुछ खो गया है और अब एक गहरी निराशावादिता छा गई है। नागरिक जीवन पर डिजिटल मीडिया के सभी रूपों के दीर्घकालिक प्रभाव के बारे में गहन अनिश्चितता प्रतीत होती है, विशेष रूप से सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म के लिए, जो कई लोगों के लिए आभासी की जगह वास्तविक बन गए हैं। कुछ समाजशास्त्री इसे एक समस्याग्रस्त पहलू मानते हैं कि किस प्रकार डिजिटल मीडिया अपना स्वरूप बदल रहा है, जनमत का निर्माण किस प्रकार हो रहा है तथा उदार लोकतंत्रों की नागरिक संस्कृति किस प्रकार विकसित हो रही है। बीसवीं सदी के दौरान लंबे समय तक प्रिंट मीडिया और बाद में प्रसारण मीडिया ने समाज और राजनीति को आकार दिया। डिजिटल मीडिया जिसे विशेषज्ञों ने मुक्ति-मीडिया के रूप में देखा वह जिस धमाकेदार तरीके से आया, उसने अचानक पुराने संतुलन को बिगाड़ कर रख दिया है। अब हम सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की सामाजिक रूप से विनाशकारी भूमिका के खिलाफ आवाजें सुन रहे हैं। कुछ टिप्पणीकार 'निगरानी पूंजीवाद' पर आधारित सोशल मीडिया की एकाधिकार शक्ति की बात करते हैं। राजनीतिक समूहों और कॉर्पोरेट संगठनों द्वारा उनका उपयोग और दुरुपयोग खुलेआम हो रहा है। हम एक ऐसे चरण में पहुंच गए हैं जहां हमारा नफरत और असहिष्णुता के प्रसार में सोशल मीडिया की भूमिका के बारे में चिंतित होना स्वाभाविक है। इसलिए, लोगों को, विशेष रूप से मीडियाकर्मियों को, अस्वस्थ सूचना वातावरण से दूर रहकर वास्तविक सूचना स्रोतों से जुड़े रहने, सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे संदेशों पर अनजाने में विश्वास न करने और वास्तविक पुस्तकों को भौतिक रूप में पढ़ने के लिए शिक्षित करने की आवश्यकता है।

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

राजस्थान: जल जीवन मिशन के बावजूद प्यासा का प्यासा

राजेन्द्र मोहन शर्मा

राजस्थान, भारत का सबसे बड़ा राज्य, गंभीर जल संकट से जूझ रहा है। 68 प्रतिशत रेगिस्तानी भूमि और 400 से 600 मिलीमीटर की औसत वार्षिक वर्षा, जो राष्ट्रीय औसत (1,100 मिलीमीटर) से काफी कम है उस पर ऊपर से अंधाधुंध पानी का दोहन और रेत के धोरों पर भ्रष्टाचार की नदियों का अकूत प्रवाह इस संकट की जड़ है। केंद्रीय जल आयोग की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य में प्रति व्यक्ति पानी की उपलब्धता केवल 900 क्यूबिक मीटर है, जबकि राष्ट्रीय औसत 1,545 क्यूबिक मीटर है।

केंद्रीय भूजल बोर्ड की 2025 की रिपोर्ट बताती है कि राज्य में 295 ब्लॉकों में से 70 प्रतिशत डार्क जोन में हैं, जहाँ भूजल स्तर लगभग 300 मीटर तक नीचे चला गया है। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइड्रोलॉजी की 2024 की स्टडी के अनुसार, पिछले दो दशकों में भूजल स्तर में 2 मीटर प्रति वर्ष की दर से गिरावट आई है। लूनी और बनास जैसी नदियाँ गर्मियों में सूख जाती हैं। राजस्थान जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की 2025 की रिपोर्ट के मुताबिक, 70 प्रतिशत तालाब और जलाशय सूख चुके हैं या अतिक्रमण और कचरे की भेंट चढ़ गए हैं। गर्मियों में, जब तापमान 45 से 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुँचता है, पेयजल की माँग चरम पर होती है तब हमारे पास पंहुचाने को पानी होता ही नहीं है। राजस्थान जल संसाधन विभाग की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, 80 प्रतिशत हैंडपंप और ट्यूबवेल गर्मियों में सूख जाते हैं। जल बिरादरी की 2024 की रिपोर्ट कहती है कि 60 लाख ग्रामीण परिवार स्वच्छ पेयजल से वंचित हैं। यूनिसेफ की 2024 की स्टडी के मुताबिक, ग्रामीण महिलाएँ और लड़कियाँ अब भी प्रतिदिन 4-6 घंटे पानी लाने में बिताती हैं, जिससे 30प्रतिशत लड़कियाँ स्कूल नहीं जा पातीं। टैंकरों की अनियमित आपूर्ति और 500 रुपये प्रति टैंकर की कीमत गरीब परिवारों के लिए बोझ है। कृषि पर भी जल संकट की गहरी मार पड़ रही है।

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, भूजल दोहन के कारण 35-40 प्रतिशत कृषि उत्पादन में कमी आई है। 40 प्रतिशत कृषि योग्य भूमि बंजर हो चुकी है, खासकर डार्क जोन ब्लॉकों में, जहाँ सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध नहीं है। जब जल जीवन मिशन 2019 में शुरू हुआ था तब 1.07 करोड़ ग्रामीण परिवारों को 2024 तक नल से 55 लीटर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन स्वच्छ पेयजल पहुँचाने का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन जल शक्ति मंत्रालय की 2025 की प्रगति रिपोर्ट के अनुसार, केवल 60 लाख परिवारों (56प्रतिशत) को ही यह सुविधा मिल सकी है। अब भी राज्य के 17,000 गाँवों में नल का पानी नही है। आदिवासी क्षेत्रों में केवल 29 प्रतिशत घरों में नल का पानी उपलब्ध है। कई जगह पाइपलाइनें बिछाई गईं, लेकिन पानी की आपूर्ति नहीं होती। रखरखाव के लिए फंड की कमी और टूटी पाइपलाइनों ने जल जीवन मिशन को कमजोर किया है।

भ्रष्टाचार ने जल जीवन मिशन को सबसे ज्यादा नुकसान पहुँचाया। कंट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल की 2024 की ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, 15,000 करोड़ रुपये के आवंटित फंड में से लगभग 25 प्रतिशत यानी करीब 3,750 करोड़ रुपये भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ गए थे । कागजों पर 100ड़ नल कनेक्शन दिखाए गए, लेकिन कई गाँवों में नल का पानी पंहुचा ही नहीं है। टेंडर प्रक्रिया में पारदर्शिता की कमी रही, और ठेकेदारों ने निम्न गुणवत्ता की सामग्री का उपयोग किया, जिससे पाइपलाइनें जल्दी खराब हो गईं। इससे लागत 30 प्रतिशत तक बढ़ाई गई, फिर भी कार्य अधूरे ही रहे।

जल संरक्षण फाउंडेशन की 2024 की रिपोर्ट के अनुसार, 10 प्रतिशत पाइपलाइन परियोजनाएँ तो केवल कागजों में ही पूरी हुईं। कई जगह पानी की आपूर्ति के लिए पंप या बिजली कनेक्शन नहीं दिए गए, और रखरखाव की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। पड़ोसी राज्यों से पानी के समझौते भी आधे-अधूरे हैं। इंदिरा गांधी नहर बीकानेर और जैसलमेर में पंजाब से पानी लाती है, जिससे 15 लाख हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होती है। लेकिन राजस्थान जल संसाधन विभाग की 2024 की समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार, खराब रखरखाव और चोरी के कारण 30 प्रतिशत पानी बर्बाद हो जाता है। नर्मदा नहर बांसवाड़ा में गुजरात से पानी लाती है, जिससे 2.5 लाख हेक्टेयर भूमि को लाभ होता है, लेकिन गुजरात के साथ विवाद के कारण यहां भी पानी की आपूर्ति अनियमित है। यमुना का पानी अलवर और भरतपुर के लिए है, लेकिन हरियाणा अपर्याप्त पानी छोड़ता है। य

द्यपि जल संरक्षण के प्रयासों में कुछ प्रगति अवश्य हुई है। मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान ने 2016 से 2025 तक 2.5 लाख जल संचयन संरचनाएँ, जैसे तालाब, चेक डैम, और एनीकट, बनाए गए हैं। झालावाड़ में कालिसिंध नदी पर बना एक एनीकट 10,000 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई कर रहा है। सीकर में रेनवाटर हार्वेस्टिंग को बढ़ावा मिला है। लूनी और बनास जैसी नदियों के पुनर्जनन के लिए छोटे चेक डैम बनाए जा रहे हैं। लेकिन ये प्रयास विशाल संकट के सामने नाकाफी हैं। इस संकट से निपटने के लिए ठोस कदमों की आवश्यकता है। भ्रष्टाचार रोकने के लिए डिजिटल मॉनिटरिंग और तृतीय-पक्ष ऑडिट अनिवार्य हों। टेंडर प्रक्रिया को ऑनलाइन और प्रतिस्पर्धी बनाया जाए। सूखे तालाबों और जलाशयों के पुनर्जनन के लिए राज्य-स्तरीय अभियान शुरू हो, और वाटर बाडीज एरिया में अतिक्रमण हटाने के लिए सख्त कानून लागू हों। डार्क जोन ब्लॉकों में ट्यूबवेल ड्रिलिंग पर प्रतिबंध लगे और रेनवाटर हार्वेस्टिंग को पूरे राज्य में अनिवार्य किया जाए। भूजल रिचार्ज के लिए बड़े पैमाने पर चेक डैम और तालाब बनाए जाएँ।

पड़ोसी राज्यों के साथ पानी के समझौतों के लिए अंतर-राज्यीय समन्वय समिति बने। इंदिरा गांधी नहर की मरम्मत और पानी की चोरी रोकने के लिए निगरानी बढ़े। स्थानीय समुदायों को जल संरक्षण में शामिल किया जाए, और स्कूलों में जल प्रबंधन पर पाठ्यक्रम शुरू हों। ड्रिप इरिगेशन और स्मार्ट वाटर मीटरिंग जैसी तकनीकों को बढ़ावा मिले। जल जीवन मिशन के लिए 2025-26 में 74,226 करोड़ रुपये का बजट है, लेकिन बिना भ्रष्टाचार पर लगाम और कार्यान्वयन में सुधार के यह राशि भी अपर्याप्त साबित होगी। राजस्थान का जल संकट केवल पानी की कमी नहीं, बल्कि जीवन और आजीविका की चुनौती है। इसे हल करने के लिए सरकार, समाज, और नागरिकों को एकजुट होकर मिशनरी दृष्टिकोण अपनाना होगा।

राजेन्द्र मोहन शर्मा,
साहित्यकार, शिक्षाविद और चिन्तक

धर्म गुरूओं को बाल विवाह मुक्त अभियान में जोड़ा

बाल विवाह मुक्त भारत की दिशा में बढ़ाया कदम, झुंझुनूं में अभियान का शुभारंभ किया

झुंझुनूं, (निसं)। अक्षय तृतीया पर होने वाले अबूझ सावे पर बाल विवाह को रोकने के लिए सामाजिक संस्थाओं ने धर्मगुरूओं को अभियान से जोड़ते हुए उनसे अपील की है कि वे किसी भी नाबालिग की शादी ना करवाएं। झुंझुनूं में इस अभियान का शुभारंभ किया गया।

राजस्थान महिला कल्याण मंडल की जिला प्रभारी चेतना शर्मा ने इस अभियान की जानकारी देते हुए बताया कि जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन तथा एक्सेस टू जस्टिस परियोजना के तहत राजस्थान महिला कल्याण मंडल ने ना केवल झुंझुनूं, बल्कि चूरू, नागौर, अजमेर, डीडवाना-कुचामन और बीकानेर में इस अभियान की शुरूआत की है। झुंझुनूं को बाल विवाह मुक्त बनाने की दिशा में पिछले दो सालों से काम किया जा रहा है। जागरूकता से काफी बाल विवाह रूकवाए भी गए हैं, लेकिन जब तक इस अभियान में धर्मगुरू शामिल नहीं होंगे, यह अभियान पूर्ण सफल नहीं हो सकता। इसलिए अब इस अभियान में धर्मगुरूओं को शामिल करते हुए संकल्प लिया गया है कि 2030 तक बाल विवाह मुक्त भारत में झुंझुनूं और राजस्थान भी अपना पूरा सहयोग देगा। उन्होंने बताया इस अभियान के तहत अब धर्मगुरूओं द्वारा भी लोगों को बाल विवाह ना करने के लिए जागरूक किया जाएगा।

अपहृत बालिका को दस्तयाब किया

सुलताना, (निसं)। लापता बच्चों को ढूंढने के लिए राजस्थान पुलिस ने खुशी-9 अभियान चलाया हुआ है, जिसके तहत झुंझुनूं की सुलताना पुलिस ने एक नाबालिग बालिका को करीब 700 किलोमीटर तक पीछाकर कोटा के रानपुर से दस्तयाब किया। दर्ज हुए मामले में अनुसंधान के बाद नाबालिग का अपहरण करने वाले आरोपी को भी सुलताना पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

सुलताना एसएचओ रविंद्र कुमार ने बताया कि थाने में एक युवक ने मामला दर्ज करवाया था कि उसकी नाबालिग बहन का किसी ने अपहरण कर लिया है। जिसके बाद पुलिस ने सूचना जुटाई और नाबालिग की तलाश में करीब 700 किलोमीटर दूर कोटा के रानपुर तक पहुंची। जहां से नाबालिग को दस्तयाब किया गया। इस मामले में नाबालिग के बयान और परिजनों की रिपोर्ट पर अपहरण का मामला भी दर्ज किया गया था। इस मामले में नाबालिग का अपहरण करने वाले कोटा के रानपुर थाना इलाके के लखावा निवासी नरेश पुत्र गुलाब भाट को भी गिरफ्तार किया गया है।

मुस्लिम महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल

विजया रहाटकर

भारत में महिला सशक्तिकरण केवल एक सामाजिक पहल नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की नींव है। पिछले लगभग एक दशक से महिलाओं को उनके अधिकार, सम्मान और हिस्सेदारी दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी दिशा में हाल ही में पारित वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। नैतिकता, ऐतिहासिकता और वैधानिकता के सभी मानकों पर खरा उतरते हुए यह अधिनियम न केवल वक्फ संपत्तियों के प्रबंधन को पारदर्शी और जवाबदेह बनाएगा, बल्कि मुस्लिम महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और कानूनी सशक्तिकरण का भी मार्ग प्रशस्त करेगा। भारत में वक्फ के पास लाखों एकड़ भूमि होने के बावजूद मुस्लिम महिलाओं के लिए शिक्षा, विधवाओं और तलाकशुदा महिलाओं के कल्याण या अनाथ बच्चों की देखभाल हेतु कोई ठोस व्यवस्था नहीं बन पाई थी। यह अधिनियम इन सभी कमियों को दूर करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है।

1. निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की भागीदारी:- पहली बार राज्य वक्फ बोर्डों और केंद्रीय वक्फ परिषद में दो मुस्लिम महिलाओं की अनिवार्य भागीदारी सुनिश्चित की गई है। यह नारी सहभागिता की दिशा में ऐतिहासिक पहल है। अब महिलाओं का अनुभव और उनकी प्राथमिकताएं भी नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी, जिससे समाज में उनकी स्थिति सुदृढ़ होगी।

2. महिलाओं के उत्तराधिकार अधिकारों की रक्षा:- वक्फ-अलाल-औलाद एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें संपत्ति को परिवार के लिए समर्पित किया जाता है। पहले, इस व्यवस्था में कई बार महिलाओं के उत्तराधिकार अधिकारों की अनदेखी होती थी, सिर्फ घर के पुरुषों को ही उत्तराधिकार का लाभ मिलता था। वक्फ-अलाल-औलाद में नई व्यवस्था के तहत अब महिलाओं के उत्तराधिकार अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित की गई है। संशोधित अधिनियम महिलाओं को भी पारिवारिक संपत्ति में उनका उचित अधिकार दिलाता है, जिससे उनकी आर्थिक स्वतंत्रता को मजबूती मिलेगी। आर्थिक रूप से सशक्त महिला में सुरक्षा व सम्मान की भावना अधिक होती है।

3. वंचितों के लिए आर्थिक सहायता:-अब वक्फ की आय का उपयोग विधवाओं, तलाकशुदा महिलाओं और अनाथ बच्चों के कल्याण हेतु भी किया जा सकेगा। इससे उन्हें आवश्यक आर्थिक और सामाजिक सुरक्षा प्राप्त होगी।

4. पारदर्शिता और तकनीकी सशक्तिकरण:-डिजिटल तकनीकों के उपयोग और ऑनलाइन पोर्टलों की स्थापना से महिलाएं अपनी संपत्तियों और कानूनी अधिकारों से जुड़ी जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगी। यह पहल उन्हें जागरूक और आत्मनिर्भर बनाएगी।

5. विभिन्न मुस्लिम समुदायों का प्रतिनिधित्व:-यह अधिनियम शिया, सुन्नी, बोहरा, अगा खानी समेत सभी मुस्लिम समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित करता है, जिससे विविधता और समावेशिता को बढ़ावा मिलेगा।

6. शिक्षा और स्वास्थ्य तक व्यापक पहुंच:-वक्फ संपत्तियों के समुचित उपयोग से शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में निवेश बढ़ेगा, विशेषकर गरीब और वंचित मुसलमानों को लाभ मिलेगा, जिससे जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा।

7. कानूनी सहायता और सामाजिक कल्याण:-नया अधिनियम कौशल विकास, माइक्रोफाइनेंस, व्यावसायिक शिक्षा, विधवा पेंशन और मुफ्त कानूनी सहायता जैसे सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों का भी विस्तार करेगा। महिलाओं को उत्तराधिकार, पारिवारिक विवादों और घरेलू हिंसा जैसे मामलों में आवश्यक कानूनी सहायता मिल सकेगी।

वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 न्याय, समानता और सहभागिता के आदर्शों को सशक्त करता है। यह केवल एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि मुस्लिम महिलाओं के सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन की दिशा में एक ठोस कदम है। तीन तलाक के विरुद्ध कानून, बिना मेहरम के हज की अनुमति और प्रधानमंत्री शादी शगुन योजना जैसे अन्य कदमों के साथ मिलकर यह अधिनियम मुस्लिम महिलाओं को आत्मनिर्भरता, गरिमा और सम्मान दिलाने का सशक्त माध्यम बनेगा। यह प्रगतिशील पहल स्वागत योग्य है। मुस्लिम बहन वक्फ (संशोधन) अधिनियम 2025 द्वारा मिले अधिकारों और अवसरों का पूरा लाभ उठाकर निश्चित ही सशक्त होंगी। यह समय है बदलाव को अपनाने का, भविष्य को संवारने का और विकसित, समावेशी भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने का।

विजया रहाटकर,
(अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला आयोग)

राशिफल बुधवार 30 अप्रैल, 2025

पंडित अनिल शर्मा

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, तृतीया तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2082, रोहिणी नक्षत्र सायं 4:18 तक, शोभन योग दिन 12:01 तक, गर करण दिन 2:21 तक, चन्द्रमा आज रात्रि 3:15 से मिथुन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-वृष, मंगल-कर्क, बुध-मीन, गुरू-वृष, शुक्र-मीन, शनि-मीन, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय सम्पूर्ण दिन-रात है। रवियोग सायं 4:18 से आरम्भ होगा। भद्रा रात्रि 12:48 से आरम्भ होगी। आज आखातीज, अक्षया तृतीया, श्री मातगी जयन्ती, त्रेता युगादि, क्ल्पादि है। आज वर्षीतप समाप्त होगा और रोहिणी व्रत है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ अमृत सूर्योदय से 9:09 तक, शुभ 10:46 से 12:24 तक, चर 3:38 से 5:14 तक, लाभ 5:14 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:53, सूर्यास्त 6:55

मेष
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

वृष
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मिथुन
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च होगा। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी।

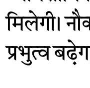

कर्क
व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कन्या
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। शुभ-मांगलिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

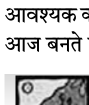

तुला
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। व्यावसायिक परेशानियां अभी यथावत बनी रहेगी। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आज बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

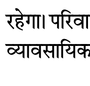

वृश्चिक
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिलेगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

मकर
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। नवीन कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कुंभ
घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

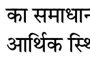

मीन
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

जिलाध्यक्ष बने होशियार खीचड़

झुंझुनूं, । मंगलवार को किसान कॉलोनी स्थित रवींद्र पब्लिक स्कूल में जाट कर्मचारी वेलफेयर सोसायटी की बैठक हुई। जिसमें सोसायटी की जिला कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से निर्वाचन हुआ। प्रदेश अध्यक्ष प्यारेलाल चौधरी ने पहले संगठन के कार्यों और उद्देश्यों के बारे में बताया। साथ ही कहा कि हर उपखंड स्तर तक संगठन की कार्यकारिणी बनाई जाएगी।

जिसमें जाट समाज के वर्तमान में कार्यरत व सेवानिवृत्त अधिकारी कर्मचारी सदस्य होंगे। जो अधिकारियों और कर्मचारियों की आवाज को उठाने का काम करेंगे। इस मौके पर सर्वसम्मति से हुए चुनावों में जिला पटवार संघ के अध्यक्ष होशियार सिंह खीचड़ को सोसायटी के जिलाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी दी गई। जिसका सभी ने स्वागत किया। इसके अलावा रिटायर्ड प्रिंसिपल पितरामसिंह गोदारा को संरक्षक, शिक्षक नेता रणवीर सिंह गोदारा को सभा अध्यक्ष तथा एईएन पंचायत समिति अमित चौधरी को सचिव चुना गया।

झुंझुनूं बंद के दौरान धार्मिक भावनाओं को आहत करने का आरोप

■ **मुस्लिम संगठनों के प्रतिनिधि मिले कलेक्टर व एसपी से, मिला कार्रवाई का आश्वासन**

झुंझुनूं, । जिला मुख्यालय पर 26 अप्रेल को पहलगाम मामले हुए बंद के दौरान दो युवकों द्वारा धार्मिक भावनाओं को आहत करने और भड़काने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को मुस्लिम संगठनों के प्रतिनिधियों ने कलेक्टर रामावतार मीणा और एसपी शरद चौधरी से मुलाकात की। मदरसा बोर्ड चेयरमैन एमडी चोपदार व शहर काजी शफीउल्लाह सिद्दीकी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पहले दोनों अधिकारियों से अलग-अलग मुलाकात कर अपनी बात रखी। इसके बाद एसपी कार्यालय में वार्ता हुई। जिसमें दूसरे पक्ष से भी एक प्रतिनिधिमंडल ने हिस्सा लिया। दोनों पक्षों में हुई बातचीत के बाद सहमति बनी कि दोनों ही युवकों से माफी मंगवाई जाएगी। या फिर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आपको बता दें कि गौ संवर्धन संस्थान के अध्यक्ष प्रवीण स्वामी तथा विश्व हिंदू परिषद के प्रांत परियोजना प्रमुख योगेंद्र कुंडलवाल ने कुरान, पैगम्बर, मदरसों को लेकर अमर्यादित टिप्पणी करने के अलावा मुस्लिम धर्म से जुड़े कार्य को लेकर अश्लील टिप्पणी भी की। जिसके बाद मुस्लिम समाज में आक्रोश है। चोपदार ने बताया कि कश्मीर की घटना से पूरा देश स्तब्ध है। पहलगाम में जिस वक्त आतंकी सैलानियों को मौत के घाट उतार रहे थे। उस वक्त आतंकवादियों से लड़ने वाला भी एक मुसलमान था। जो जान की परवाह किए बगैर आतंकवादियों से भिड़ गया।

पूरे देश का मुसलमान कश्मीर में हुई आतंकी घटना में हिंदुस्तान के साथ खड़ा है। लेकिन सिर्फ कौम के आधार पर धार्मिक भावनाओं को आहत करना कतई सही नहीं है। जबकि झुंझुनूं बंद में मुस्लिम समाज की सभी बिरादरी के लोग शामिल थे। सभी ने अपने प्रतिष्ठान भी बंद किए थे। लेकिन कुछ लोग अपनी वाहवाही लूटने के चक्कर में झुंझुनूं के सौहार्द को बिगाड़ना चाहते है। जो कतई नहीं होने दिया जाएगा। इस मौके पर मुस्लिम न्याय मंच के अध्यक्ष इमरान बड़गुजर, पार्षद संजय पारीक, ईदगाह कमेटी के अध्यक्ष खादिम खोखर, इतिहादुल मुस्लिमीन सोसायटी के अध्यक्ष जुबेर खोखर, जमीतुल कुरैश के अध्यक्ष उमर कुरैशी, मुस्लिम वेलफेयर फ्रंट के अध्यक्ष इब्राहिम पठान, हज कमेटी के अध्यक्ष मतलूब चायल, फुटला बाजार संघ के इकबाल जाजोदिया, लतीफ खानजादा, ओसामा सैय्यद, पार्षद जब्बार फुल्का, पार्षद मकबूल, तौफिक पठान, एजाज खान, इश्तियाक कुरैशी, नईम सिद्दीकी, इम्तियाज तगाला, हाकम खान, शफी नागौरी, शाहिद सिंघानिया, यूनुस रंगरेज, रफीक राईन, शौकत, इस्माइल लालू, यूनुस मुफ्ती, इमरान कासमी, नासिर अकबर, मजीद, जाकिर, हाकम, फारूक, इस्लाम, असलम, इकबाल, इदरीश, रिजवान, दानिश, आकिब, शोएब, शरीफ व आरिफ आदि मौजूद थे।

महाआरती में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

चूरू । तारानगर रोड स्थित करंट बालाजी मंदिर में परशुराम मंदिर में भगवान परशुराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विप्र फाउंडेशन के संरक्षक फतेहचंद सोती ने सपत्नीक रुद्राभिषेक किया। इस दौरान विप्र फाउंडेशन के जिलाध्यक्ष शंभु दयाल शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष विष्वनाथ शर्मा सहित विप्र बंधुओ ने भगवान परशुराम की पुजा अर्चना की। इस अवसर पर हनुमान चालीसा पाठ का सामूहिक वाचन किया गया। कार्यक्रम में विप्र फाउंडेशन के रामवतार शर्मा, श्रीराम पिपलवा, सुरेंद्र बावलिया, योगेश गौड़, जगदीश चोटिया व जय प्रकाश सेवदा ने सहयोगी भूमिका निभाई। इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण, भाजपा नेता ओम सारस्वत, वासुदेव चावला, पदम सिंह राठौड़, मोहन गढ़वाल, गोविन्द महनसरिया, दीनदयाल सैनी, पूर्व सभापति विजय शर्मा, धर्मेंद्र राकसिया, देवकी नंदन दर्जी, कमलेश राव, संपत दहिया, सूरजमल गुर्जर, पवन शर्मा, देवकरण कस्वां, आत्रेय सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरूषों ने महा आरती में भाग लिया।

धांधेला में हुआ मैत्री क्रिकेट मैच

नीमकाथाना । पाटन के निकटवर्ती गांव धांधेला में काचरेड़ा और धांधेला के पूर्व खिलाड़ियों के बीच एक मैत्री क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया। यह मैच अंतरराष्ट्रीय तर्ज पर टॉस और राष्ट्रगान के साथ शुरू हुआ, जिसमें दोनों गांवों की टीमों ने एक-एक मैच जीतकर मुकाबले को बराबरी पर समाप्त किया।इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य दोनों गांवों के पुराने खिलाड़ियों को एक बार फिर खेल के माध्यम से जोड़ना और पुरानी स्मृतियों को ताज़ा करना था। आयोजक एडवोकेट भवानी टेलर (काचरेड़ा) ने बताया कि वर्ष 1990 से काचरेड़ा और धांधेला की टीमें आसपास की क्रिकेट प्रतियोगिताओं में चिर-प्रतिद्वंद्वी रही हैं। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस आयोजन की पहल की गई। पहले मैच में धांधेला की टीम ने श्री राम सैनी के नेतृत्व में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 125 रन बनाए। जवाब में काचरेड़ा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए यह मैच 4 विकेट से जीत लिया। दूसरे मैच में धांधेला ने जीत दर्ज की, जिससे मुकाबला 1-1 की बराबरी पर समाप्त हुआ।इस अवसर पर श्री राम सैनी ने आयोजन के लिए एडवोकेट भवानी टेलर का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से आपसी स्नेह और सौहार्द को बल मिलता है। एडवोकेट गिर्राज सिंह (अध्यक्ष), महावीर शर्मा, नवाब खान और डॉ. प्रेम कुमार ने भी अपने विचार साझा किए।मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कल्याण सिंह को 'मैन ऑफ द मैच' घोषित किया गया। इस आयोजन में घनश्याम सैनी, राजू मिस्त्री, राधेश्याम सैनी, पूरणमल सैनी, मदनलाल, शंकर शर्मा, मुकेश शर्मा, सचिन, योगेंद्र, दिनेश, सुरेश, मुकेश, कंवर सिंह, नवाब खान सहित कई अन्य पूर्व खिलाड़ी शामिल हुए।

MANAPPURAM FINANCE LTD.
CIN : L65910KL1992PLC006623
Registered Office: W - 4/ 638A, Manappuram House, P.O. Valapad, Thrissur - 680 567, Kerala, India

निलामी सूचना

विशेषकर गिरवीकर्ताओं और सामान्य रूप में जनता को एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित अकाउंट्स में रखे गए सोने के आभूषणों की सार्वजनिक नीलामी निम्नलिखित शाखाओं पर दिनांक 16.05.2025 को सुबह 10.00 बजे से किया जाएगा. हम ऐसे डिफॉल्टर ग्राहकों के सोने के आभूषणों की नीलामी करने जा रहे हैं जिन्होंने रजिस्टर्ड पत्र द्वारा सूचित किए जाने के बावजूद अपने लोन की रकम नहीं चुकाई है. जिन आयटम्स की नीलामी नहीं हो पाएगी, उनकी नीलामी किसी अन्य दिन बिना पुन: सूचना दिए की जाएगी. नीलामी के स्थान व तिथि (अगर कोई हो) में परिवर्तनों की कोई सूचना नीलामी केन्द्र या वेबसाइट पर लगाई जाएगी तथा इस बारे में कोई अन्य सूचना नहीं दी जाएगी.

गिरवियों की सूची :

हनुमानगढ़, बाबा शाम सिंह कॉलोनी, 117270700058806,

उपरोक्त नीलामी में भाग लेने के इच्छुक व्यक्तियों को निम्नलिखित का पालन करना होगा:- इच्छुक बोलीकर्ताओं को ईएमडी के रूप में रू.10,000/- नीलामी के दिन नकद जमा कराना होगा (असफल बोलीकर्ताओं को बाद में लौटा दिया जाएगा). बोलीकर्ता को वैध पहचना प्रमाण/पैन कार्ड साथ लेकर आना होगा. अधिक जानकारी के लिए कृपया 8089292353 पर संपर्क करें.

अधिकृत अधिकारी
मणप्पुरम फायनेंस लि. हेतु.

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर दुनिया में आतंकवाद उन्मूलन का संदेश

■ **ब्राह्मण समाज ने यज्ञ, अभिषेक पूजन कर सादगी से मनाया भगवान परशुराम का जन्मोत्सव**

झुंझुनूं, । अक्षय तृतीया पर भगवान परशुराम जन्मोत्सव के अवसर पर ब्राह्मण समाज द्वारा भगवान शिव का रुद्राभिषेक, सामूहिक परशुराम चालीसा पाठ, यज्ञ, पूजन एवं आरती कर सादगी के साथ भगवान परशुराम के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर जन्मोत्सव मनाया। पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष हिंदू पर्यटकों की हत्या किए जाने के विरोध स्वरूप विप्र समाज द्वारा परशुराम जन्मोत्सव को सादगी और आतंकवाद उल्मूलन दिवस के रूप में मनाया गया। वक्ताओं ने भगवान परशुराम के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा भगवान परशुराम शांति के परिप्रेक्ष्य में कठोर कदम उठाने के लिए जाने जाते हैं तथा वे अस्त्र और शास्त्र के ज्ञाता थे।

अन्याय और शोषण का नाश कर शांति सौहार्द बंधुत्व स्थापित करने का कार्य करते थे। चूणा चौक स्थित पुरोहितों की बगीची में आचार्य पंडित प्रदीप शर्मा के आचार्यत्व में भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया गया। जिसके बाद सामूहिक रूप से भगवान परशुराम का पूजन, चालीसा का पाठ, हवन यज्ञ, पुष्पांजलि कार्यक्रम कर महाआरती की गई। इस अवसर पर गौड़ समाज के जिलाध्यक्ष पवन देरवाला, गौड़ ब्राह्मण महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष प्रदीप शर्मा, महामंत्री शिवचरण पुरोहित, विप्र फाउंडेशन के संगठन महामंत्री रामगोपाल महमिया, पवन पुजारी, सुरेंद्र शर्मा, भाजपा नेता पुरुषोत्तम खाजपुरिया, रामेश्वर गुसाई, ललित जोशी, एडवोकेट नीरज शर्मा, वशिष्ठ शर्मा, पवन पांडे, एडवोकेट अनुपम शर्मा, रामावतार शर्मा, सुरेंद्र भीमसरिया, योगेश चौमाल, गोपी पुरोहित, संजय शुक्ला, एडवोकेट सुशील जोशी, राकेश सहल, संजय पारीक सहित बड़ी संख्या में विप्रजन उपस्थित रहे।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

बीदासर । कस्बे के छापोला भवन दरीबा में स्व. मुलाराम सुपुत्र बालुराम छपोला व स्व. पुसी देवी धर्मपत्नी स्व. मुलाराम की पुण्य स्मृति में उनके सुपुत्रों द्वारा निशुल्क मोतियाबिंद एवं नेत्र लैंस प्रत्यारोपण जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ शंकरा आई हॉस्पिटल जयपुर के शिविर प्रभारी शेखर जायसवाल , नगरपालिका अध्यक्ष सीताराम भोभरिया, पूर्व पालिका उपाध्यक्ष नंदलाल छापोला, मदनलाल बोरावड द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया। शिविर में करीब दो दर्जन से अधिक गांवों के 180 रोगियों का निशुल्क जांच की गई व 26 रोगियों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चयनित किया। शिविर में नेत्र विशेषज्ञ डॉक्टर और उनकी टीम द्वारा रोगियों की जांच कर परीक्षण किया। वैध गोपालराम छापोला ने बताया कि योग्य मरीजों का ऑपरेशन जयपुर के शंकरा आई हॉस्पिटल जिला अंधता निवारण समिति जयपुर ले जाकर निशुल्क मोतियाबिंद व नेत्र लैंस प्रत्यारोपण का ऑपरेशन किया जाएगा। समिति द्वारा काला चश्मा दिया जाएगा।

आयुर्वेद औषधालय का उद्घाटन किया

उदयपुरवाटी ।निसं। निकटवर्ती ठााम इंद्रपुरा में मंगलवार को उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने किशन कंवर डिप्टी जैतसिंह मेमोरियल नव निर्मित आयुर्वैदिक औषधालय का उद्घाटन किया। भंवर कंवर सुगन सिंह शिक्षण महाविद्यालय में वार्षिक उत्सव उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी मुख्य अतिथि थी। पंचायत समिति उदयपुरवाटी प्रधान माया गुर्जर ने अध्यक्षता व पूर्व वाइस चांसलर डॉ, लोकेश सिंह शेखावत, झुन्झनू बीजेपी विधायक राजेंद्र भांबू, उदयपुरवाटी नगर पालिका चेयरमैन एडवोकेट रामनिवास सैनी, पूर्व विधायक परबतसर मानसिंह किनसरिया, आरपीएससी सदस्य शिवपाल सिंह नांगल, राघवेंद्र सिंह डूंडलोद, अंगद सिंह मंडावा, भाजपा जिला अध्यक्ष बनवारी लाल सैनी, डिप्टी डायरेक्टर आयुर्वेद डॉ, जितेंद्र स्वामी, उप प्रधान पंचायत समिति उदयपुरवाटी लोकेश कंवर मंच पर विशिष्ट अतिथि थे। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि शेखावाटी में मुख्यमंत्री यमुना का जल लाने के लिए प्रयास कर रहे हैं खाटू श्याम जी में परियोजना आ रही है। श्रीमाधोपुर से उदयपुरवाटी तक फोरलेन का प्रस्ताव व खाटू श्याम जी सालासर बालाजी धार्मिक स्थान पर विकास कार्य होने की बात की और इंद्रपुरा पंचायत को यथावत रखने का प्रयास करूंगी और 2 किलोमीटर सड़क को बनवाने का आश्वासन दिया। इंद्रपुरा द्वारा किए गए विकास कार्यों को लेकर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ियां इनके विकास कार्यों को याद रखेगी। उपमुख्यमंत्री ने आयुर्वेद औषधालय परिसर में स्थित शिवालय में पुजा अर्चना की और महिलाओं के साथ बातचीत कर उनकी समस्या सुनी। आयुर्वेद औषधालय विजेंद्र सिंह इंद्रपुरा ने बनवाया है।आयोजित कार्यक्रम धमाणा शेखा सेवा संस्थान के मैनेजिंग ट्रस्टी व भाजपा नेता विजेंद्र सिंह इंद्रपुरा ने आगंतुकों का आभार व्यक्त किया। विजेंद्र सिंह इंद्रपुरा ने इंद्रपुरा पंचायत को उदयपुरवाटी नगर पालिका की बजाय इंद्रपुरा पंचायत ही यथावत रखा जाए एवं दो किलोमीटर इंद्रपुरा में सड़क बनवाने की मांग की। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी का माला और साफा पहनाकर व चुनरी औढाकर स्वागत किया गया। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी का उदयपुरवाटी नगर पालिका पार्षदो ने फूलों का हार पहनाकर स्वागत किया। ठाामीणों द्वारा कई ज्ञापन दिए गए। इंद्रपुरा रिजॉर्ट में उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी का स्वागत किया गया।कार्यक्रम में विजेंद्र सिंह इंद्रपुरा, वाइस चांसलर डॉ, लोकेश सिंह शेखावत, पूर्व आरपीएससी सदस्य शिवपाल सिंह नांगल, भाजपा जिला अध्यक्ष बनवारी लाल सैनी, विक्रम सिंह संबोधित किया। मंच संचालन कन्हैया लाल ने किया।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल रावतसर, जिला हनुमानगढ़ (राज.)
क्रमांकः- एफ.14/सामान्य/न.पा.रा./2025/ दिनांक :-
-: आपत्ति सूचना :-
सर्व साधारण को सूचनार्थ एवं प्रकाशनार्थ सूचित किया जाता है कि श्रीमती शारदा पत्नी श्री सुभाषचंद जाति जाट माकड साकिन रावतसर ने अपने दान से प्राप्त भूखंड एलआईजीएच सेक्टर भूखंड सं. 177 भूखंड साईज 104.55 वर्गमीटर का नामांतरण पालिका रिकॉर्ड में अपने नाम से करवाना चाहती है। उक्त भूखंड का पट्टा श्रीमान अतिरिक्त कलक्टर एवं सचिव, मंडी विकास समिति हनुमानगढ द्वारा श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री मुकन्दलाल के नाम से साईज 30 गुणा 75 फुट का जारीशुदा है। श्री ओमप्रकाश ने जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनाक 19.02.1992 को उक्त भूखंड श्री किशनलाल पुत्र श्री सुरजमल अग्रवाल को बैचान कर दिया। श्री किशनलाल ने जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 17.04.2006 को उक्त भूखंड श्री श्रीमती शांती देवी पत्नी श्री बलवंत सिंह को बेचान कर दिया। श्री शांती देवी ने उक्त भूखंड में से 104.55 वर्गमीटर जरिये पंजीकृत दानपत्र दिनांक 18.03.2025 को श्रीमती शारदा पत्नी श्री सुभाषचंद को दान कर दिया। अतः अपने दान से प्राप्त भूखंड का नामांतरण प्रार्थीया पालिका रिकॉर्ड में अपने नाम से दर्ज करवाना चाहती है। किसी व्यक्ति को कोई आपति हो, तो उक्त सूचना प्रकाशन होने की तिथि के 07 दिवस में सूचित करे अन्यथा बाद गुजरने मियाद कोई उजरदावा मान्य नही होगा। सूचित रहे। **अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रावतसर**

कार्यालय नगरपालिका मण्डल रावतसर, जिला हनुमानगढ़ (राज.)
क्रमांकः- एफ.14/सामान्य/न.पा.रा./2025/ दिनांक :-
-: आपत्ति सूचना :-
सर्व साधारण को सूचनार्थ एवं प्रकाशनार्थ सूचित किया जाता है कि श्रीमती रेशमा पत्नी श्री सुरेंद्र कुमार जाति जाट माकड साकिन रावतसर ने अपने दान से प्राप्त भूखंड एलआई जीएच सेक्टर भूखंड सं. 175 भूखंड साईज 68.58 वर्गमीटर का नामांतरण पालिका रिकॉर्ड में अपने नाम से करवाना चाहती है। उक्त भूखंड का पट्टा श्रीमान अतिरिक्त कलक्टर एवं सचिव, मंडी विकास समिति, हनुमानगढ द्वारा श्री बृजमोहन पुत्र श्री भूरामल के नाम से साईज 30 गुणा 75 फुट का जारीशुदा है। पालिका आदेश क्रमाक LSG/RAWATSAR/MUT/2024-25/92562 दिनांक 31.01.2025 द्वारा श्रीमती शातीं देवी पत्नी श्री बलवंत सिंह के नाम से नामांतरण जारीशुदा है। श्रीमती शांती देवी ने उक्त भूखंड में से 68.58 वर्गमीटर जरिये पंजीकृत दानपत्र दिनांक 18.03.2025 को श्रीमती रेशमा पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार को दान कर दिया। अतः अपने दान से प्राप्त भूखंड का नामांतरण प्रार्थीया पालिका रिकॉर्ड में अपने नाम से दर्ज करवाना चाहती है। किसी व्यक्ति को कोई आपति हो, तो उक्त सूचना प्रकाशन होने की तिथि के 07 दिवस में सूचित करे अन्यथा बाद गुजरने मियाद कोई उजरदावा मान्य नही होगा। सूचित रहे। **अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रावतसर**

स्काउट गाइड्स ने कैंडल जलाकर दी श्रद्धांजलि

■ **देश विरोधी ताकतों को सबक सिखाना जरूरी - भांबू**

झुंझुनूं, । राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर के निर्देश की अनुपालना में स्काउट गाइड जिला मुख्यालय झुंझुनूं के तत्वावधान में झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू के मुख्य आतिथ्य में स्काउट्स गाइड्स ने पहलगाम नरसंहार का विरोध शांति मार्च निकाल कर किया। सीओ स्काउट महेश कालावत ने बताया कि इस दौरान स्काउट कार्यालय से स्काउट्स गाइड्स शांति मार्च के रूप में रवाना होकर शहीद स्मारक पहुंचा।

जहां पर मोमबत्ती जलाकर, पुष्प अर्पित कर, मौन रखकर पहलगाम हमले में शहीद हुए पर्यटकों को श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनकी आत्मा की शांति की प्रार्थना की गई। इस अवसर पर विधायक राजेंद्र भांबू ने युवाओं, स्काउट्स गाइड्स को संबोधित करते हुए कहा कि देश विरोधी ताकतों को सबक सिखाने का यह सही समय है। पाकिस्तान द्वारा की जा रही नापाक हरकतों का मुंह तोड़ जवाब देने के लिए हमारे सैनिक, हमारे राष्ट्र का नेतृत्व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तैयार है। विधायक भांबू ने कहा कि स्काउट गाइड मिनी आर्मी की तरह राजस्थान प्रदेश में कार्य कर रहा है तथा राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड की गतिविधियां झुंझुनूं जिले में रचनात्मक कार्यों के माध्यम से बालक बालिकाओं युवक युवतियों का सर्वांगीण विकास किया जा रहा है। इस अवसर पर सीओ स्काउट महेश कालावत ने कहा कि 22 अप्रेल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले में शहीद हुए सभी पर्यटकों को विश्व भारती शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान सिंघाना के प्रशिक्षु शिक्षकों, स्काउट गाइड्स ने प्रभारी अधिकारी मोहनलाल सैनी के नेतृत्व में श्रद्धांजलि अर्पित की।

'गुरु बिना मनुष्य जीवन शून्य सदृश है'

बीदासर । कस्बे के टांटिया अस्पताल के पीछे वार्ड नो स्थित घिंटालिया बास में सांखला परिवार के सौजन्य से चल रही भागवत कथा में नोखा की कथा वाचक सुश्री मोनिका पारीक ने कहा कि भागवत कथा सर्व कल्याणकारी, सर्व पाप नाशिनी और सभी के कष्टों का निवारण करने वाली, मनुष्य को सदगति देने वाली कथा है।

यह मनुष्य के जन्म जन्मान्तर के पापों का नाश करती है। उन्होंने जीवन में गुरु की महिमा बताते हुए कहा कि गुरु मानव को अज्ञानता से दूर कर ज्ञान के प्रकाश से पूरित करता है, उसके जीवन के लक्ष्य की सिद्धि का माध्यम होता है।

गुरु बिना मनुष्य जीवन शून्य सदृश है। गुरु ही मनुष्य के जीवन को मोक्ष की ओर ले जाता है, उसे ईश्वर से मिलाने का माध्यम है गुरु। उन्होंने कहा कि सत्संग में आने से और सुनने से मानव को जहां तनाव में कमी होती वही उसके कर्मों में भी सुधार हो जाता है।

ज्ञापन देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की

■ **पूर्व सैनिक वेलफेयर समिति ने उपखंड अधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक ज्ञापन सौंपा।**

लक्ष्मणगढ़ शेखावाटी । पूर्व सैनिक वेलफेयर समिति सोमवार को उपखंड अधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम एक ज्ञापन सौंपा। समिति अध्यक्ष सूबेदार रणजीत सिंह गढ़वाल के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन से पूर्व पहलगाम में आंतकी हमले में शहीदों को पुष्पांजलि अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा गया।

कैप्टन शिवराम सिंह ख्यालिया ने बताया कि ज्ञापन में प्रधानमंत्री से आतंकियों एवं उनके संरक्षकों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई कर पाकिस्तान को कड़ा सबक सिखाने की मांग रखी। इस अवसर पर पूर्व सैनिकों ने आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ जोरदार नारेबाजी कर आक्रोश व्यक्त किया और मातृभूमि की सेवा के लिए सदैव तत्पर रहने का संकल्प दोहराया।पूर्व सैनिकों ने विश्वास जताया कि भारत सरकार शीघ्र प्रभावी कदम उठाएगी ।

इस अवसर पर सूबेदार मेजर घीसाराम ख्यालिया, सूबेदार दान सिंह, कैप्टन भागीरथ सिंह, सूबेदार जोगेंद्र सिंह, सूबेदार गोपाल सिंह ख्यालिया, हवलदार सार्दुल खान, हवलदार सुरेंद्र ढाका, सूबेदार महिपाल सिंह, सूबेदार इकबाल खान, लेफ्टिनेंट कारण सिंह, लेफ्टिनेंट शमशेर अली, सार्जेंट महावीर मातव, सार्जेंट रणबीर गढ़वाल, कैप्टन गिरधारी धाभाई, एलटी प्रमोद शर्मा, सूबेदार समदर सिंह, कैप्टन कानसिंह,हवलदार गुलाब खान, हवलदार असगर अली, हवलदार मांगीलाल, कैप्टन प्यारेलाल,कैप्टन नेमीचंद, हवलदार हणमानसिंह, सूबेदार हनीफ खान सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक शामिल रहे।

देश-प्रदेश की खुशहाली की कामना की

सीकर । कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत सीकर आए इस दौरान उन्होंने सीकर जिले के दांता रामगढ़ क्षेत्र के खाटूश्यामजी में पहुंचकर पूजा अर्चना की कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने बाबा श्याम के दर्शन किए और देश-प्रदेश की खुशहाली की कामना की । उन्होंने बाबा श्याम के दरबार में विधिवत पूजा-अर्चना कर बाबा की चौखट पर शीश झुकाकर देश की सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। राज्यपाल के स्वागत में श्री श्याम मंदिर कमेटी के अध्यक्ष पृथ्वी सिंह ने उन्हें श्याम दुपट्टा एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। श्री श्याम मंदिर कमेटी के पूर्व अध्यक्ष प्रताप सिंह चौहान ने मंदिर में पूजा-अर्चना करवाई।राज्यपाल के आगमन पर प्रशासनिक अधिकारियों ने भी अगवानी की और सुरक्षा सहित सभी व्यवस्थाओं का जायजा लिया । राज्यपाल गहलोत बाबा श्याम के दर्शन करने के बाद सालासर बालाजी धाम के लिए प्रस्थान कर गए।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल रावतसर, जिला हनुमानगढ़ (राज.)
क्रमांकः- एफ.14/सामान्य/न.पा.रा./2025/ दिनांक :-
-: आपत्ति सूचना :-
सर्व साधारण को सूचनार्थ एवं प्रकाशनार्थ सूचित किया जाता है कि श्रीमती शारदा पत्नी श्री सुभाषचंद जाति जाट माकड साकिन रावतसर, ने अपने दान से प्राप्त भूखंड एलआईजीएच सेक्टर भूखण्ड सं. 175 भूखंड साईज 69.70 वर्गमीटर का नामांतरण पालिका रिकॉर्ड में अपने नाम से करवाना चाहती है। उक्त भूखंड का पट्टा श्रीमान अतिरिक्त कलक्टर एवं सचिव, मंडी विकास समिति, हनुमानगढ द्वारा श्री बृजमोहन पुत्र श्री भूरामल के नाम से साईज 30 गुणा 75 फुट का जारीशुदा है। पालिका आदेश क्रमाक LSG/RAWATSAR/MUT/2024-25/92562 दिनांक 31.01.2025 द्वारा श्रीमती शातीं देवी पत्नी श्री बलवंत सिंह के नाम से नामांतरण जारीशुदा है। श्रीमती शांती देवी ने उक्त भूखंड में से 69.70 वर्गमीटर जरिये पंजीकृत दानपत्र दिनांक 18.03.2025 को श्रीमती शारदा पत्नी श्री सुभाषचंद को दान कर दिया। अतः अपने दान से प्राप्त भूखंड का नामांतरण प्रार्थीया पालिका रिकॉर्ड में अपने नाम से दर्ज करवाना चाहती है।किसी व्यक्ति को कोई आपति हो, तो उक्त सूचना प्रकाशन होने की तिथि के 07 दिवस में सूचित करे अन्यथा बाद गुजरने मियाद कोई उजरदावा मान्य नही होगा। सूचित रहे। **अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रावतसर**

कार्यालय नगरपालिका मण्डल रावतसर, जिला हनुमानगढ़ (राज.)
क्रमांकः- एफ.14/सामान्य/न.पा.रा./2025/ दिनांक :-
-: आपत्ति सूचना :-
सर्व साधारण को सूचनार्थ एवं प्रकाशनाथ सूचित किया जाता है कि श्रीमती शारदा पत्नी श्री सुभाषचंद जाति जाट माकड साकिन रावतसर, ने अपने दान से प्राप्त भूखंड एलआईजीएच सेक्टर भूखंड सं. 176 भूखंड साईज 69.70 वर्गमीटर का नामांतरण पालिका रिकॉर्ड में अपने नाम से करवाना चाहती है। उक्त भूखंड का पट्टा श्रीमान अतिरिक्त कलक्टर एवं सचिव, मण्डी विकास समिति, हनुमानगढ द्वारा श्री मदनलाल पुत्र श्री भूरामल के नाम से साईज 30 गुणा 75 फुट का जारीशुदा है। श्री मदनलाल ने जरिये पंजीकृत बैयनामा दिंनाक 16.03.1991 को उक्त भूखंड श्रीमती शातीं देवी पत्नी श्री बलवंत सिंह को बैचान कर दिया। श्रीमती शांती देवी ने उक्त भूखंड में से 69.70 वर्गमीटर जरिये पंजीकृत दानपत्र दिनांक 18.03.2025 को श्रीमती शारदा पत्नी श्री सुभाषचंद को दान कर दिया। अतः अपने दान से प्राप्त भूखंड का नामांतरण प्रार्थीया पालिका रिकॉर्ड में अपने नाम से दर्ज करवाना चाहती है। किसी व्यक्ति को कोई आपति हो हो उक्त सूचना प्रकाशन होने की तिथि के 07 दिवस में सूचित करे अन्यथा बाद गुजरने मियाद कोई उजरदावा मान्य नही होगा। सूचित रहे।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रावतसर

कार्यालय नगरपालिका मण्डल रावतसर, जिला हनुमानगढ़ (राज.)
क्रमांकः- एफ.14/सामान्य/न.पा.रा./2025/ दिनांक :-
-: आपत्ति सूचना :-
सर्व साधारण को सूचनार्थ एवं प्रकाशनार्थ सूचित किया जाता है कि श्रीमती रेशमा पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार जाति जाट माकड साकिन रावतसर, ने अपने दान से प्राप्त भूखंड एलआइ जीएच सेक्टर भूखंड सं. 176 भूखंड साइ ज 68.58 वर्गमीटर का नामांतरण पालिका रिकॉर्ड में अपने नाम से करवाना चाहती है। उक्त भूखंड का पट्टा श्रीमान अतिरिक्त कलक्टर एवं सचिव, मंडी विकास समिति, हनुमानगढ द्वारा श्री मदनलाल पुत्र श्री भूरामल के नाम से साइज 30 गुणा 75 फुट का जारीशुदा है। श्री मदनलाल ने जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनाक 16.03.1991 को उक्त भूखंड श्रीमती शांती देवी पत्नी श्री बलवंत सिंह को बेचान कर दिया। श्रीमती शांती देवी ने उक्त भूखंड में से 68.58 वर्गमीटर जरिये पंजीकृत दानपत्र दिनांक 18.03.2025 को श्रीमती रेशमा पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार को दान कर दिया। अतः अपने दान से प्राप्त भूखंड का नामांतरण प्रार्थीया पालिका रिकॉर्ड में अपने नाम से दर्ज करवाना चाहती है। किसी व्यक्ति को कोई आपति हो, तो उक्त सूचना प्रकाशन होने की तिथि के 07 दिवस में सूचित करे अन्यथा बाद गुजरने मियाद कोई उजरदावा मान्य नही होगा। सूचित रहे।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रावतसर

पंखे व कूलर भेंट किए

झुंझुनूं, । राजकीय बीडीके अस्पताल झुंझुनूं में भीषण गर्मी के मध्य नजर रखते हुए स्वेच्छा से बीडीके अस्पताल को 100 पंखे एवं 25 पंखे भेंट किए। जो अस्पताल के विभिन्न वार्डों में लगाए गए। वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ एवं पीएमओ डॉ. जितेंद्र भाम्बू ने बताया कि आगामी दिनों में भीषण गर्मी के प्रकोप के मद्देनजर भामाशाह कपिल गाडिया 100 पंखे एवं 25 कूलर भेंट करने से आमजन को राहत मिल सकेगी। अस्पताल में रोगी भार बढ़ने एवं निरंतर भर्ती रहने से पंखे एवं कूलर 24 घंटे निरंतर चलते रहते हैं। जिनका खराब होना एक सामान्य प्रक्रिया है। जिन्हें ठीक करने उन्हें लगाने की प्रक्रिया अनवरत जारी रहती है। लेकिन अब 100 पंखों के भेंट से एक बड़ा स्टॉक बनाया गया है। जिसके बाद अब पंखे के खराब होने की सूचना पर तुरंत खराब पंखे के स्थान पर नया पंखा लगाया जा सके एवं खराब पंखे को ठीक करने के लिए भेजा जा सकेगा। जिससे आमजन को एक मिनट भी गर्मी का सामना नहीं करना पड़ेगा। भामाशाहों की पहल अस्पताल के लिए सराहनीय है। भामाशाह पुनित कृष्ण गाडिया चैरिटेबल ट्रस्ट का अस्पताल पीएमओ के द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया एवं गोपीचंद गाडिया, कपिल गाडिया, पूनम गाडिया का सम्मान किया गया। गौरतलब है।

खेतडी में सादगी पूर्वक मनाई भगवान परशुराम की जयंती

■ **समाज में एकता लाने का दिया संदेश**

खेतड़ी , (निसं) खेतड़ी कस्बे के ब्राह्मण समाज भवन में मंगलवार कोभगवान परशुरामका जयंती उत्सव सादगी पूर्वक मनाया गया।

विप्र बंधुओं ने मंगल आरती के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इसके बादभगवान परशुरामकी प्रतिमा पर पूजा कर मंत्रोच्चारण किया गया। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद समाज की ओर से इस बार परशुराम जयंती उत्सव सादगी पूर्वक मनाने का निर्णय लिया था। जिसके चलते इस बार शोभायात्रा व अन्य कार्यक्रमों का आयोजन नहीं किया गया। कार्यक्रम में ब्राह्मण समाज अध्यक्ष प्रदीप सुरोलिया ने कहा किभगवान परशुरामने विष्णु को अवतार लेकर सृष्टि को बचाने का काम किया था।

आज उनके आदर्शों को अपना कर ब्राह्मण समाज आगे बढ़ रहा है। युवाओं को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

परिंडे लगाकर पक्षियों के लिए दाना-पानी की व्यवस्था की

पाटन ,भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पावन अवसर पर बाल भारती पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने एक प्रेरणादायक पहल करते हुए पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अहम कदम उठाया। बच्चों ने स्कूल परिसर सहित आसपास के क्षेत्रों में परिंदे (पक्षियों के लिए दाना-पानी रखने वाले पात्र) लगाए, जिससे गर्मी के मौसम में पक्षियों को राहत मिल सके।इस आयोजन का उद्देश्य बच्चों में सेवा भावना, पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी और जीव-जंतुओं के प्रति संवेदनशीलता का विकास करना था। कार्यक्रम में बाल भारती पब्लिक स्कूल के अध्यक्ष कैलाश सैनी के नेतृत्व में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस अवसर पर बच्चों का उत्साहवर्धन करने हेतु कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे, जिनमें एडवोकेट सतनारायण यादव, बन्टेश सैनी, बहादुर जाट, अशोक बढ़ाना, पूर्व पंचायत समिति सदस्य पूरणमल, महेश सांवरिया और प्रेम सैनी प्रमुख रूप से शामिल थे। स्कूल की प्रिंसिपल श्रीमती मधु सूईवाल एवं समस्त स्टाफ की उपस्थिति में यह आयोजन संपन्न हुआ।

दयपुरवाटी से श्रीमाधोपुर की रोड को फोर लेन बनाने का विचार : दिया कुमारी

■ **'खाटूश्यामजी के विकास के लिए केंद्र सरकार ने 80 करोड़ रूपए का बजट दिया'**

झुंझुनूं, । डिप्टी सीएम दिया कुमारी मंगलवार को झुंझुनूं के दौरे पर रही। उन्होंने उदयपुरवाटी के समीप इंद्रपुरा गांव में एक आयुर्वेद औषधालय का लोकार्पण किया। इस दौरान दिया कुमारी ने एक बड़ी बात कही और कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार एक विकसित सोच के साथ काम कर रही है। हम चाहते है कि हमारी आने वाली पीढिया आगे भाजपा की सरकार को धन्यवाद करते हुए कहे जो सड़क बनीं वो आज भी सही सलामत है।

नलों में पानी आ रहा है। अस्पताल में सभी सुविधाएं है। कॉलेज-स्कूलों में टीचर है। यही सोच के साथ भाजपा की सरकार काम कर रही है। उन्होंने इस मौके पर कहा कि शेखावाटी को बजट में सरकार ने जो सौगातें दी है। उससे तो यही लगता है कि अब तो उनका हर 10-15 दिन में शेखावाटी में आना-जाना लगा रहेगा। उन्होंने इस मौके पर बताया कि सरकार उदयपुरवाटी से श्रीमाधोपुर की रोड को फोर लेन बनाने का विचार कर रही है। साथ ही खाटूश्यामजी के विकास के लिए केंद्र सरकार ने 80 करोड़ रूपए का बजट दिया है। जिसके बाद राज्य सरकार खाटूश्यामजी, सालासर, शाकंभरी, जीण माता आदि धार्मिक स्थलों का एक साथ विकास करने का मानस रखती है। उन्होंने कहा कि यमुना के पानी को लेकर भी मुख्यमंत्री भजनलाल सरकार लगातार प्रयासरत है। शेखावाटी को भाजपा सरकार यमुना का पानी दिलाकर रहेगी। उन्होंने इस मौके पर आयुष मंत्रालय स्थापित करने पर पीएम नरेंद्र मोदी का आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने पहले ही कार्यकाल में आयुष मंत्रालय की स्थापना की। जिसकी महत्ता हमें कोविड में नजर आई। कोविड में हमारी आयुर्वेदिक दवाइया, योग, नुस्खों ने कई जिंदगियां बचाई। इस मौके पर उन्होंने शेखावाटी की हवेलियों को संरक्षित करने की बात कही। साथ ही ठाामीणों की मांग पर एक दो किलोमीटर की सड़क जल्द बनवाने का आश्वासन दिया। इस मौके पर झुंझुनूं विधायक राजेंद्र भांबू, शिक्षाविद् डॉ. लोकेश शेखावत, भाजपा जिलाध्यक्ष बनवारीलाल सैनी समेत अन्य भाजपा नेता मौजूद थे।

झुंझुनूंमें वसुंधरा राजे सरकार के समय शुरू हुए शौर्य उद्यान के हालातों को देखकर सूबे की डिप्टी सीएम दिया कुमारी भावुक हो गई। सैनिक स्कूल दोरासर के कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद दिया कुमारी दोरासर में ही बने शौर्य उद्यान का विधायक राजेंद्र भांबू सहित अन्य जनप्रतिनिधि व अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। इसके बाद डिप्टी सीएम दिया कुमारी शौर्य उद्यान को देखकर भावुक हो गई। उन्होंने कहा कि हमारे वीर सैनिक, शहीद, जिन्होंने ना केवल झुंझुनूं, बल्कि राजस्थान और भारत का मान पूरे विश्व में फैलाया है। उनके लिए हम एक संठाहालय नहीं बना सके तो कोई फायदा नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने सैनिकों को श्रद्धांजलि देने और उनके जीवन से आने वाली पीढियां प्रेरणा लें। इसके लिए शौर्य उद्यान बनाने का फैसला लिया था। काफी काम हो भी चुका है। लेकिन पिछली सरकार ने पांच साल तक इस पर कोई ध्यान नहीं दिया। जिससे ना तो काम पूरा हो पाया और जो काम हुआ। वह भी जर्जर हो चुका है। इसलिए आज ही मैंने अधिकारियों को निर्देश दिए है कि इसका काम आधुनिक तरीके से करवाया जाए। नए सिरे से काम करना पड़ा तो वो भी करेंगे। पैसे की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। वे स्वयं इसके निर्माण में ध्यान देगी। ताकि एक अच्छा और ऐतिहासिक शौर्य उद्यान बने।

कार्यालय नगरपालिका मण्डल रावतसर, जिला हनुमानगढ़ (राज.)
क्रमांकः- एफ.14/सामान्य/न.पा.रा./2025/ दिनांक :-
-: आपत्ति सूचना :-
सर्व साधारण को सूचनार्थ एवं प्रकाशनार्थ सूचित किया जाता है कि श्री भानु सिंह सोलकी पुत्र श्री ओमप्रकाश जाति मोची निवासी वार्ड नं. 11 रावतसर ने अपने दस्तरबरदारी से प्राप्त भूखंड साईज 281 वर्गगज का नामांतरण पालिका रिकॉर्ड में अपने नाम से करवाना चाहता है। उक्त भूखंड का पट्टा श्रीमती ईमरती देवी पत्नी श्री ओमप्रकाश के नाम से साईज 281 वर्गगज का नगरपालिका रावतसर द्वारा जारीशुदा है। श्रीमती ईमरती देवी की मृत्यु दिनांक 09.11.2021 को हो चुकी है। श्रीमती ईमरती देवी के वारिसों शकुंतला सांखला, मंजू सोलंकी (पुत्रियां), श्री राजेन्द्र (पुत्र) द्वारा उक्त भूखंड जरिये पंजीकृत दस्तबरदारी दिनांक 08.04.2025 को श्री भानसिंह सोलंकी को दान कर दिया। अतः अपने दस्तबरदारी से प्राप्त भूखंड का नामांतरण प्रार्थी पालिका रिकॉर्ड में अपने नाम से दर्ज करवाना चाहता है। किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो, तो उक्त सूचना के प्रकाशन होने की तिथि के 07 दिवस में सूचित करें अन्यथा बाद गुजरने मियाद कोई उजरदावा मान्य नहीं होगा। सूचित रहे।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रावतसर

कार्यालय नगरपालिका मण्डल रावतसर, जिला हनुमानगढ़ (राज.)
क्रमांकः- एफ.14/सामान्य/न.पा.रा./2025/ दिनांक :-
-: आपत्ति सूचना :-
सर्व साधारण को सूचनार्थ एवं प्रकाशनार्थ सूचित किया जाता है कि श्री शिव भगवान पुत्र रामनारायण जाति बिश्नोई हनिवासी वार्ड नं. 24 नया 33 रावतसर ने अपने दान से प्राप्त भूखंड साईज 299.32 वर्गमीटर का नामांतरण पालिका रिकॉर्ड में अपने नाम से करवाना चाहता है। उक्त भूखंड का पट्टा श्री संतराम पुत्र श्री रामनारायण के नाम से साईज 292.32 वर्गमीटर का नगरपालिका रावतसर में जारीशुदा है। श्री संतराम ने उक्त भूखंड जरिये पंजीकृत दानपत्र दिनांक 23.12.2024 को श्री शिव भगवान पुत्र रामनारायण को दान कर दिया। अतः अपने दान से प्राप्त भूखंड का नामांतरण प्रार्थी पालिका रिकॉर्ड में अपने नाम से दर्ज करवाना चाहता है। किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो, तो उक्त सूचना प्रकाशन होने की तिथि के 07 दिवस में सूचित करें अन्यथा बाद गुजरने मियाद कोई उजरदावा मान्य नहीं होगा। सूचित रहे।
अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रावतसर

कार्यालय नगरपालिका मण्डल रावतसर, जिला हनुमानगढ़ (राज.)
क्रमांकः- एफ.14/सामान्य/न.पा.रा./2025/ दिनांक :-
-: आपत्ति सूचना :-
सर्व साधारण को सूचनार्थ एवं प्रकाशनार्थ सूचित किया जाता है कि श्रीमती मदन कंवर राठौड पत्नी श्री मान सिंह व श्रीमती मुनेश कंवर राठौड पत्नी श्री विजयसिंह जाति राजपूत निवासी वार्ड नं. 26 रावतसर, ने अपने सैक्टर आवासीय निकट थान मण्डी भूखंड संख्या 81 भूखंड साईज 40 गुणा 90 फुट का नामांतरण पालिका रिकॉर्ड में अपने नाम से करवाना चाहा है। उक्त भूखंड का पटटा श्रीमान अतिरिक्त कलक्टर एवं सचिव, मंडी विकास समिति, हनुमानगढ द्वारा श्री गौरीशंकर, रलदूराम पुत्र श्री गोपीराम के नाम से साईज 40 गुणा 90 फुट का जारीशुदा है। श्री गौरीशंकर की मृत्यु दिनांक 12.11.2018 को हो चुकी है। श्री गौरीशंकर का भूखंड का आधा हिस्सा वारिसों द्वारा जरिये पंजीकृत दस्तबरदारी श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री गौरीशंकर को दान कर दिया। जिसका नामान्तरण नगर पालिका आदेश क्रमाक LSG/RAWATSAR/MUT/2024-25/56370 दिनांक 06.10.2023 को जारीशुदा है। श्री रलदुराम अग्रवाल व ओमप्रकाश द्वारा उक्त भूखंड जरिये पंजीकृत बैयनामा दिनांक 11.10.2023 को श्रीमती मदन कंवर राठौड व श्रीमती मुनेश कंवर राठौड को बेचान कर दिया। अतः अपने खरीदशुदा आवासीय भूखंड का नामान्तरण प्रार्थी पालिका रिकॉर्ड में अपने नाम से दर्ज करवाना चाहते है। किसी व्यक्ति को कोई आपति हो, तो उक्त सूचना प्रकाशन होने की तिथि के 07 दिवस में सूचित करें अन्यथा बाद गुजरने मियाद कोई उजरदावा मान्य नहीं होगा। सूचित रहे। **अधिशाषी अधिकारी, नगरपालिका रावतसर**

दिया कुमारी ने दोरासर के सैनिक स्कूल में गर्ल्स हॉस्टल का लोकार्पण किया

अच्छा लग रहा है अब सैनिक स्कूल में बेटियां भी पढ़ती है : दिया कुमारी

झुंझुनूं, (निसं)। डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने झुंझुनूं जिला मुख्यालय के साथ लगते दोरासर गांव स्थित सैनिक स्कूल में नवनिर्मित गर्ल्स हॉस्टल का लोकार्पण किया। इस मौके पर स्थानीय विधायक राजेंद्र भांबू समेत अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारी मौजूद थे। इससे पहले स्कूल पहुंचने पर डिप्टी सीएम का स्कूल प्रिंसिपल द्वारा स्वागत किया गया। सैनिक स्कूल में छात्राओं से मिलकर डिप्टी सीएम खुश नजर आई।

उन्होंने कहा कि उन्हें बेहद खुशी है कि अब सैनिक स्कूल में हमारी बेटियां भी पढ़ती है। उन्होंने इस मौके पर बालिका शिक्षा को लेकर भी प्रकाश डाला। डिप्टी सीएम ने हॉस्टल में पौधा लगाया और मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष भी हाथ जोड़े। इस मौके पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने कहा कि ना केवल सड़कें, बिजली, पानी, बल्कि टुरिज्म के लिहाज से भी शेखावाटी में डवलपमेंट हो, इसके लिए पूरी सरकार संकल्बद्ध है। यही कारण है कि गत दिनों तपती धूप में तीन दिन के दौरे पर सीएम भजनलाल शर्मा भी आए थे। उन्होंने कहा कि शेखावाटी की हवेलियों को संरक्षित करने का प्लान बनाया जा रहा है। लगातार बैठकें की जा रही है। वहीं वे गुरूवार को फिर शेखावाटी के दौरे पर आएंगी और खाटूश्याम के विकास के लिए केंद्र सरकार ने जो बजट दिया है, उसे लेकर खाटूश्यामजी में ही बैठक होगी और आगे के कार्यों का प्लान तैयार किया जाएगा। इस मौके पर उन्होंने आइफा अवार्ड कार्यक्रम को लेकर भी कहा कि यह कार्यक्रम ऐतिहासिक रहा है। आइफा के दौरान और उसके बाद राजस्थान का टुरिज्म बढ़ा है। आइफा एक विश्व स्तरीय कार्यक्रम है। जिससे राजस्थान को विश्व स्तर पर एक नई पहचान बनी है। एक मैसेज गया है कि इस तरह के आयोजनों के लिए भी राजस्थान सबसे शानदार जगह है।

डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने झुंझुनूं के दोरासर गांव स्थित सैनिक स्कूल का दौरा किया।

- उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी सैनिक स्कूल में छात्राओं को देखकर खुश हुई

उन्होंने कहा कि बॉलीवुड कलाकारों ने भी राजस्थान में हुए आइफा अवार्ड की प्रशंसा करते हुए राजस्थान के पर्यटन की जमकर तारीफ की है। आने वाले दिनों में बॉलीवुड की कई सारें फिल्मों की शूटिंग भी राजस्थान में होने वाली है। आइफा, ऐसा कार्यक्रम रहा है। जो दशकों तक राजस्थान की नई पहचान को विश्व स्तर पर प्रदर्शित करेगा।

लापता युवक का शव मंदिर परिसर में फांसी पर झूलता मिला

युवक के गले पर चोट के निशान और एक हाथ की नस भी कटी हुई मिली

भीलवाड़ा, (नि.सं.)। शहर के सदर थाना क्षेत्र में घर से लापता एक युवक का शव मंदिर परिसर में फांसी के फंदे पर झूलता मिला। उसके गले पर चोट के निशान और एक हाथ की नस भी कटी हुई मिली। वहीं रजिस्ट्री करने के बाद प्राप्त हुए साढ़े चार लाख रुपये भी गायब थे। इसे लेकर पिता ने अज्ञात लोगों के खिलाफ लूट के इरादे से बेटे की हत्या करने का शक जाहिर करते हुये रिपोर्ट दी है।

जानकारी के अनुसार कोटड़ी निवासी चुन्नीलाल तेली का बेटा गणेश लाल साहू 28 अप्रैल को भूखंड की रजिस्ट्री कराने के बाद रजिस्ट्रार कार्यालय, कुवाड़ा खान से परिवादी के जीजा रामजस तेली से भूखंड की विक्रय राशि साढ़े चार लाख रुपये लेकर निकला था। अहिंसा सर्किल तक साले जीजा दोनों साथ-साथ आये। अहिंसा सर्किल से गणेश, राशि लेकर बाइक से गांव के लिए रवाना हुआ, जो कोटड़ी नहीं पहुंचा। इसके बाद रामजस ने शाम करीब 5.30 बजे गणेश को फोन किया तो उसने कहा कि कोदूकोटा में बाइक पंक्चर हो गई है। इसके चलते रामजस, कोदूकोटा के लिए रवाना हुआ। वहां पहुंचने पर गणेश की रामजस ने तलाश की, लेकिन वह नहीं मिला। 5.50 बजे दुबारा फोन किया तो फोन बंद मिला। इसके चलते रामजस ने परिवादी के दोहिते नंदकिशोर को फोन कर बताया कि गणेश का फोन बंद आ रहा है। ऐसे में परिवादी व परिजनों ने गणेश की काफी तलाश की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। इसके बाद मंगलवार सुबह करीब 8.30 बजे गणेश के एक मित्र भैंरूलाल तेली के फोन पर किसी ने फोन कर कहा कि गणेश तेली का शव पन्नाजी महाराज की डोहरी, सुवाणा में सगस जी महाराज के स्थान पर फंदे से लटकी हुई है। मोटरसाइकिल व बैग पास में पड़ा है। सूचना पर परिवादी के परिजन मौके पर पहुंचे। शव को फंदे से उतारा तो गले पर धारदार हथियार से चोट लगी हुई थी और एक हाथ की नस भी कटी थी, लेकिन वहां खून नहीं मिला। परिवादी ने आशंका जताई कि उसके बेटे की अज्ञात लोगों ने मारपीट व लूटपाट कर हत्या कर दी और शव को फंदे से लटका दिया। उसके बैग में रखे साढ़े चार लाख रुपये भी गायब है। परिवादी ने हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग की। उधर, सदर सीओ श्याम सुंदर ने बताया कि परिजनों की रिपोर्ट के आधार पर पुलिस मामले की जांच कर रही है। शव, पोस्टमार्टम के बाद परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया।

युवक का फाइल फोटो

- रजिस्ट्री करने के बाद प्राप्त हुए साढ़े चार लाख रुपये भी गायब थे, रिपोर्ट दर्ज
- पिता ने आशंका जताई कि उसके बेटे की अज्ञात लोगों ने मारपीट व लूटपाट कर हत्या कर दी

स्मैक बेचने वाला गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। शहर के सूरजपोल थाना पुलिस ने अवैध स्मैक बेचने वाले को गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक महिपालसिंह के सुपरविजन में डीएसटी टीम प्रभारी श्यामसिंह रत्नू, सूरजपोल थानाधिकारी रतनसिंह के नेतृत्व में दल ने हिरणमगरी थानाधिकारी भरत योगी द्वारा स्मैक बेचने के मामले में गिरफ्तार प्रकाश व सुरेश से की गई पूछताछ के आधार पर आरिफ खान को गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ पूर्व में तीन प्रकरण दर्ज है।

अवैध डीजल पंप पकड़ा

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले में मुख्यमंत्री के दौरे के बाद सक्रिय हुए जिला प्रशासन ने देर रात्रि मुकलावा थाना क्षेत्र के गांव डाबला में एक अवैध रूप से संचालित डीजल पंप पर बड़ी कार्रवाई की। जिला रसद अधिकारी कविता सिहाग के नेतृत्व में छापेमारी कर भाग्यश्री इन डीजल पंप से 5288 लीटर डीजल जब्त किया गया।

अधिकारी की चप्पल से पिटाई करने के मामले में कांग्रेस प्रधान निलंबित

खैरथल, (निसं)। आठ दिन पहले खैरथल की कलेक्ट्रेट में पंचायतराज के जिला अधिकारी की चप्पल से पिटाई करना कांग्रेस पार्टी की कोटकासिम महिला प्रधान विनोद कुमारी सांगवान को भारी पड़ा है। सरकार के ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग जयपुर के अतिरिक्त आयुक्त शासन उप सचिव जांच इंद्रजीत सिंह ने खैरथल-तिजारा जिला कलेक्टर डॉ. किशोर कुमार की रिपोर्ट में दोषी मानते हुए कोटकासिम की प्रधान सांगवान को मारपीट, अभद्र एवं अमर्यादित व्यवहार करने पर निलंबन के आदेश किए हैं। प्रधान निलंबन अवधि में किसी भी पंचायत समिति कार्य में भाग नहीं ले सकेंगी।

यह घटना 21 अप्रैल को उस वक्त की है जब खैरथल तिजारा जिले के जिला सचिवालय खैरथल पर आयोजित दिशा की बैठक में जिले के जनप्रतिनिधि अधिकारियों के अलावा केंद्रीय मंत्री व अलवर सांसद भूपेंद्र यादव पहुंचे थे। बैठक के खत्म होने व कलेक्टर के कक्ष में जिला कलेक्टर सहित अधिकारियों की समझाइश और के बाद कोटकासिम महिला प्रधान विनोद कुमारी सांगवान ने कलेक्टर कक्ष से बाहर निकलकर विकास अधिकारी पंचायत समिति मुंडावर तथा कार्यवाहक अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधकारी संजय यादव की चप्पल से पिटाई कर दी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। दोनों पक्षों की तरफ से पुलिस में एक दूसरे के खिलाफ शिकायत की गई। घटना के बाद से दोनों तरफ से कार्रवाई के लिए जनप्रतिनिधि और अधिकारी कार्मिक अलग-अलग ज्ञापन देकर एक दूसरे के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर अधिकारियों से मिले। प्रधान सांगवान और अधिकारी के बीच कर्मचारियों को हटाएं जाने को लेकर करीब दो माह से खींचतान चल रही थी। 21 अप्रैल को भी प्रधान ने दिशा की बैठक में अधिकारी के खिलाफ मुद्दा उठाया, लेकिन बैठक के बाद जो घटनाक्रम कलेक्ट्रेट के अंदर हुआ उसने सबको अचंभित कर दिया।

निलंबित महिला प्रधान विनोद कुमारी सांगवान

- खैरथल जिला कलेक्टर की रिपोर्ट पर ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज विभाग ने निलंबन के आदेश जारी किए
- 21 अप्रैल को खैरथल कलेक्ट्रेट में कोटकासिम महिला प्रधान विनोद कुमारी सांगवान ने एक अधिकारी की चप्पल से पिटाई की थी

उल्लेखनीय है कि सोमवार को कोटकासिम प्रधान विनोद कुमारी सांगवान के निलंबन और कार्रवाई की मांग को लेकर पंचायतीराज विभाग के विभिन्न सगठनों ने जिला कलेक्टर किशोर कुमार को ज्ञापन सौंपा था। साथ ही उन्होंने ने ज्ञापन में कार्रवाई नहीं होने पर 30 अप्रैल से अनिश्चितकालीन कार्य बहिष्कार व घरने की चेतावनी भी दी गई थी। ज्ञापन के दौरान सहायक विकास अधिकारी संघ, पंचायती राज अभियंता संघ, ग्राम विकास अधिकारी संघ व पंचायती राज मंत्रालयिक कर्मचारी संघ अलवर के पदाधिकारी व सदस्य मौजूद थे।

छह गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। शहर में आने वाले पर्यटकों को परेशान करने के मामले में छह लपकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देशन पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक महिपालसिंह के सुपरविजन में डीएसटी टीम प्रभारी श्यामसिंह रत्नू, सूरजपोल थानाधिकारी रतनसिंह के नेतृत्व में गठित दल ने शहर में आने वाले पर्यटकों को परेशान करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए इस मामले में दीपक पुत्र रोशन निवासी दुर्गा कॉलोनी नीमच खेड़ा अम्बामाता, सुरेन्द्रसिंह पुत्र शिवसिंह निवासी द्वारकापुरी सेक्टर 14 गोवर्धन विलास, जगदीश पुत्र जेठानंद निवासी रावजी का हाटा घंटाघर, जितेन्द्र पुत्र शिवराम राजपुत निवासी रावजी का हाटा को गिरफ्तार किया। दीपक के खिलाफ पांच, सुरेन्द्रसिंह के खिलाफ छह, जगदीश के खिलाफ छब्बीस एवं जितेन्द्र के खिलाफ तीन प्रकरण लपकागिरी करने के पूर्व में दर्ज है। इसी तरह भुपालपुरा थानाधिकारी आदर्श कुमार के नेतृत्व में गठित दल ने जीवेश भाटीया तथा हुसैन झाड़ोल पुत्र बराउद्दीन झाड़ोल को गिरफ्तार किया।

आर्मी स्टेशन के पास ड्रोन उड़ाते तीन युवक गिरफ्तार

जालोर/बाड़मेर, (कासं)। बाड़मेर के आर्मी स्टेशन के पास ड्रोन उड़ा रहे तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें से दो दिल्ली और एक बालोतरा का रहने वाला है। तीनों को सोमवार शाम को बाड़मेर ग्रामीण पुलिस ने गिरफ्तार किया। इन्हें सीआईडी ऑफिस लाया गया है। अब पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां इनसे संयुक्त पूछताछ कर रही हैं।

एएसपी बाड़मेर जसाराम बोस ने बताया कि सोमवार शाम ग्रामीण थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि जालीपा आर्मी स्टेशन के पास करणी विहार कॉलोनी में तीन लड़के बिना पुलिस परमिशन ड्रोन उड़ा रहे हैं। यह संवेदनशील इलाके में आता है और यहां ड्रोन उड़ाना क्राइम की श्रेणी में आता है। ऐसे में सूचना पर बाड़मेर ग्रामीण थाना एसएचओ विक्रम सिंह टीम लेकर तुरंत मौके पर पहुंचे और तीनों को डिटेन कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी शुभम (26) पुत्र विनोद और उसका साथी किरतेश पुत्र रामनिवास गुप्ता दोनों उत्तम नगर नई दिल्ली के रहने वाले हैं। दोनों ने खुद को डिजिटल प्रमोटर बताया है। वहीं तीसरा युवक रफ्तार (30) पुत्र मोहम्मद तैयब बालोतरा का रहने वाला है। यह ड्रोन फोटोग्राफर है। आरोपियों से ड्रोन को जब्त कर लिया है। इसकी जांच की जा रही है। फिलहाल इन्हें शांति भंग में गिरफ्तार किया गया है। अब पुलिस और सुरक्षा एजेंसी इनसे संयुक्त पूछताछ कर रही है। एएसपी जसाराम बोस ने बताया कि करणी विहार कॉलोनी जालीपा आर्मी स्टेशन के पास है। ऐसे में इलाके में ड्रोन से फोटो-वीडियोग्राफी बैन है। शादी-विवाह आदि कार्यक्रमों के लिए भी ड्रोन की अनुमति नहीं है। पूछताछ में इनका कहना है कि वे नई कटी कॉलोनी करणी विहार का प्रमोशन वीडियो तैयार कर रहे थे। इसलिए ड्रोन से वीडियोग्राफी कर रहे थे। इस मामले में कॉलोनाइजर की भूमिका की भी जांच की जाएगी।

- तीन में से दो दिल्ली और एक बालोतरा का रहने वाला है

दुकान मालिक के साथ मारपीट

उदयपुर, (निसं)। दुकान मालिक के साथ मारपीट कर बाइक तोड़ने वाले बदमाशों के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पीड़ित किशन पुत्र भोला गमेती ने आरोपी सुरेश गमेती व साथी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया उसने बताया कि मेरी रामा धर्मतलाई में मीट की दुकान है। 27 अप्रैल रात में दुकान बंद कर घर लौट रहा था। बीच रास्ते मिले आरोपियों ने मीट मांगा इस पर दुकान बंद कर घर जाने की बात कही तो आरोपियों ने मारपीट की।

नकबजनी का आरोपी गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। शहर के भुपालपुरा थाना पुलिस ने नकबजनी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से आठ लाख का माल बरामद किया। पूछताछ में आरोपी ने तीन वारदातें करना कबूल किया।

जिला पुलिस अधीक्षक योगेश गोयल के निर्देश पर शहर में नकबजनी करने वालों पर कार्रवाई करने एवं अपराधियों की धड़पकड़ के लिए कार्रवाई करने के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा, पुलिस उप अधीक्षक महिपालसिंह के सुपरविजन में भुपालपुरा थानाधिकारी आदर्श कुमार के नेतृत्व में गठित दल ने कार्यवाही करते हुए नरपत कुमार सोलंकी पुत्र गणेशराम मेघवाल निवासी जोड़वास रानीवाड़ा को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से 85 हजार रूपये नकदी व सामान बरामद किया। इस मामले में पूछताछ में आरोपी ने गत दिनों कुशाल बाग केशव नगर में रहते हुए पास के घर से 17 मार्च 22 को 3 लाख नकदी, ओएलएक्स के जरिये पहचान बनाकर आशीश सिंह के घर आने जाने के दौरान सोने की तीन चेन चोरी करना कबूल किया। इस पर पुलिस ने आरोपी की निशानदेही से करीब आठ लाख का माल बरामद किया।

- आरोपी के कब्जे से आठ लाख का माल बरामद किया

नकदी हड़पी

उदयपुर, (निसं)। बेची गई जमीन की नकदी बैंक से निकाल हड़पने वाले पिता-पुत्र व साथियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। पीड़ित मोतीबाई पत्नी तुलसीराम निवासी बिछड़ी ने अपने पौत्र सुरेश पुत्र मांगीलाल, पुत्र मांगीलाल पुत्र तुलसीराम एवं मांगीलाल पुत्र हंसा भील निवासी टांक कुराबड़ के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया।पीड़िता ने बताया कि हम सभी ने जमीन बेची थी, जिसका 7 लाख रूपये मेरे बैंक खातें में आया था। उक्त नकदी आरोपियों ने निकाल हड़प ली।

पहलगाम हमले के बाद उदयपुर में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

उदयपुर, (कासं)। पहलगाम में आतंकी घटना के बाद उदयपुर पुलिस भी हाई अलर्ट मोड पर है। इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) की स्थानीय टीमों ने मंगलवार को रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर गहनता से जांच की।

टीम इंचार्ज मुकेश कुमार नागदा के अनुसार जम्मू कश्मीर की घटना को देखते हुए सीआईडी उदयपुर जोन के अधिकारी डॉ. विक्रम सिंह के निर्देशन पर बीडीएस टीम ने चेकिंग की। बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन पर संदिग्ध लोगों की तलाशी ली और जानकारी ली। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान टीम ने उदयापोल स्थित केंद्रीय रोडवेज बस स्टैंड पर भी गहनता से जांच करते हुए चप्पे-चप्पे को छान मारा। बम डिस्पोजल स्क्वॉड (बीडीएस) की गाड़ी में आए टीम के सदस्यों ने बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन की पार्किंग को देखा।

पुलिस डॉग स्क्वायड को लेकर टीम ने मादक पदार्थों व विस्फोटकों का पता लगाने और अपराधियों पर नजर रखने के लिए पूरे एरिया का राउंड किया। इस दौरान बस स्टैंड की पार्किंग में बरसों से धूल जमी गाड़ियों को लेकर आपत्ति जताई। पार्किंग ठेकेदार से इन गाड़ियों के बारे में पूछा। स्थानीय सूरजपोल पुलिस को टीम ने कहा कि इन गाड़ियो के मालिकों का पता लगाया जाए। टीम ने ठेकेदार को साफ कहा कि ऐसी गाड़ियों के बारे में पूरी जानकारी रखी जाए और इस तरह से लंबे समय तक गाड़ियां खडी नहीं रहनी चाहिए। इस दौरान वहां खडी गाड़ियों के पूरे घेरे की तरफ डॉग स्क्वायड के साथ टीम ने दौरा किया। ठेकेदार की और से यहां आने वाली गाड़ियों के बारे में भी जानकारी ली। टीम ने रेलवे स्टेशन पर भी पूरे इलाके को जांचा।

- इंटेलिजेंस ब्यूरो की स्थानीय टीमों ने डॉग स्क्वॉड टीम के साथ रेलवे और बस स्टैंड पर जांच की
- आईबी की टीमों ने बस स्टैंड की पार्किंग में बरसों से धूल जमी गाड़ियों को लेकर आपत्ति जताई

बीसलपुर बांध के पानी में जमी गाद के साथ बजरी निकालने का कार्य जारी

बांध में पानी के भराव क्षेत्र से गाद निकालने की आड़ मे अवैध रूप से बजरी निकाली जा रही है

देवली, (निसं)। इन दिनों उपखंड क्षेत्र के बीसलपुर बांध के जलभराव क्षेत्र से गाद निकाले जाने का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। इस पर जानकारी में मामला यह सामने आया कि गाद निकालने की आड़ में बांध के जल पेटे से कंपनी द्वारा गाद को निकालने के साथ-साथ अवैध रूप से भारी मात्रा में बजरी भी निकाली जा रही है।

ऐसे हालातों पर क्षेत्रवासियों का मानना है कि उक्त हालातों की जानकारी संबंधित एवं प्रशासनिक अधिकारियों को बखूबी होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी जान बूझकर अंजान बने हुए हैं। यह भी सत्य है कि बीसलपुर बांध के जलभराव पेटे से गाद हटाने के कार्य में भारी भरकम मशीनरियों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इन्हीं मशीनों के जरिए गाद हटाने के साथ-साथ भारी मात्रा में बनास की बजरी भी निकाली जा रही है, जिसे कंपनी के कर्मचारी बड़ी-बड़ी मोटर बोट में भरकर किनारे पहुंचा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि बीसलपुर बांध का जलस्तर 315.50 मीटर भराव क्षमता पर निर्धारित किया हुआ है। तो वहीं जानकारी यह भी सामने आई है कि बीसलपुर बांध के भराव क्षेत्र एवं केंचमेंट एरिया तक बनास नदी से गाद (काई) को बाहर निकालने के कार्य का ठेका राज्य सरकार ने एनजी गादिया नामक कम्पनी को दिया हुआ है। ऐसे में यहां साफ तौर पर देखा जा सकता है कि कंपनी ने इस कार्य मे बड़े-बड़े ट्रिगर मशीन, हाइड्रोलिक वाटर पंप एवं पानी में तैरता हुआ प्लेटफार्म जैसी बड़ी-बड़ी मोटर बोट मशीनरियां लगाकर पानी के तले से गाद के साथ-साथ बजरी को भी निकालने का काम कर रही हैं।

जानकारी में मामला यह भी सामने आया है कि बनास नदी के तल से गाद हटाकर निकालने का कार्य करने वाली एनजी गदिया कंपनी वर्तमान में उपखंड क्षेत्र के बीसलपुर बांध के पानी से गाद निकालने का कार्य कर रही है। गाद निकाले जाने के दौरान गाद के साथ-साथ बजरी पत्थर ग्रेवल, मिट्टी इत्यादि साथ में निकलती हैं। ऐसे में यहीं पर भारी मात्रा में बजरी कैसे निकल रही है? इसी के साथ यहां चर्चा है कि क्या स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों को ऐसे हालातों जानकारी नहीं है। जबकि उक्त कार्य से संबंधित दस्तावेजों की एक कॉपी जिला कलेक्टर और खनिज विभाग सहित उपखंड अधिकारी कार्यालय में पहुंचाई जाती है, ताकि सूचना और दस्तावेजों के आधार पर क्षेत्र के उक्त प्रशासनिक अधिकारी उक्त कार्य पर पूरी निगरानी बनाए रखें ताकि समय-समय पर कार्य क्षेत्र का दौरा करते हुए कार्य की जांच करते रहे। जिससे कि बीसलपुर बांध और बनास नदी के पेटे से केवल गाद निकालने के दौरान कार्य से संबंधित कंपनी कहीं नियमों से हटकर अन्य कोई और कार्य करने पर आमदा तो नहीं हो रही है, लेकिन यहां पर कार्य से संबंधित जिम्मेदार अधिकारी उक्त कार्य में हो रही अनियमिताओं और धांधली के प्रति जानबूझकर अनभिज्ञ,अनजान बने हुए दिखाई पड़ रहे हैं। इस मामले में मनोज कुमार मीणा उपखंड अधिकारी देवली टोंक का कहना है कि यह कार्य राज्य सरकार द्वारा दिया हुआ है। इस कार्य की सूचना जिला कलेक्टर कार्यालय के पास होती होगी। फिर भी इस मामले की जांच करने के लिए उक्त कार्य क्षेत्र का दौरा कर लेंगे।

देवली उपखंड क्षेत्र के बीसलपुर बांध के जलभराव क्षेत्र से बड़ी-बड़ी मोटर बोट मशीनरियां लगाकर पानी के तले से गाद के साथ-साथ बजरी को भी निकालने का काम किया जा रहा है।

- क्षेत्रवासियों का मानना है कि जानकारी संबंधित एवं प्रशासनिक अधिकारियों को होने के बावजूद जिम्मेदार अधिकारी अंजान बने हुए हैं

चलती बाइक में आग लगी, पिता-पुत्र बचे

अजमेर/ पीसांगन, (कासं)। पीसांगन उपखंड के फतेहपुरा में चलती बाइक में अचानक आग लगने से बाइक खाक हो गई, लेकिन गनीमत रही कि हादसे में बाइक सवार पिता-पुत्र बाल-बाल बच गए। रामपुरा डाबला प्रशासक सीमा चौधरी के मुताबिक रामपुरा डाबला निवासी अर्जुनराम सुवासिया व उनका पुत्र राधेश्याम बाइक से पीसांगन होते हुए अपने खेत पर जा रहे थे। इसी दौरान पंचायत क्षेत्र के फतेहपुरा स्थित पिचोलिया रोड पर उनकी चलती बाइक में हुए शॉर्ट सर्किट के बाद बाइक ने आग पकड़ ली। प्रशासक सीमा चौधरी ने बताया कि चलती बाइक में अचानक आग लगने से पिता-पुत्र सकते में आ गए और जैसे-तैसे कर बाइक को रोककर बाइक से नीचे उतरकर दूर खड़े हुए। इस दौरान देखते ही देखते बाइक खाक हो गई, लेकिन गनीमत रही कि बड़ा हादसा टल गया। प्रशासक सीमा चौधरी ने दूरभाष पर थानाधिकारी प्रहलाद सहाय को मामले से अवगत करवाया।

Office of The Block Development Officer Panchayat Samiti Sayla (Jalore)

No.- Acc./697 **Notice of Inviting Bid** Dated-18-04-2025

Bid for Rate Contract for Construction Material & Equipments and Work tenders of various work as below are invited from interested bidders under various Gram Panchayats of Panchayat samiti sayla. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state; and notice board of this office.

Name of Gram Panchayat	approximate value of the procurement	UBIN
Panthedi	100.00 Lakh	ZJR2526GLOB00090
Thalwad	100.00 Lakh	ZJR2526GLRC00091
Teja Ki beri	60.00 Lakh	ZJR2526GLRC00092
Vishala	10.00 Lakh	ZJR2526WSOB00093
	10.00 Lakh	ZJR2526WSOB00094

DIPR/C/5534/2025

Block Development Officer
Panchayat Samiti Sayla (Jalore)

Tel.No.: 07469-230595 Email: xenphedhnd@yahoo.in

कार्यालय अधिशाषी अभियंता जन स्वा.अभि.विभाग खण्ड हिण्डौन

Notice Inviting Bid

Bids for Various work in PHED Dn. Hindaun is invited from interested bidders. Other particulars of the bids may be visited on the procurement portal sppp.raj.nic.in of the state and http://eproc.rajasthan.gov.in departmental website. NIB No. PHE2526A0518

S.No.	NIT No.	UBN No.
1.	01/2024-25	PHE2526SLOB01206
2.	02/2024-25	PHE2526SLOB01208
3.	03/2024-25	PHE2526SLOB01210
4.	04/2024-25	PHE2526SLOB01211
5.	05/2024-25	PHE2526SLOB01212
6.	06/2024-25	PHE2526SLOB01213
7.	07/2024-25	PHE2526SLOB01214
8.	08/2024-25	PHE2526SLOB01215
S.No.	Total Work	
1	Total Estimated Cost	126.42 Lacs
2	Tender Submission Start Date	23.04.2025 Upto 12:00 PM
3	Tender Submission End Date	01.05.2025 Upto 6:00 PM
4	Tender Opening Date	02.05.2025 Upto 12:00 PM

DIPR/C/5595/2025

(के.एल.मीना) अधिशाषी अभियन्ता
जन स्वा.अभियांत्रिक विभाग, खण्ड-हिण्डौन सिटी

भजनों से किया भगवान परशुरामजी का गुणगान

भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मंगलवार को विद्याधर नगर के परशुराम सर्किल पर विभिन्न कार्यक्रम हुए। सजे-धजे हाथी, ऊंट, घोड़े, बैंडवादन और लवाजमे के साथ भगवान परशुरामजी की शोभायात्रा निकाली गई जिसमें लागों ने जयकारों के साथ नाच-गाकर आनंद लिया।

भजनों से किया भगवान परशुरामजी का गुणगान

विद्याधर नगर के परशुराम सर्किल पर हुए विभिन्न कार्यक्रम

जयपुर। भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में मंगलवार को विद्याधर नगर के परशुराम सर्किल पर विभिन्न कार्यक्रम हुए। सुबह वेद मंत्रोच्चार के साथ पंचामृत अभिषेक कर फूलों से श्रृंगार किया गया। इसके बाद सामूहिक रूप से सुंदरकांड के पाठ किए गए। पाठ के बाद भजनों से भगवान परशुरामजी का गुणगान किया गया। शाम को जयकारों के साथ संगीतमय महाआरती की गई।

कार्यक्रम से जुड़े विरेंद्र शर्मा और गोपाल शर्मा ने बताया कि उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, सांसद मंजू शर्मा, सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य सहित अनेक जन प्रतिनिधियों और अनेक गणमान्य लोगों ने सैंकड़ों दीपकों से भगवान परशुरामजी की महाआरती की। इसके बाद सजेधजे हाथी, ऊंट, घोड़े, बैंडवादन और लवाजमे के साथ भगवान परशुरामजी की शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में 1100 से अधिक महिलाएं एक ही रंग की साड़ी पहनकर सिर पर कलश लेकर मंगल गीत गातीं हुईं चल रहीं थीं। वहीं युवाओं की टोली वाहन रैली के रूप में जयकारे लगाते हुए साथ चल रही थीं। शेष सभी लोग हाथों में भगवान परशुराम जी की भगवा पताका और विशाल ध्वज लहराते हुए और जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। फूलों से सजे रथ में विराजमान भगवान परशुरामजी की जगह-जगह आरती उतार कर स्वागत किया गया। ब्राह्मण समाज के वयोवृद्ध लोगबग्घियों में सवार होकर शोभायात्रा को निहार रहे थे। मार्ग में कई स्थानों पर पुष्प वर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया गया। अलका सिनेमा, सीकर रोड, मुरलीपुरा सर्किल, केडिया पैलेस चौराहा होते हुए शोभायात्रा रामेश्वरधाम मुरलीपुरा स्थित श्री गौड़ विप्र समाज भवन पहुंची। यहां पुष्प वर्षा और जयकारों के साथ शोभायात्रा का स्वागत किया गया। इसके बाद भोजन प्रसादी हुई।

बिड़ला सभागार में भगवान परशुराम का जन्मोत्सव आज

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर 30 अप्रैल को विभिन्न ब्राह्मण संगठनों की ओर से अभिषेक-पूजन और महाआरती के आयोजन होंगे। विभिन्न ब्राह्मण संगठनों की ओर से सामूहिक रूप से दोपहर बारह बजे से स्टेच्यू सर्किल स्थित बिड़ला सभागार में भगवान परशुराम जी का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। प्रदेश स्तरीय आयोजन के मुख्य अतिथि लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, विशिष्ट अतिथि राज्य सभा सदस्य घनश्याम तिवाड़ी, सांसद मंजू शर्मा, सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य होंगे। पूजा-अर्चना के बाद सभी उपस्थित लोगों को देश से आतंक से उन्मूलन करने कासंकल्प कराया जाएगा। प्रारंभ में पहलगाम आतंकी हमले में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि दी जाएगी। विप्र महासभा के संस्थापक सुनील उदेईया ने बताया कि समारोह में प्रदेश के करीब बीस संगठन एक साथ भगवान परशुराम का पूजन करेंगे।

राजस्थान ब्राह्मण महासभा की ओर से विद्याधर नगर सेक्टर चार स्थित भगवान परशुराम भवन में जन्मोत्सव पर पूजा-अर्चना की जाएगी। मुख्य अतिथि महासभा के अध्यक्ष केसरी भंवर लाल शर्मा होंगे। महासभा की सभी इकाइयों की ओर से उनके कार्यालयों पर जन्मोत्सव मनाया जाएगा। राजस्थान गौड़ महासभा की ओर से इसी परिसर स्थित कार्यालय में सादगी पूर्वक जन्मोत्सव मनाया जाएगा। पहलगाम हमले के कारण महासभा ने जन्मोत्सव को धूमधाम से नहीं मनाने का निर्णय लिया था। सर्व ब्राह्मण महासभा ने रेलवे स्टेशन स्थित भगवान परशुराम सर्किल पर पूजा-अर्चना और महाआरती का आयोजन करेगी। ब्राह्मण समाज राजस्थान की ओर से सीकर रोड ढहर के बालाजी कार्यालय पर जन्मोत्सव मनाया जाएगा। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा, औदीच्य ब्राह्मण महासभा, गौड़ विप्र समाज सहित अनेक ब्राह्मण संगठनों की ओर से भगवान परशुराम जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा।

स्वेज फार्म स्थित सिद्धेश्वर हनुमान मंदिर में बुधवार को भगवान परशुराम की महाआरती होगी। स्वामी अवधेशाचार्य महाराज के सान्निध्य में होने वाले कार्यक्रम में मालवीयनगर विधायक कालीचरण सराफ और सिविल लाइंस गोपाल शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहेंगे।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी सहित अनेक जन प्रतिनिधियों और अनेक लोगों ने सैंकड़ों दीपकों से भगवान परशुरामजी की महाआरती की।

संपन्न परिवारों को छात्रवृत्ति देकर आमजन की गाढ़ी कमाई का दुरूपयोग कर रही सरकार : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने स्वामी विवेकानंद स्कॉलरशिप स्कीम के तहत 25 लाख रुपए सालाना आय वाले परिवार के अभ्यर्थी को ई3 वर्ग में दी जा रही छात्रवृत्ति पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने इस योजना के तहत अब तक लाभ लेने वाले अभ्यर्थियों और उनके माता-पिता की संपूर्ण जानकारी पेश करने को कहा है।

अदालत ने कहा कि गत 17 अप्रैल को भी इस संबंध में जानकारी मांगी गई थी, लेकिन जानकारी पेश नहीं करना दर्शाता है कि सरकार उन परिवारों की पहचान छुपाना चाहती है। अदालत ने कहा कि योजना का लाभ अधिकांश ऐसे संपन्न अभ्यर्थियों की ओर से लिया जा रहा है, जिनके परिवार की वार्षिक आय पर्याप्त है। ऐसे में लगता है कि यह योजना ऐसे लोगों को लाभ देने के लिए ही तैयार की गई है, जिनकी सालाना आय 25 लाख रुपए से अधिक है। अदालत ने आदेश की कॉपी मुख्य सचिव सहित अन्य जिम्मेदार अफसरों को आवश्यक कार्रवाई के लिए भेजी है। जस्टिस अनूप कुमार ढंड ने यह आदेश मनजीत देवड़ा की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। अदालत ने 9 मई तक राज्य सरकार को यह बताने को कहा है कि क्यों ना इस योजना को बंद कर दिया जाए।अदालत ने कहा कि ऐसी स्कॉलरशिप के नाम पर करोडों रुपए ऐसे लोगों को दिए जाते हैं, जिनके माता-पिता धनी है। सरकार स्कॉलरशिप के नाम सरकारी खजाने का दुरुपयोग कर रही है। ऐसे में अदालत सरकार की ऐसी कार्यप्रणाली पर अपनी आंख मूंदकर नहीं बैठ सकती है। अदालत ने कहा कि अपात्र अभ्यर्थियों को योजना का लाभ इसलिए मिल रहा है कि उनके माता-पिता प्रभावशाली पदों पर हैं।

अल्ट्रासाउंड कोर्स में प्रदेश के बाहर से एमबीबीएस करने वालों से भेदभाव क्यों : हाईकोर्ट

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने चिकित्सा शिक्षा सचिव और नीट पीजी काउन्सलिंग बोर्ड के चेयरमैन को नोटिस जारी कर पूछा है कि पीसीपीएनडीटी के तहत छह माह के अल्ट्रासाउंड ट्रेनिंग कोर्स में प्रवेश के लिए प्रदेश के बाहर से एमबीबीएस करने वाले चिकित्सकों के साथ भेदभाव क्यों किया जा रहा है। जस्टिस समीर जैन ने यह आदेश डॉ. सुप्रिया कुमार गुप्ता की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता तनवीर अहमद ने अदालत को बताया कि पीसीपीएनडीटी के तहत छह माह का अल्ट्रासाउंड ट्रेनिंग कोर्स कराने के लिए गत 22 अप्रैल को नीट पीजी काउंसलिंग बोर्ड ने विज्ञापन जारी कर आवेदन मांगे गए है। जिसमें प्रावधान किया गया कि पहले राउंड में प्रदेश की मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस करने वाले चिकित्सकों और सेवारत डॉक्टरों को ही शामिल किया जाएगा। वहीं यदि इसके बाद सीटें रिक्त रही तो दूसरे और बाद में राउंड में प्रदेश के बाहर से एमबीबीएस करने वालों को मौका दिया जाएगा। इसके चुनौती देते हुए कहा गया कि नेशनल मेडिकल कमीशन देश में कहीं से भी एमबीबीएस करने वाले चिकित्सकों को योग्यता के आधार पर एक समान मानता है। ऐसे में इस कोर्स में प्रवेश के लिए याचिकाकर्ता के साथ स्थान के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता। पीसीपीएनडीटी नियम, 2014 के तहत नीट पीजी के अंकों के आधार पर इस कोर्स में प्रवेश का प्रावधान है। वहीं विज्ञापन की यह शर्त संविधान के अनुच्छेद 14 के तहत समानता के सिद्धांत के भी खिलाफ है। याचिकाकर्ता ने गुजरात से एमबीबीएस किया है और नेशनल मेडिकल कमीशन उसे मान्यता देता है। इसके बावजूद उसे प्रदेश से एमबीबीएस करने वालों के साथ प्रथम राउंड की काउंसलिंग में शामिल होने क अनुमति नहीं देना मनमाना है। जिस पर सुनवाई करते हुए एकलपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

तस्कर को बीस साल की सजा

जयपुर। एनडीपीएस मामलों की विशेष अदालत ने गांजा तस्करी करने वाले अभियुक्त नौशाद खान को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने अभियुक्त पर दो लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। वहीं अदालत ने अभियुक्त की पत्नी को संदेह का लाभ देते हुए बरी किया है। अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक ने अदालत को बताया कि पुलिस ने भट्टा बस्ती थाने में 28 जुलाई, 2018 को एफआईआर दर्ज की थी। जिसमें कहा गया कि मादक पदार्थ तस्करी करने करने वाला नौशाद भट्टा बस्ती थाना क्षेत्र में 27 जुलाई, 2018 की रात गांजे की तस्करी कर रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से 20 किलो गांजा उसकी पत्नी की कार से जब्त किया था। पुलिस ने अनुसंधान के बाद अभियुक्त और उसकी पत्नी के खिलाफ अदालत में आरोप पत्र पेश किया।

श्रीपरशुराम ज्ञानपीठ में, संगीतमय राजोपचार पूजा

जयपुर। विप्र फाउंडेशन के नव निर्मित श्रीपरशुराम ज्ञानपीठ में भगवान श्रीपरशुराम की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के तहत आज सोमवार को संगीतमय राजोपचार पूजा में यजमानों के साथ पूर्व विधानसभा डॉक्टर सी.पी. जोशी, हरियाणा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष जितेंद्र भारद्वाज, विधायक गोपाल शर्मा, पूर्व विधायक अभिनेष महर्षि, भाजपा उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, पूर्व आईपीएस लक्ष्मण गौड,मुख्यमंत्री के ओएसडी दिनेश शर्मा, भाजपा प्रवक्ता नरेंद्र कटारा, आरएएस लक्ष्मी कांत कटारा, संयुक्त निदेशक सूचना रजनीश शर्मा,आरपीएस उज्जवल शर्मा, अनिल शर्मा, संजय शर्मा, सीआई कविता शर्मा, स्वास्थ्य निदेशक रवि प्रकाश शर्मा,डॉक्टर राजेश शर्मा, संयुक्त निदेशक डॉक्टर ओम प्रकाश शर्मा, डॉक्टर प्रदीप शर्मा, पार्षद अंशु शर्मा , वरिष्ठ पत्रकार मोहन शर्मा , महेश शर्मा, हरीश पराशर सहित बड़ी संख्या में समाज बंधुओं ने भागीदारी निभाई। हवन अनुष्ठान में यजमानों में मुख्य यजमान राधेश्याम शर्मा गुरुजी, एसोसिएट एंड रोड कैरियर लिमिटेड के निदेशक बनवारी लाल सोती कोलकाता, भाजपा नेता परमेश्वर शर्मा सालासर, व्यवसाई सौरभ राधेश्याम सिखवाल उदयपुर, कृष्ण मुरारी चतुर्वेदी कोटा, सुनील मिश्रा सरदारशहर, युवा के मनोज पांडेय , अशोक शर्मा भँवरपुर एवं जयपुर जिलाध्यक्ष महेन्द्र कुमार शर्मा ने पूजन हवन में सपत्नीक आहुतियां दी। विप्र फाउंडेशन के संस्थापक सुशील ओझा, केंद्रीय परियोजना समिति के चेयरमैन महावीर प्रसाद शर्मा, परमेश्वर शर्मा, पवन पारीक, मुकेश काका, प्यारेलाल शर्मा आदि ने अतिथियों का स्वागत किया और पूजा के बाद भवन का अवलोकन करवाया।भगवान श्रीपरशुराम की शादी चार फीट की मूर्ति की आज प्राण प्रतिष्ठा होगी।

अंबेडकर जिस वर्ग के उसे कांग्रेस ने दलित माना जबकि भाजपा ने ललित : राजे

जयपुर/इंदौर। पूर्व सीएम वसुन्धरा राजे ने कहा है कि अंबेडकर जिस वर्ग के हैं, उस वर्ग को कांग्रेस ने दलित माना, जबकि भाजपा ने ललित। ललित मतलब सुंदर।उन्होंने कहा कि अंबेडकर कहते थे हिम्मत इतनी बड़ी रखो कि किस्मत भी छोटी लगने लगे।वे इंदौर के रविन्द्र नाट्यय गृह में आयोजित डॉ. भीम राव अंबेडकर सम्मान अभियान सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रही थी जिसमें एमपी के सीएम डॉ.मोहन यादव भी मौजूद थे।

उन्होंने कहा कांग्रेस ने बाबा साहब का दाह संस्कार दिल्ली में नहीं होने दिया। उनके परिजनों को बॉम्बे में दाह संस्कार करना पड़ा। उनके सरकारी आवस को प्रधानमंत्री नेहरू ने राष्ट्रीय स्मारक नहीं बनाया। यह मोदी ने किया।बाबा साहब को भारतरत्न कांग्रेस ने नहीं,अटल के प्रयास से वीपी सिंह सरकार ने दिया। मोदी जी ने सुप्रीमकोर्ट में बाबा साहेब की प्रतिमा स्थापित की।

पूरा बीमा क्लेम नहीं देने पर इंश्योरेंस कंपनी पर 1.15 लाख का हर्जाना

जयपुर। जिला उपभोक्ता आयोग, द्वितीय ने बीमा क्लेम की राशि का पूरा भुगतान नहीं करने पर हेल्थ एंड एलाइड इंश्योरेंस कंपनी पर 1.15 लाख रुपए का हर्जाना लगाया है। इसके साथ ही रोकी गई करीब 5.43 लाख रुपए की राशि भी एक माह में लौटाने के आदेश दिए हैं। आयोग अध्यक्ष ग्यारसी लाल मीना और सदस्य हेमलता अग्रवाल ने यह आदेश इंदु तिवाडी की ओर से दायर परिवाद पर दिए।

परिवाद में कहा गया कि परिवादी और उसके पति ने विपक्षी बीमा कंपनी से अपनी बीमा पॉलिसियों का नवीनीकरण कराया था। परिवादी के पति की 15 दिसंबर, 2021 को तबीयत खराब होने पर निजी अस्पताल में दिखाया गया। जहां पता चला कि उनकी दोनों किडनी खराब हो चुकी है। ऐसे में उनकी किडनी प्रत्यारोपण का निर्णय लिया गया। परिवाद में कहा गया कि 15 दिसंबर से लेकर 8 नवंबर, 2023 उनके पति अस्पताल में भर्ती रहे और आखिर में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं परिवादी की ओर से बीमा कंपनी के समक्ष इलाज में खर्च हुए 28.40 लाख रुपए के बिल पुनर्भरण के लिए पेश किए। बीमा कंपनी में इसमें से करीब 23 लाख रुपए का ही पुनर्भरण किया और शेष करीब 5.43 लाख रुपए का पुनर्भरण नहीं किया और ना ही इस राशि को रोकने का कोई कारण बताया। ऐसे में परिवादी की ओर से बीमा पॉलिसी की प्रीमियम राशि के साथ ही रोकी गई बीमा राशि व मानसिक संताप के लिए हर्जाना दिलाया जाए। इसके जवाब में बीमा कंपनी की ओर से कहा गया कि वह बीमा पॉलिसी की शर्तो के तहत समस्त भुगतान कर चुकी है। इसके अलावा शर्तो के तहत इस संबंध में शिकायत की सुनवाई मध्यस्थता के जरिए ही हो सकती है और उपभोक्ता आयोग को सुनवाई का अधिकार नहीं है। दोनों पक्षों की बहस सुनने के बाद अदालत ने बीमा कंपनी पर हर्जाना लगाते हुए रोकी गई बीमा राशि लौटाने के आदेश दिए हैं।

डॉ. रेड्डीज़ और सनोफी हेल्थकेयर ने बेफ़ोर्टस लांच करने के लिए साझेदारी की

जयपुर। विश्व टीकाकरण सप्ताह के अवसर पर, एक वैश्विक फार्मास्युटिकल कंपनी, डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेट्रीज़ लिमिटेड ने सनोफी हेल्थकेयर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (''एसएचआईपीएल'') के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी का विस्तार किया है ताकि भारत में एक नई दवा, बेफ़ोर्टस (निर्सेविमैब) को पेश किया जा सके। बेफ़ोर्टस में मोनोक्लोनल एंटीबॉडी, निर्सेविमैब, एक प्रीफिल्ड इंजेक्शन के रूप में शामिल है, जो रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस (आरएसवी) निचले श्वसन पथ रोग (एलआरटीडी) की रोकथाम के लिए उपयोग किया जाता है, जो नवजात शिशुओं और पहले आरएसवी सीज़न में जन्म लेने वाले या उसमें प्रवेश करने वाले शिशुओं के लिए है। यह 24 महीने तक के बच्चों को भी दी जाती है, जो अपने दूसरे आरएसवी सीज़न तक गंभीर आरएसवी रोग के प्रति संवेदनशील रहते हैं।

पंजाब के विकलांगों के लिये जयपुर फुट की स्थापना

शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबंध कमेटी श्री अमृतसर के अध्यक्ष हरजिन्दर सिंह धामी ने जयपुर फुट के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर.मेहता, अध्यक्ष सतीश मेहता, गुरू संत रामदास विवि के कुलपति डॉ. मंजीत सिंह उप्पल और जयपुर फुट अमृतसर केंद्र के अध्यक्ष पूर्व राजदूत नवदीन सुरी की उपस्थिति में जयपुर फुट के केंद्र का उद्घाटन किया।

जयपुर। अमृतसर में भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति और श्री गुरू रामदास इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज एंड रिसर्च में विश्व प्रसिद्ध जयपुर फुट केंद्र की स्थापना हो गई।

इस स्थापना से पंजाब के विकलांगों को अब कृत्रिम पैर सहजता से अमृतसर में ही लगाये जा सकेंगे और उन्हें जयपुर आने की आवश्यकता नहीं रहेगी। यह जयपुर फुट का देश का 36वां केंद्र हे। शिरोमणि गुरूद्वारा प्रबंध कमेटी श्री अमृतसर के अध्यक्ष हरजिन्दर सिंह धामी ने जयपुर फुट के संस्थापक और मुख्य संरक्षक डी.आर.मेहता, अध्यक्ष सतीश मेहता, गुरू संत रामदास विवि के कुलपति डॉ. मंजीत सिंह उप्पल और जयपुर फुट अमृतसर केंद्र के अध्यक्ष पूर्व राजदूत नवदीन सुरी की उपस्थिति में केंद्र का उद्घाटन किया गया।

उद्घाटन समारोह में धामी ने डी.आर मेहता, सतीश मेहता और पूर्व राजदूत नवदीप सुरी के प्रयासों को सराहा। धामी ने कहा कि इस केंद्र की स्थापना से पंजाब के विकलांगों को बहुत राहत पहुंची है।

डी.आर.मेहता ने अमृतसर जैसी धर्म नगर में जयपुर फुट केंद्र की स्थापना के लिये धन्यवाद दिया। विशेषकर डीन डॉ.ए.पी.सिंह के प्रयासों की प्रशंसा की।

भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री ने टिकैट के बयान को बताया निंदनीय

जयपुर। भाजपा किसान मोर्चा की ओर से तथा कथित किसान नेता नरेश टिकैत के राष्ट्रिवरोधी बयान पर मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रेसवार्ता की गई। भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री ओपी यादव ने बताया कि टिकैत का बयान देश के आतंकवादी रूपी घाव पर नमक छिड़कने जैसा है। टिकैत ने आतंकी हमले में जान गवाने वाले निर्दोष लोगों का अपमान किया है। उनके बयान से पाकिस्तान प्रेम झलक रहा है।

यादव ने कहा कि भारत सरकार ने कठोर निर्णय लेते हुए पाकिस्तान के साथ राजनीतिक संबंध समाप्त कर दिए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाघा-अटारी बॉर्डर पर बीटिंग रिट्रीट समारोह को रद्द कर दिया, पाकिस्तानियों के वीजा रद्द कर दिए और उन्हें भारत छोड़ने के लिए निर्देशित तक कर दिया। इसके साथ ही भारत ने सिंधु जल संधि 1960 को तत्काल प्रभाव से निरस्त करने की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। आतंकी हमले में पर्यटकों से धर्म पुछकर गोली मारने वालों का समर्थन करने वाले टिकैत के बयान की जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है। किसान मोर्चा देश के किसानों से मांग करता है कि ऐसे राष्ट्रिवरोधी लोगों का बहिष्कार किया जाए। टिकैत को देश से माफी मांगनी चाहिए।

भाजपा किसान मोर्चा प्रदेश महामंत्री ने कहा कि किसान मोर्चा नरेश टिकैत से पूछना चाहता हैं कि जो देश हमारे निर्दोष नागरिकों की हत्या करवा रहा है।

'मुझ पर न्यायालय में दायर अवमानना याचिका को वापिस लेने का दबाब बनाया जा रहा है'

परेशन होकर मैने मानवाधिकार आयोग का दरवाजा खटखटाया जिसकी सुनवाई 30 अप्रेल को है : सत्यनारायण गुप्ता

■ 'मुझसे पुलिस अधिकारियों द्वारा खाली कागजों पर हस्ताक्षर कराने का प्रयास किया जा रहा है'

जयपुर। एसएनजी रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक सत्यनारायण गुप्ता ने कहा कि कुछ समय से पुलिस विभाग के कुछ वरिष्ठ अधिकारी विशेषकर अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कुंवर राष्ट्रदीप द्वारा उनके विरूद्ध चिंताचनक और अनैतिक आचरण किया जा रहा है। मुझ पर निरंतर दबाव बनाया जा रहा है कि मैं नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल, जयपुर बैंच में मेरे द्वारा लगाई याचिका 9/241-242/जेपीआर/2022 और अवमानना याचिका 01/425/जेपीआर/2022 को वापस ले लूं। इसके लिये जबरदस्ती खाली कागजों पर हस्ताक्षरों करवाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है।

गुप्ता ने कहा कि इससे पहले भी 19 जनवरी 2022 को पुलिस कमिश्नरेट में तत्कालीन अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद स्वामी ने खाली कागजों पर हस्ताक्षर कराये जिसकी शिकायत तत्कालीन मैने डीजीपी को ईमेल द्वारा दी थी, किंतु आज तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। इसके बाद हस्ताक्षरों का दुरूपयोग कर मुझे मेरी ही कंपनी से हटा दिया गया और कंपनी की संपत्तियों को अवैध रूप से खुर्दबुर्द कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि इस घटना का मूल कारण मेरी कंपनी सिल्वर सोइल इंडस्ट्रियल पार्क प्राईवेट लिमिटेड है जिसे मैने वर्ष 2012 में मेरे साझेदार ताराचंद चौधरी थे और पूंजी निवेश के लिये अशोक मुंद्रा को जोड़ा गया। बाद में परियोजना की सफलता पर मुंद्रा ने मुझे हटाने का षड्यंत्र रचा आर मुंद्रा ने प्रमोद स्वामी से मिलीभगत कर मेरे विरूद्ध विद्याधर नगर थाने में चार एफआईआर दर्ज कराई जिनमें बिना किसी प्राथमिक जांच के मात्र कुछ घंटों में एफआईआर दर्ज कर ली गई। इसके बाद तत्काल प्रभाव बनाकर खाली कागजों पर हस्ताक्षर कराने के लिये बाध्य किया गया। इस पर मैने आईसीआईसीआई बैंक में पत्र लिखकर किसी भी वित्तीय छेड़छाड़ रोकने का आग्रह किया और रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज, जयपुर को पत्र लिखकर अवगत कराया कि मुझसे जबरन इस्तीफा लिया गया है। इसके बाद न्यायालय में भी कंपनी याचिका दायर की, जिसमें न्यायालय ने गंभीरता को समझते हुए अंतरिम आदेश पारित कर संपत्ति के हस्तांतरण पर रोक लगा दी। वहीं अशोक मुंद्रा द्वारा दायर दो अपीलें खारिज हो गई, इससे भी मेरे दावे की सच्चाई स्पष्ट हो गई। परंतु ताराचंद व मुंद्रा ने न्यायालय के आदेशों का उल्लंघन करते हुए कंपनी की जमीन को भवानी शंकर सामोता की शेल कंपनी सामोता होल्डिंग्स प्राईवेट लिमिटेड के नाम रजिस्ट्री कर दी, जिसकी अवमानना याचिका मैने दायर की, जो अब विचाराधीन है। अब मुझे और मेरे परिवार को मारने की धमकियां दी जा रही हैं और एक के बाद एक झूठे मामलों में फंसाया जा रहा है।

सत्यनारायण गुप्ता ने कहा कि इन सबसे परेशान होकर मैने 18 मार्च को राजस्थान मानवाधिकार आयोग के समक्ष आईपीएस कुंवर राष्ट्रदीप, राजेश शर्मा और प्रमोद स्वामी के विरूद्ध शिकायत दर्ज कराई, जिस पर 4 अप्रेल को आयोग ने कमिश्नरेट से रिपोर्ट तलब की है और अगली सुनवाई की तिथि 30 अप्रेल को निर्धारित की है।

जमीन विवाद में महिला की हत्या, उपचार के दौरान जयपुर में दम तोड़ा

महिला के देवर और जेठ इस बात को लेकर नाराज थे कि उसके पति ने अपने हिस्से की जमीन बेच दी थी

सूरजगढ़, (निसं)। थाना इलाके के स्यालू खुर्द गांव में जमीन विवाद में एक महिला की हत्या कर दी। जानकारी के अनुसार महिला के देवर और जेठ इस बात को लेकर नाराज थे कि उसके पति ने अपने हिस्से की जमीन बेच दी थी। घटना सोमवार की है। जब जमीन खरीदने वाला व्यक्ति गांव आया तो महिला के जेठ और देवर अपने परिवार सहित उससे झगड़ा करने पहुंच गए। जब मामला गरम होता दिखा तो जमीन को खरीदने वाला व्यक्ति तो वहां से चला गया, लेकिन आपसी झगड़े में महिला के गंभीर चोटें आई, जिससे उसकी मौत हो गई।

मारपीट की घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई।

- जब जमीन खरीदने वाला व्यक्ति गांव आया तो महिला के जेठ और देवर अपने परिवार सहित झगड़ा करने पहुंच गए

जानकारी के मुताबिक स्यालू खुर्द गांव में चार भाइयों रघुवीर, दाताराम, निहालसिंह और महेंद्र सिंह की पुश्तैनी जमीन थी। चारों भाइयों ने अपना-अपना हिस्सा बांट रखा था। इसमें से निहाल सिंह ने गत दिनों अपने हिस्से की जमीन सज्जन नाम के व्यक्ति को बेच दी। जिसका पता नेवी में कमांडर महेंद्र सिंह भालोठिया को लगा तो वह गांव आया। सोमवार को सज्जन कुलहार जब निहाल सिंह से मिलने के गांव आया तो महेंद्र सिंह भालोठिया, उसका बड़ा भाई दाताराम, बेटा पवन आदि सज्जन कुलहार की गाड़ी के पास पहुंच गए। दोनों पक्षों में बहस हुई तो मौके की नजाकत भांपते हुए सज्जन मौके से चला गया, लेकिन गरमागरमी में निहाल सिंह पर कमांडर महेंद्र सिंह भालोठिया, दाताराम, महेंद्र सिंह का बेटा पवन कुमार और घर की महिलाओं ने हमला बोल दिया। इस मारपीट में निहाल सिंह की पत्नी संतोष के गंभीर चोटें लगी। जिससे वह मौके पर ही बेहोश हो गई। पड़ोसियों ने पहुंचकर मामला शांत कराया और संतोष को सूरजगढ़ के अस्पताल ले जाया गया, जहां से उसे जयपुर रैफर कर दिया। जयपुर में संतोष ने दम तोड़ दिया। संतोष की मौत की सूचना पर एसएचओ हेमराज मीणा जयपुर पहुंचे। एसएमएस अस्पताल में मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को शव सौंप दिया।

इधर, मंगलवार को संतोष की मौत की सूचना के बाद गांव के मंदिर में ग्रामीणों की बैठक हुई। जिसमें इस मामले की निंदा करते हुए ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निहालसिंह के कोई बेटा-बेटी नहीं है। निहाल सिंह से आए दिन उसका भाई कमांडर महेंद्र सिंह झगड़ा करता था, जिससे परेशान होकर निहाल सिंह अपनी जमीन बेचकर दूसरी जगह पर शिफ्ट होना चाह रहा था। तो वहीं कमांडर महेंद्र सिंह और उसका भाई दाताराम, निहाल सिंह के हिस्से की जमीन को हड़पना चाह रहे थे। यही कारण है कि सोमवार को मारपीट हुई, जिसमें निहाल सिंह की पत्नी की जान चली गई। संतोष देवी का शव देर रात को गांव पहुंचा, जिसका बुधवार सुबह दाह संस्कार किया जाएगा।

सोमवार को हुई मारपीट के बाद निहाल सिंह की पत्नी संतोष देवी की हालत गंभीर थी। निहाल सिंह अपनी पत्नी का इलाज करवाने के लिए जयपुर चला गया। पीछे से कमांडर महेंद्र सिंह भालोठिया ने थाने में निहाल सिंह, उसकी पत्नी संतोष, जमीन खरीदने वाले सज्जन, उसके एक साथी, पड़ौसी हेमराज तथा उसके दिवंगत भाई रघुवीर सिंह की पत्नी चंद्रकला के खिलाफ थाने में मामला दर्ज करवाया। जिसमें उसने छहों लोगों पर उसके, उसकी पत्नी सुशीला, बेटे पवन आदि के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। एफआईआर में महेंद्र सिंह ने आरोप लगाया था कि निहाल सिंह ने उसके हिस्से का कुआं और रास्ते की सामलाती जमीन को बेच दिया, जिसके बाद जमीन खरीदने वाला सज्जन लगातार धमकियां दे रहा था। यही कारण है कि वह भी अपनी ड्यूटी से छुट्टी लेकर गांव आया था।

निहाल सिंह ने जयपुर में दी रिपोर्ट :- इधर, निहाल सिंह अपनी पत्नी का ईलाज करवाने के लिए जयपुर चला गया था। जिसके कारण उसने सोमवार को रिपोर्ट नहीं दी। मंगलवार को उसकी पत्नी की मौत के बाद उसने जयपुर में ही लिखित रिपोर्ट दी। जिसमें उसने बताया कि सोमवार को जब वह अपने घर बैठा था तो उसकी जमीन खरीदने वाला सज्जन आया। इसी दौरान उसका भाई महेन्द्र सिंह, महेंद्र की पत्नी सुशीला, बेटा पवन कुमार, दूसरा भाई दाताराम व दाताराम की औरत इन्द्रा पांचो एक साथ होकर हाथों मे लाठी सरिया व धारधार हथियार लेकर व महेंद्र सिंह अपनी सर्विस रिवाल्वर लेकर जान से मारने की नियत से उसके घर में घुसकर पहले गाली-गलौच और बाद में मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद उसका छोटा बेटा अंकित और अंकित की पत्नी निधि व पवन की पत्नी भी पहुंच गई। सभी ने उससे और उसकी पत्नी के साथ मारपीट की। मारपीट के दौरान महेंद्र सिंह बार-बार सर्विस रिवॉल्वर लहरा रहा था और जान से खत्म करने की धमकी दे रहा था। इसके बाद उसकी पत्नी से की गई गंभीर मारपीट वह घायल हो गई। जिसकी जयपुर में मौत हो गई।

दोनों की पत्नियां सगी बहनें :- मृतक संतोष देवी और आरोपी महेंद्र सिंह की पत्नी सुशीला देवी, दोनों सगी बहनें है। बावजूद इसके जमीन को लेकर दोनों ही पक्षों में लंबे समय से विवाद हो रहा था। महेंद्र सिंह के साथ उसका दूसरा भाई दाताराम भी है। तो निहाल सिंह के साथ उसके भाई की पत्नी चंद्रकला साथ है। निहाल सिंह के भाई रघुवीर का निधन हो चुका है। उसका पूरा परिवार किसी दूसरे गांव में रहता है। विवाद निहाल सिंह के हिस्से की जमीन बेचने पर ज्यादा बढ़ गया। आए दिन होने वाले झगड़े से परेशान होकर निहाल सिंह ने अपने मकानों में सीसीटीवी कैमरे भी लगा रखे थे। जिसमें यह मारपीट की घटना रिकॉर्ड हो गई।

नौ दिन से लापता बुजुर्ग व्यापारी का कंकाल सड़क किनारे मिला

हाइवे से गुजर रहे राहगीरों ने कुत्तों को कंकाल चबाते देखा तो सिहरन दौड़ गई

पाली, (नि.सं.)। 60 साल के बुजुर्ग व्यापारी का नर कंकाल हाइवे किनारे मिलने से शहर में सनसनी फैल गई। हाइवे से गुजर रहे राहगीरों ने कुत्तों को कंकाल चबाते देखा तो सिहरन दौड़ गई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने पहचान के प्रयास में मिसिंग रिपोर्ट खंगाली तो परिजनों ने आकर बुजुर्ग की पहचान उनके कपड़ों से की।

परिजनों के अनुसार, बुजुर्ग पिछले नौ दिन से लापता थे। वे लोगों को ब्याज पर रुपए देने का काम करते थे। कुछ ही दिन पहले उन्होंने अपनी एक जमीन भी बेची थी। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। मामला मंगलवार का पाली के शिवपुरा थाना इलाके का जाडन-मारवाड़ रोड पर खारड़ी गांव के पास का है।

शिवपुरा थाना इंचार्ज देवेंद्र सिंह ने बताया कि राहगीरों की सूचना पर जाडन-मारवाड़ रोड पर पहुंचे थे। यहां रामस्वरूप बावरी (60) निवासी खारड़ी का कंकाल मिला था। परिजनों के कंकाल पर लिपटे कपड़ों के आधार पर उसकी पहचान की। इंचार्ज ने बताया रामस्वरूप के भतीजे प्रकाश ने 24 अप्रैल को सोजतरोड थाने में बुजुर्ग की मिसिंग रिपोर्ट दर्ज करवाई थी। सोजत रोड थाना इंचार्ज जबर सिंह भी मौके पर आ गए थे। इसके बाद परिजन को बुलाया गया। बुजुर्ग की पूरी बॉडी को जानवरों नोच रखा था। कपड़ों से परिजनों ने शिनाख्त कर ली। अब मामले में मंगलवार रामस्वरूप के भाई मांगीलाल ने शिवपुरा थाने में हत्या की आशंका जताते हुए रिपोर्ट दी है। पुलिस ने बॉडी पाली के बांगड़ हॉस्पिटल की मॉर्चुरी में रखवाई। मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। मौके पर एएसपी (पाली) विपिन कुमार शर्मा, सीओ सोजतसिटी जेठू सिंह भी पहुंचे थे। इसके साथ ही एफएसएल टीम को मौके पर बुलाया गया। परिजनों के अनुसार, रामस्वरूप बावरी 21 अप्रैल को घर से पाली शहर जाने की कहकर निकले थे। इसके बाद से उनसे संपर्क नहीं हो पाया है। उन्हें 24 अप्रैल तक जगह-जगह तलाश किया, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लगा तो थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई। परिजनों ने बताया कि कुछ समय पहले ही रामस्वरूप ने अपनी जमीन बेची थी। उसे जमीन का अच्छा दाम मिला था। वह परिचित जरूरतमंदों को ब्याज पर रुपए उधार देता था। विवाहित नहीं होने के कारण उसका खुद का परिवार नहीं था।

- पुलिस ने पहचान के प्रयास में मिसिंग रिपोर्ट खंगाली तो परिजनों ने आकर बुजुर्ग की पहचान कपड़ों से की
- लोगों को ब्याज पर रुपए देने का काम करते थे, परिजनों ने हत्या की आशंका जताई

श्रीविजयनगर में अवैध कॉलोनियों पर प्रशासन ने शिकंजा कसा

एसडीएम ने 16 बीघा भूमि पर यथास्थिति बनाए रखने के आदेश दिए

श्रीगंगानगर, (निसं)। जिले के श्रीविजयनगर उपखंड क्षेत्र में अवैध कॉलोनियों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। उपखंड अधिकारी शकुंतला चौधरी के निर्देश पर राजस्व अधिकारियों ने जांच कर 29 जीबी बी स्थित मुरबा नंबर 28 की 16 बीघा कृषि भूमि पर बिना अनुमति कॉलोनी काटने की पुष्टि की। इसके बाद उपखंड अधिकारी ने मौके और रिकॉर्ड की यथास्थिति बनाए रखने के आदेश जारी करते हुए तत्काल प्रभाव से निर्माण कार्य पर रोक लगा दी है।

उपखंड अधिकारी शकुंतला चौधरी ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि 29 जीबी बी क्षेत्र में कृषि भूमि पर बिना सक्षम प्राधिकारी की अनुमति के अवैध रूप से आवासीय कॉलोनी विकसित की जा रही है। यह कार्य काश्तकारी शर्तों का स्पष्ट उलंघन है। मामले की गंभीरता को देखते हुए तहसीलदार बाबूलाल रैगर को जांच के निर्देश दिए गए। जांच में पाया कि खातेदारों द्वारा कृषि भूमि पर अवैध प्लॉटिंग कर विक्रय किया जा रहा था, जो नियमों के विरुद्ध है। तहसीलदार की रिपोर्ट के आधार पर राज्य सरकार के निर्देशानुसार अवैध कॉलोनी के विरुद्ध कार्यवाही शुरू की गई।

उपखंड अधिकारी ने बताया कि खातेदारों को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए निर्देशित किया गया है कि वे नीयत तिथि पर अपना पक्ष प्रस्तुत करें। साथ ही मौके पर स्थिति बरकरार रखने के लिए सभी संबंधित पक्षों को निर्देशित किया गया है। प्रशासन ने साफ कर दिया है कि यदि बिना अनुमति के भूमि उपयोग परिवर्तन अथवा अवैध कॉलोनी विकास की गतिविधियां पाई गईं तो नियमानुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी। क्षेत्र में ऐसी अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए भविष्य में भी नियमित रूप से निरीक्षण अभियान चलाए जाएंगे।

उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी रामगढ़ स्थित ऐतिहासिक मोहर हवेली पहुंची

'पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हवेलियों के संरक्षण के लिए योजना के बारे में तैयारी की जायेगी'

सीकर, (निसं)। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मंगलवार को रामगढ़ स्थित ऐतिहासिक मोहर हवेली पहुंचकर हवेली का अवलोकन कर वहां स्थित आर्ट गैलरी का अवलोकन किया।

उपमुख्यमंत्री ने बताया कि रामगढ़ शेखावाटी को सीकर जिले में हेरिटेज सिटी और रामगढ़, फतेहपुर, मंडावा, नवलगढ़ सहित शेखावाटी रीजन को पर्यटन सर्किट के रूप में विकसित किया जा रहा हैं। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने रामगढ़ में रुककर लगभग आधा दर्जन से अधिक हवेलियों का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने रामायण से युक्त छतरियां, फ्रैंसको पेंटिंग भित्ति चित्र युक्त हवेली, हेरिटेज धरोहर का बारीकी से अवलोकन किया। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि शेखावाटी में टूरिज्म बढ़ाने के लिए हमने पिछले बजट में घोषणा की थी, आज मैं रामगढ़ के दौरे पर आई हूं, रामगढ़ की हवेलियों के लिए भविष्य में क्या बेहतर कर सकते हैं ताकि जो हवेलियां बची हुई है, उनका संरक्षण करने के लिए क्या प्रावधान ला सकते हैं, इसके बारे में विचार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जो ऐतिहासिक हवेलियां है, उनको चिन्हित करेंगे कि किन हवेलियों को हम संरक्षण कर उनकी मरम्मत करवा सकते हैं ताकि यहां और अधिक पर्यटक आ सके। उन्होंने बताया कि राजस्थान में इस साल सबसे ज्यादा टूरिस्ट शेखावाटी क्षेत्र में पहुंचे हैं, जल्द ही कोई ऐसी कमेटी बनाई जाएगी ताकि इन सुंदर और ऐतिहासिक हवेलियों को बचाया जा सके और इनके माध्यम से रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने बताया कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए हवेलियों के रखरखाव और संरक्षण के लिए योजना के बारे में तैयारी की जायेगी, जिससे देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों की संख्या में वृद्धि की जा सके। इस दौरान पूर्व सांसद झुंझुनूं नरेंद्र खीचड़, भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज बाटड़, गोर्वधन सिंह, जितेंद्र कारंगा, पूर्व आईपीएस केशर सिंह, श्रुति पोदार, अतुल खन्ना, रघुवेन्द्र सिंह डूंडलोद, मधुसूदन मालानी, गोवर्धन सिंह, गणेश नारायण शास्त्री, एडीएम भावना शर्मा सहित अधिकारी उपस्थित रहे।

- दिया कुमारी ने रामायण से युक्त छतरियां, फ्रैंसको पेंटिंग भित्ति चित्र युक्त हवेली, हेरिटेज धरोहर का बारीकी से अवलोकन किया

राजकार्य में बाधा के मामले में चार गिरफ्तार

बांसवाड़ा, (निसं)। लोहारिया थाना पुलिस ने पालोदा कस्बे में जानवी हत्याकांड के दौरान रोड जाम कर राजकार्य में बाधा उत्पन्न करने व राजकीय सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में चार को गिरफ्तार किया।

थानाधिकारी शिशुपाल सिंह ने बताया कि 23 मार्च को पालोदा कस्बे में जानवी की हत्या के विरोध में 100-150 व्यक्ति पालोदा बस स्टेंड उदयपुर-बांसवाड़ा हाइवे पर रोड जाम कर सरकारी वाहन पर पत्थर फेंक नुकसान पहुंचाने व पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की करने पर प्रकरण बीएनएस एवं धारा 3 पीडीपीपी एक्ट में दर्ज कर जांच की गयी। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक हर्षवर्धन अग्रवाला, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजेश भारद्वाज व गढ़ी वृत्ताधिकारी सुदर्शन पालीवाल के निकट सुपरविजन में जांच कर अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिये लोहारिया थानाधिकारी शिशुपाल सिंह के नेतृतव में टीम गठित की गयी। इस टीम ने अभियुक्तों की तलाश की तो ज्ञात हुआ कि घटना के बाद पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिये इधर-उधर छिपते फिर रहे हैं। जिस पर तोड़फोड़ व रोड जाम की घटना करने वालों में से 4 व्यक्तियों को डिटेन कर पूछताछ की गयी तो घटना में शरीक हो रोड जाम व सरकारी वाहन में तोड़फोड कर पुलिसकर्मियों के साथ धक्का-मुक्की करना स्वीकार किया। जिस पर दिनेश उर्फ पप्पु पुत्र वालजी गामोट निवासी पालोदा, गटु उर्फ नरेश पुत्र जीवतराम गामोट निवासी पालोदा, रमेश पुत्र धुलजी भगोरा निवासी पालोदा व रवि पुत्र लालजी माली निवासी पालोदा थाना लोहारिया को गिरफ्तार किया गया।

- जानवी हत्याकांड के दौरान रोड जाम कर राजकार्य में बाधा उत्पन्न करने व राजकीय सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में कार्रवाई की

75 लाख की लागत से बनी सड़क एक माह में उखड़ी, ग्रामीणों में आक्रोश

नसीराबाद, (निसं)। सरकार की योजनाओं के तहत ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्य मार्गों से जोड़ने के लिए करोड़ों रुपये की लागत से सड़क निर्माण कार्य करवाया जा रहा है, लेकिन भ्रष्टाचार और लापरवाही के चलते ये कार्य लोगों के लिए परेशानी का सबब बनते जा रहे हैं। ऐसा ही एक मामला नसीराबाद क्षेत्र में सामने आया है, जहां लगभग 75 लाख रुपये की लागत से बनी सड़क महज एक माह में ही उखड़ गई।

सार्वजनिक निर्माण विभाग द्वारा नसीराबाद को राष्ट्रीय राजमार्ग-48 से जोड़ने वाली सड़क का निर्माण करीब दो माह पूर्व ही पूर्ण किया गया था, लेकिन निर्माण के एक माह के भीतर ही सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्ढे उभर आए हैं और डामर पूरी तरह उखड़ चुका है। वाहन चालकों को जहां रोज़ाना जान जोखिम में डालकर गुजरना पड़ रहा है, वहीं ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। देरांठू, आदर्श विद्या मंदिर विद्यालय व आसपास के ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि सड़क निर्माण में ठेकेदार द्वारा घटिया सामग्री का उपयोग किया गया और विभागीय अधिकारियों ने निर्माण कार्य की मॉनिटरिंग नहीं की। ग्रामीणों का कहना है कि सड़क बनने से पहले ही लापरवाही दिखाई दी, लेकिन शिकायतों के बावजूद किसी ने संज्ञान नहीं लिया। यह सड़क अभी गारंटी पीरियड में है, ऐसे में निर्माण एजेंसी की जिम्मेदारी बनती है कि वह दोषपूर्ण कार्य की तुरंत मरम्मत कराए। लेकिन जब इस संबंध में विभाग के सहायक अभियंता से संपर्क किया गया तो उन्होंने 'जल्द मरम्मत करवा दी जाएगी' कहकर पल्ला झाड़ लिया। यह सड़क नसीराबाद को देरांठू व आदर्श विद्या मंदिर जैसे प्रमुख संस्थानों से जोड़ती है, बावजूद इसके इस समस्या की ओर न तो जनप्रतिनिधियों का ध्यान जा रहा है और न ही प्रशासन की कोई प्रभावी कार्रवाई नजर आ रही है। इससे ग्रामीणों में रोष है। ग्रामीणों ने जिला कलेक्टर एवं मुख्यमंत्री से मांग की है कि इस प्रकरण की उच्च स्तरीय जांच करवाई जाए तथा घटिया निर्माण कार्य में लिप्त ठेकेदार, अभियंता और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

- वाहन चालकों को जान जोखिम में डाल गुजरना पड़ रहा है

खाद्य सुरक्षा टीम ने गोदाम से 684 लीटर घी जब्त किया

पुलिस प्रबंधन और खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कार्रवाई की।

पाली, (नि.सं.)। पाली शहर के नया हाउसिंग बोर्ड स्थित शिव शक्ति सेल्स गोदाम में बन रहे सरस ब्रांड जैसे उत्पाद की सूचना पर पुलिस प्रबंधन और खाद्य सुरक्षा विभाग ने संयुक्त कार्रवाई की, जहां आईपीएस ऊषा यादव और खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेशचंद्र शर्मा ने गोदाम में निरीक्षण किया।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी सुरेशचंद्र शर्मा ने बताया कि मौके से 684 लीटर घी जब्त किया गया तथा डेयरी सरस के 2 श्री पार्श्व घी का 1 और भैरव सरस का 1 सैंपल लिया। चारों सैंपल जांच के लिए जोधपुर भिजवाए गए। इसके साथ ही यहां मारवाड़ की शान सरस, डेयरी सरस, श्याम सरस, ज्योति सरस, भैरव सरस, श्री पार्श्व सरस जैसे कई ब्रांड की के पैकेट और टीन मिले। पाली दुग्ध उत्पादन समिति के सदस्यों को भी मौक पर बुलाया गया। जिन्होंने सीओ सिटी ऊषा यादव को शिकायत दी। जिसमें बताया कि सरस ब्रांड नाम को उपयोग कर यह लोग बाजार में अपनी ओर से बनाया गया घी बेचकर सरस ब्रांड की साख को खराब करने का काम कर रहे हैं। इस मौके पर तीन थाने की पुलिस की टीमें मौजूद रही।

- फेमस ब्रांड के नाम का उपयोग कर खुद के ब्रांड का घी बेच रहे थे

नानूवाली बावड़ी में सड़क निर्माण कार्य आमजन के लिए परेशानी बना

गांव का रास्ता बंद हो जाने से लोगों को पांच किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ रही है

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी में पिछले काफी समय से चल रहा स्टेट हाइवे का निर्माण कार्य आमजन के लिए परेशानी का सबब बन रहा है। नानूवाली बावड़ी में गांव का रास्ता बंद हो जाने से लोगों को पांच किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ रही है। सड़क निर्माण कार्य में लापरवाही होने से व्यापारियों को भी नुकसान हो रहा है।

सड़क निर्माण कार्य में लापरवाही होने से वाहन चालक परेशान हो रहे हैं।

- ठेका कंपनी बिना मैनेजमेंट के कार्य कर रही है, जिसका खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है

व्यापार मंडल अध्यक्ष अशोक सैनी ने बताया कि ठेका कंपनी के द्वारा लोगों को परेशानी को ध्यान में ना रखते हुए कार्य किया जा रहा है। सड़क की खुदाई कर देने से नानुवाली बावड़ी के गांव में जाने वाला रास्ता अवरुद्ध हो गया है, जिसकी वजह से लोगों को पांच किलोमीटर का चक्कर लगाकर नानुवाली बावड़ी आना पड़ रहा है। ठेका कंपनी ने रोड की खुदाई करके उसको प्लान नहीं किया और ना ही पानी छिड़का जाता है।

अशोक सैनी ने बताया कि दिनभर सड़क से धूल के गुब्बार उठने से दुकानदारों के पूरे दिन मिट्टी दुकानों के अंदर जाती है। वहीं दिनभर सड़क पर जाम का आलम बना रहता है। ठेका कंपनी बिना मैनेजमेंट के कार्य कर रही है, जिसका खामियाजा आमजन को भुगतना पड़ रहा है। सड़क का निर्माण कार्य एक साइड का सुचारू करके फिर काम करना चाहिए। सोमवार को भी जाम लग जाने से एम्बुलेंस और गाड़ियों को दो घंटे तक जाम का सामना करना पड़ा।

व्यापार मंडल के लोगों ने बताया कि अगर ठेका कंपनी कार्य सही नहीं करती है तो उनके द्वारा विरोध किया जाएगा। इस दौरान उन्होंने ठेका कंपनी से सड़क निर्माण के दौरान पानी का छिड़काव करवाने, एक साइड का रास्ता सुचारू रूप से चालू करने की मांग की। इस मौके पर रामअवतार सैनी, बद्रीप्रसाद सैनी, जेपी सैनी, राजेश सैनी, निक्कू सैनी, सुरेश सैनी सहित अनेक लोग मौजूद थे।

आतंकी हमले के विरोध में चनाना कस्बा बंद रहा

सुलताना, (निसं)। पहलगाम आतंकी हमले को लेकर आमजन में आक्रोश हैं। झुंझुनूं जिले में लोग आतंकी घटना का विरोध जता रहे हैं। मंगलवार को चनाना कस्बा बंद रहा। चनाना बन्द के दौरान सभी बाजार, प्रतिष्ठान, अन्य संस्थान पूर्णत: बंद रहे।

- चनाना बन्द के दौरान सभी बाजार, प्रतिष्ठान, अन्य संस्थान बंद रहे

इसी क्रम में मंगलवार को चनाना कस्बा बंद रहा। व्यापारियों और आमजन ने आतंकवाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई मांग की। विभिन्न संगठनों ने बंद का आव्हान किया था, जिसे व्यापार मंडल ने अपना समर्थन दिया। व्यापारियों ने स्वेच्छा से अपने प्रतिष्ठान रखे।

व्यापार मंडल और स्थानीय नागरिकों ने आतंकवादी गतिविधियों की कड़ी निंदा करते हुए सरकार से आतंकियों और उन्हें पनाह देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। लोगों का कहना है कि आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए अब निर्णायक कदम उठाने का समय आ गया है। उन्होंने आतंकवाद के ठिकानों पर कठोर और प्रभावी कार्रवाई की मांग की। चनाना बन्द के दौरान सभी बाजार, प्रतिष्ठान, अन्य संस्थान पूर्णत: बंद रहे।

बेवजह कमेंट्स पास करने से अच्छा है अपने देश की तरक्की में दिमाग लगाओ शाहिद अफरीदी। हमें हारी इंडियन आर्मी पर बहुत गर्व है। भारत माता की जय, जय हिंद।

- शिखर धवन

पूर्व भारतीय क्रिकेटर, शाहिद अफरीदी को दिया झन्नाटेदार जवाब, पूर्व पाक कप्तान ने इंडियन आर्मी पर किया था कमेंट

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

युजवेंद्र चहल

पंजाब किंग्स के स्पिनर युजवेंद्र चहल की खुशी चार गुनी हो गई जब उन्हें एमएस धोनी का बैट मिला। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान धोनी ने पंजाब के खिलाफ मैच से पहले चहल को अपना बल्ला गिफ्ट के रूप में दिया। हालांकि, चहल जब बैट लेकर ड्रेसिंग रूम में गए तो ग्लेन मैक्सवेल ने उनकी टांग खींची। युजी एक सवाल का जवाब नहीं दे पाए। पीबीकेएस ने चहल का दिलचस्प वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। सीएसके वर्सेस पीबीकेएस आईपीएल 2025 का 49वां मुकाबला बुधवार को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाना है।

क्या आप जानते हैं ?... वैभव ने 38 गेंदों में 101 रन की पारी खेलकर आईपीएल के सबसे युवा शतकवीर बनने का रिकॉर्ड बनाया।

आईपीएल 2025 में शतक जड़कर इतिहास रचने वाले वैभव सूर्यवंशी आज क्रिकेट जगत की सनसनी : कोच ओझा

जयपुर, 29 अप्रैल। आईपीएल 2025 में बीते सोमवार खेले गए राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस के बीच मुकाबले में 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी ने जीटी के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाकर रख दी। आईपीएल 2025 में शतक जड़कर इतिहास रचने वाले वैभव सूर्यवंशी आज क्रिकेट जगत की सनसनी बन चुके हैं। आईपीएल ही नहीं, बल्कि प्रोफेशनल टी20 क्रिकेट में उनसे कम उम्र में दुनिया के किसी बल्लेबाज ने शतक नहीं जड़ा है। समस्तीपुर, बिहार के एक छोटे गांव से निकलकर इस खिलाड़ी ने अपनी प्रतिभा से सबको हैरान कर दिया।वहीं वैभव सूर्यवंशी के बचपन के कोच मनीष ओझा को उम्मीद है कि उनका 14 वर्षीय शिष्य अगले एक या दो साल में भारत की टी20 टीम में जगह बना लेगा। वैभव ने सोमवार को 38 गेंदों में 101 रन की पारी खेलकर आईपीएल के सबसे युवा शतकवीर बनने का रिकॉर्ड बनाया। उनकी उम्र 14 साल और 32 दिन है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 11 छक्के और सात चौके लगाए

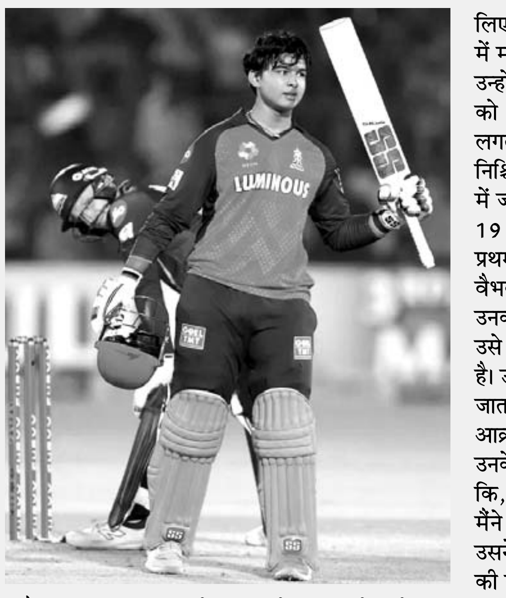

और राजस्थान रॉयल्स को जयपुर में आठ विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई।कोच मनीष ओझा ने मैच के बाद बताया कि, इस कोच के तौर पर ये मेरे लिए गर्व की बात है। बिहार जैसे राज्य के लिए जो खेलों में मजबूत नहीं है, ये सूरज की किरण की तरह है। उन्होंने कई लोगों को प्रेरित किया होगा। उन्होंने बिहार को भारत में क्रिकेट के नक्शे पर ला खड़ा किया है। मुझे लगता है कि अगर वह इसी तरह खेलते रहे, तो वह निश्चित रूप में एक या दो साल में भारत की टी20 टीम में जगह बना लेंगे। सूर्यवंशी पहले ही भारत की अंडर-19 टीम के लिए चुके हैं और जनवरी 2024 में उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में डेब्यू किया था। ओझा ने कहा कि वैभव एक स्वभाविक रूप से प्रतिभाली क्रिकेटर हैं और उनकी सोच बिल्कुल साफ है। उन्होंने कहा कि, हमने उसे कोचिंग दी है, लेकिन उसके पास प्राकृतिक प्रतिभा है। उसके पास सीखने का जज्बा है। उसे जो भी सुझाया जाता है, वह तुरंत सीख जाता है। वह शुरू से ही बहुत आक्रामक खिलाड़ी रहा है। उसे शॉट खेलना पसंद है। उनके दिमाग में शॉट को लेकर स्पष्टता- ओझा ने बताया कि, दो साल पहले अकादमी में एक अभ्यास सत्र था। मैंने उससे कहा कि तुम एक और दो रन क्यों नहीं लेते। उसने कहा कि अगर मैं छक्के मार सकता हूं। तो सिंगल की कोई जरूरत नहीं है। कोच ने कहा कि, शुरुआती चरण से ही उसके दिमाग में स्पष्टता थी। उसे खेलने के तरीके और खेल के प्रति दृष्टिकोण के बारे में स्पष्ट विचार प्रक्रिया है।

वैभव और आयुष की चमकेगी किस्मत, इंग्लैंड के खिलाफ टीम इंडिया में मिलेगी जगह?

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। भारत में इन दिनों आईपीएल 2025 की धूम मची हुई है और टूर्नामेंट में एक के बाद एक धमाकेदार मुकाबले खेले जा रहे हैं। आईपीएल के समापन के बाद भारत को इंग्लैंड के दौरे पर 5 मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के लिए रवाना होना है। इसी दौरान भारत की अंडर-19 टीम भी इंग्लैंड का दौरा करेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत की अंडर-10 टीम के इस दौरे के दौरान वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे भी स्क्वॉड का हिस्सा होंगे।टीम इंडिया इस दौरे पर 5 वनडे और दो टेस्ट मुकाबले खेलेगी। बीसीसीआई के सूत्रों के मुताबिक 21 जून को टीम यूके लैंड करेगी इस दौरे पर 14 वर्षीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे जैसे खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिल सकता है।

गेंद के पीछे एनर्जी ट्रांसफर करना शानदार पारी का नुस्खा : सचिन तेंदुलकर

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटंस के बीच खेले गए मुकाबले के बाद हर तरफ सिर्फ युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी की चर्चा हो रही है। वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2025 में जबरदस्त इतिहास रच दिया है। तूफानी बल्लेबाजी के दम पर वैभव ने आईपीएल में दूसरा सबसे तेज शतक जड़ा है। ये शतक उन्होंने 35 गेंदों में जड़ दिया। इस शानदार पारी को देखकर खुद क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर भी वैभव की तारीफ करने से खुद को नहीं रोक सके। सचिन तेंदुलकर ने वैभव की सोच की तारीफ की है। सचिन तेंदुलकर ने लिखा, वैभव का दृष्टिकोण निडर है। बल्ले की गति, शुरुआत में ही लेंथ को पहचानना, गेंद के पीछे एनर्जी ट्रांसफर करना शानदार पारी का नुस्खा है। गौरतलब है कि सवाई मानसिंह स्टेडियम में गुजरात टाइटंस के खिलाफ वैभव सूर्यवंशी ने 35 गेंदों में 100 रन बना लिए है। शतक जड़ने वाले वैभव आईपीएल के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए है। उन्होंने ये कारनामा सिर्फ 14 वर्ष 32 दिन की उम्र में कर दिखाया है। वैभव ने शतकीय पारी में 11 छक्के और सात चौके लगाए। वैभव सूर्यवंशी इस उपलब्धि को हासिल ऐसे ही नहीं कर सके है। इसके पीछे उनकी बीते तीन चार महीनों की कड़ी मेहनत है।

शादमन इस्लाम का शतक, बांग्लादेश ने बनाई 64 रन की बढ़त

चटगांव, 29 अप्रैल। शादमन इस्लाम (120), मुशफिकुर रहीम (40) और अनामुल हक (39) रनों की पारियों की बदौलत बंगलादेश ने दूसरे टेस्ट मैच के दूसरे दिन मंगलवार को सुबह के सत्र में जिम्बाब्वे की पारी को 227 रन पर समेटने के बाद बल्लेबाजी करते हुए स्टंप के समय सात विकेट पर 291 का स्कोर खड़ा कर 64 रनों की बढ़त हासिल कर ली है। बल्लेबाजी करने उतरी बंगलादेश के लिए शादमन इस्लाम और अनामुल हक की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 118 रन जोड़े। 32वें ओवर में ब्लेसिंग मुजारबानी ने अनामुल हक (39) को आउटकर इस साझेदारी का अंत किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मोमिनुल हक ने शादमन के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। 54वें ओवर में वेलिंग्टन मसाकाट्ज़ा ने मोमिनुल हक (33) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद शादमन इस्लाम (120) को ब्रायन बेनेट ने पगबाधा आउटकर बंगलादेश को बड़ा झटका दिया। कप्तान नजमुल शान्तो (23) और मुशफिकुर रहीम (40) रन बनाकर आउट हुये। बंगलादेश का सातवां विकेट नईम हसन (तीन) के रूप में गिरा। दिन का खेल समाप्त होने के समय बंगलादेश ने सात विकेट पर 291 रन बनाने के साथ जिम्बाब्वे की पहली पारी के आधार पर 64 रनों की बढ़त बना ली है। मेहदी हसन मिराज (नाबाद 16) और तैजुल इस्लाम (नाबाद पांच) क्रीज पर मौजद है। जिम्बाब्वे की ओर से ब्लेसिंग मुजारबानी, वेलिंग्टन मसाकाट्ज़ा और ब्रायन बेनेट ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। विन्सेंट मसेकेसा को तीन विकेट मिले। इससे पहले जिम्बाब्वे ने कल के नौ विकेट पर 225 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। जिम्बाब्वे ने आज अभी स्कोर में दो रन का इजाफा किया था कि तैजुल इस्लाम ने ब्लेसिंग मुजारबानी को विकेटकीपर जाकेर अली के हाथों कैच आउट कराकर उसकी पारी को 227 रनों के स्कोर पर अंत कर दिया। बंगलादेश की ओर से तैजुल इस्लाम ने 27.1 ओवर में 60 रन देकर छह विकेट लिये। नईम हसन ने 20 ओवर में 42 रन देकर दो विकेट झटके। तनजीम हसन साकिब ने एक बल्लेबाज को आउट किया। जिम्बाब्वे के लिए निक वेल्च (54) और शॉन विलियम्स (67) ने अर्धशतकीय पारी खेली। टी. तिसगा (18) रन बनाकर नाबाद रहे।

ईपीपल ने भारत में अपना नया कार्यालय खोलने की घोषणा की

मुम्बई, 29 अप्रैल। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) ने मंगलवार को मुम्बई में अपना नया कार्यालय खोलने की घोषणा की है। यह कार्यालय स्थानीय प्रशंसक, सहयोगियों के साथ संपर्क बढ़ाने, भारत में फुटबॉल को बढावा देने और लीग तथा उसके क्लबों की निरंतर विकास का समर्थन करने के लिए स्थापित किया गया है। प्रीमियर लीग के मुख्य कार्यकारी रिचर्ड मास्टर्स ने कहा, हम और हमारे क्लब भारत में एक शानदार और जानकारी प्रशंसक बेस रखते हैं और हम जानते हैं कि फुटबॉल की ख्याति लगातार बढ़ रही है। हम भारत के प्रति अपनी दीर्घकालिक प्रतिबद्धता पर गर्व महसूस करते हैं, जहां हम पिछले 18 वर्षों से सुमदायिक फुटबॉल कार्यक्रम चला रहे हैं और हाल ही में इंडियन सुपर लीग के साथ साझेदारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इस कार्यालय का उद्घाटन प्रीमियर लीग के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह हमें स्थानीय स्तर पर और अधिक असरदार तरीके से काम करने में मदद करेगा, जिससे हम प्रशंसक, जियोस्टार और अन्य साझेदारों के साथ अपने रिलेशनशिप को और मजबूत कर सकेंगे। हम इस क्षेत्र में इससे उत्पन्न होने वाले अवसर को लेकर उत्साहित हैं। प्रीमियर लीग भारत में फुटबॉल समुदाय के साथ लंबे समय से काम कर रही है। जमीनी स्तर पर, लीग ने 2007 से ब्रिटिश काउंसिल के साथ साझेदारी में प्रीमियर कौशल कार्यक्रम के माध्यम से समुदायिक फुटबॉल कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने में मदद की है। पिछले 18 वर्षों में, यह कार्यक्रम 18 से अधिक भारतीय राज्यों में संचालित किया गया है, जिसमें 7,300 से अधिक कोच, रेफरी और एजुकेटर्स को प्रशिक्षित किया गया है, जिससे एक लाख 24 हजार से अधिक युवाओं को लाभ मिला है।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने दिल्ली कैपिटल्स को 14 रन से हराया

नयी दिल्ली, 29 अप्रैल। अंगकृष रघुवंशी (44), रिंकू सिंह (36), अजिंक्य रहाणे की पारियों के बाद सुनील नारायण (तीन विकेट) और वरुण चक्रवर्ती (दो विकेट) के दमदार प्रदर्शन की बदौलत कोलकाता नाइट राइडर्स ने मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के 48वें मैच में दिल्ली कैपिटल्स को 14 रनों से हरा दिया।

205 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने सलामी बल्लेबाज अभिषेक पोरेल (चार) का विकेट पहले ही ओवर में गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये करुण नायर ने फाफ डुप्लेसी के साथ दूसरे विकेट के लिये 39 रन जोड़े। पांचवें ओवर में वैभव अरोड़ा ने करूण नायर (15) को आउटकर कोलकाता को दूसरी सफलता दिलाई। के एल राहुल (सात) रन आउट हुये।

इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान अक्षर पटेल ने फाफ डुप्लेसी के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। दोनों बल्लेबाजों ने चौथे विकेट लिये 76 रन जोड़े। सुनील नारायण ने 14वें ओवर में अक्षर पटेल को आउटकर पवेलियन भेज दिया। अक्षर पटेल ने 23 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के लगाते हुये (43) रनों की पारी खेली। इसी ओवर में नारायण ने ट्रिस्टन स्टब्स (एक) को बोल्ड कर दिल्ली को पांचवां झटका दिया। फाफ डुप्लेसी ने 45 गेंदों में सात चौके और दो छक्कों की मदद से (62) रनों की पारी खेली। उन्हें भी सुनील नारायण ने आउट किया। 18वें ओवर में वरुण चक्रवर्ती ने आशुतोष शर्मा (सात) और मिचेल स्टार्क (शून्य) को आउटकर मैच पर कोलकाता की पकड़ मजबूत कर दी।आंद्रे रसल ने 20वें ओवर में विप्रज निगम को बोल्ड कर दिल्ली को नौवां झटका दिया। विप्रज निगम ने 19 गेंदों में पांच चौके और दो छक्के लगाते हुए (38) रन बनाये। दिल्ली कैपिटल्स की टीम निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट पर 190 रन ही बना सकी और 14 रन से मुकाबला हार गई।

कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए सुनील नारायण ने तीन और वरूण चक्रवर्ती ने दो विकेट लिये। अनुकुल रॉय और वैभव अरोड़ा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी कोलकाता नाइट राइडर्स की रहमानउल्लाह गुरबाज और सुनील नारायण की जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 48 रन जोड़े। तीसरे ओवर में मिचेल स्टार्क ने रहमानउल्लाह गुरबाज 12 गेंदों में 26 रन को आउटकर दिल्ली को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद सातवें ओवर में विप्रज निगम ने सुनील नारायण 16 गेंदों में (27) को आउटकर पवेलियन भेज दिया। अजिंक्य रहाणे के रूप में कोलकाता का तीसरा विकेट गिरा। उन्हें अक्षर पटेल ने पगबाधा आउट किया।

अक्षर पटेल का अगला शिकार वेंकटेश अय्यर (सात) बने। इसके बाद अंगकृष रघुवंशी और रिंकू सिंह ने पारी को संभाला। 17वें ओवर में दुश्मांता चमीरा ने कोलकाता को बड़े स्कोर की ओर ले जा रहे अंगकृष रघुवंशी को आउटकर दिल्ली को बडी सफलता दिलाई। अंगकृष रघुवंशी ने 32 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (44)रनों की पारी खेली।

आर. अश्विन को पद्मश्री और पीआर श्रीजेश को पद्म भूषण अवार्ड से किया गया सम्मानित

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। भारतीय हॉकी के पूर्व खिलाड़ी पीआर श्रीजेश को सोमवार को पद्म भूषण पुरस्कार से सम्मानित किया गया। जबकि भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन को पद्मश्री पुरस्कार दिया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में एक समारोह के दौरान श्रीजेश और अश्विन को सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और पीएम मोदी भी मौजूद रहे। श्रीजेश और अश्विन को ये सम्मान खेल में उत्कृष्ट योगदान के लिए मिला है।गणतंत्र दिवस की पूव संध्या पर केंद्र सरकार ने 2025 के लिए पद्म पुरस्कारों की घोषणा की थी जिसमें श्रीजेश और अश्विन का नाम भी शामिल था। अश्विन ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लिया था। वह भारत के सफल स्पिनरों में शामिल हैं। अश्विन ने टेस्ट में भारत के दूसरे सबसे सफल गेंदबाज के तौर पर अपना करियर समाप्त किया। 106 टेस्ट मैचों में अश्विन ने 537 विकेट झटके और वह बस पूर्व स्पिनर अनिल कुंबले से पीछे थे जिन्होंने अपने टेस्ट करियर में 619 विकेट लिए हैं। अश्विन फिलहाल आईपीएल 2025 में हिस्सा ले रहे हैं और इस सीजन चेन्नी सुपर किंग्स का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

श्रेयस, सूर्यकुमार के साथ कई खिलाड़ियों को मिला आइकन प्लेयर का दर्जा

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने 26 मई से शुरू हो रहे टी20 मुंबई लीग 2025 सीजन के लिए आइकन खिलाड़ियों की लिस्ट का ऐलान किया जिसमें भारत के टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर और अजिंक्य रहाणे समेत 8 खिलाड़ियों को रखा गया। टी20 मुंबई लीग की वापसी 6 साल के बाद हो रही है और ये आईपीएल 2025 के तुरंत बाद खेली जाएगी। इस लीग का समापन 8 मई को होगा।इस लीग के आइकन खिलाड़ियों की सूची में मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन ने सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर, अजिंक्य रहाणे के अलावा

सरफराज खान, शार्दुल ठाकुर, पृथ्वी शॉ, शिवम दुबे और तुषार देशपांडे को रखा है। एमसीए के अध्यक्ष अजिंक्य नाइक ने कहा कि हमें 8 आइकल खिलाड़ियों के नाम की घोषमा करते हुए खुशी हो रही है जिन्होंने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदर्शन से मुंबई को बहुत गौरव दिलाया है। वे मुंबई क्रिकेट की भावना और विरासत प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके इस लीग में शामिल होने से ना सिर्फ उभरती हुई प्रतिभाओं को प्रेरणा मिलेगी बल्कि उनके लिए एक सीखने का अवसर भी होगा क्योंकि हम भारत के क्रिकेट सितारों की अगली पीढ़ी की खोच के लिए प्रतिबद्ध हैं। लीग में इन खिलाड़ियों की मौजूदगी से इसका कद भी बढ़ेगा और फैंस को एक रोमांचक और यादगार अनुभव मिलेगा। एमसीए ने अपने सभी भारतीय खिलाड़ियों के लिए टी20 मुंबई लीग में भाग लेना अनिवार्य कर दिया है।

राजीव गांधी ने आर.आर. एकेडमी सीकर को 105 रनों से हराया

जयपुर, 29 अप्रैल। चंबल स्पोर्ट्स क्लब द्वारा आयोजित 17वी राज्य स्तरीय नन्द सिंह मेमोरियल क्रिकेट लीग में आज खेले गए एमसीए ग्राउंड पर राजीव गांधी ने आर. आर. एकेडमी सीकर को 105 रनों से हराया। टॉस जीतकर राजीव गांधी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निशांत गुर्जर 68, अक्षत चांदवल 69, रौनक राकेश गुप्ता 51, लक्ष्य वैष्णव 56 नाबाद, श्यामसुंदर 14, मयंक कश्यप 14 रनों के सहयोग से 45 ओवर में 7 विकेट पर 320 रन बनाए। आर. आर. एकेडमी सीकर की ओर से गेंदबाजी करते हुए विराट 2 विकेट, मनीष सैनी, अदनान पठान, अर्जुन शर्मा, रौनक कुमावत, अमन ने 1-1 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करते हुए आर. आर. सीकर ने राजीव गांधी के स्पिन गेंदबाजी के सामने मनीष सैनी 67, केशव खंडेलवाल 26, अदनान पठान 16, रौनक कुमावत 40, अमन 17, विराट 15 रनों के सहयोग से 42 ओवर में 215 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। राजीव गांधी की ओर से श्यामसुंदर, आयुष गुर्जर ने 4-4 विकेट लिए। दीपांशु, भाविक चौहान ने 1-1 विकेट लिए। मैच के मन ऑफ द मैच श्यामसुंदर रहे।

भारतीय महिला टीम ने द. अफ्रीका को 15 रनों से हराया

कोलंबो, 29 अप्रैल। तेजमिन ब्रिट्स (102) की शतक गया बेकार, प्रतिका रावल (78), कप्तान जेमिमाह रॉड्रिग्स (नाबाद 41) और जेमिमाह रॉड्रिग्स (41) की शानदार पारियों के बाद स्नेह राणा (पांच विकेट) और दमदार क्षेत्ररक्षण की बदौलत भारतीय महिला टीम ने मंगलवार को त्रिकोणीय श्रृंखला के दूसरे एकदिवसीय मैच में दक्षिण अफ्रीका को 15 रनों से हरा दिया।

277 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान लॉरा वुलफार्ट और तेजमिन ब्रिट्स की सलामी जोड़ी ने शानदार शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए रिकार्ड 140 रनों की साझेदारी की। 28वें ओवर में दीप्ति शर्मा ने लॉरा वुलफार्ट (43) को पगबाधा आउटकर भारत को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद स्नेह राणा ने लारा गुडॉल (नौ) को बोल्ड कर दक्षिण अफ्रीका को दूसरा झटका दिया।

काराबो मेसो (आठ) को अरुंधति रेड्डी ने बोल्ड आउट किया। सुने लूस और क्लोई ट्राइऑन ने पारी को संभालने का प्रयास किया। 41वें ओवर से पहले दक्षिण अफ्रीका की टीम मैच पर अपनी पकड़ बनाये हुये थे और जीत की ओर अग्रसर थी। ऐसे समय में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। 42वें

ओवर में श्री चरणी ने सुने लूस (28) को आउटकर भारत के चौथा विकेट झटका। इसके बाद स्नेह राणा ने क्लोई ट्राइऑन (18), एन डर्कसन (30) और नडीन डी क्लर्क (शून्य) को आउटकर मैच भारत के पक्ष में कर दिया। एम क्लास और म्लाबा रनआउट हुई। भारतीय गेंदबाजों ने 49.2 ओवर में दक्षिण अफ्रीका को 261 के स्कोर पर समेटकर मुकाबला 15 रनों से जीत लिया।

भारत की ओर स्नेह राणा ने 10 ओवर में 43 रन देकर पांच विकेट लिये। अरुंधति रेड्डी, श्री चारणी और दीप्ति शर्मा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां टॉस जीतकर भारतीय महिला टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी प्रतिका रावल और स्मृति मंधाना की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 83 रन जोड़े। 19वें ओवर में एनेरी डर्कसेन ने स्मृति मंधाना (36) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये हरलीन देओल ने प्रतिका रावल के साथ दूसरे विकेट के लिए 68 रन जोड़े। 31वें ओवर में एन म्लाबा ने प्रतिका रावल (78) को आउटकर दक्षिण अफ्रीका को दूसरी सफलता दिलाई। इसके बाद एन म्लाबा ने हरलीन देओल (29) को आउटकर पवेलियन भेज दिया।

जेमिमाह रॉड्रिग्स 32 गेंदों में (41) रन बनाकर आउट हुई। ऋचा घोष ने (24) और दीप्ति शर्मा ने (नौ) रन बनाये। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने (नाबाद 41) रनों की पारी खेली। काश्वी गौतम (पांच) रन बनाकर नाबाद रही। भारतीय महिला टीम ने निर्धारित 50 ओवर में छह विकेट पर 276 रन का स्कोर खड़ा किया। दक्षिण अफ्रीकी की ओर से एन म्लाबा ने दो विकेट लिये। ए खाका, एम क्लास, एन डी क्लार्क और एनेरी डर्कसेन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

प्लेऑफ की उम्मीद धूमिल होने के बावजूद पंजाब के खिलाफ साख बचाने उतरेगी चेन्नई

चेन्नई, 29 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में पिछले नौ में से सात मैच हार चुकी चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) बुधवार को पंजाब किंग्स के खिलाफ होने वाले मुकाबले में शाख बचाने के लिए मैदान में उतरेगी। मेहमान टीम पंजाब जीत की लय हासिल करने के लिए खेलेगी। वहीं दिग्गज एम एस धोनी की अगुआई वाली सीएसके अभी भी जीत की जादुई लय हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही है। कुछ दिन पहले इसी मैदान पर चैन्नई को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) से हार का सामना करना पड़ा था। पिछले मुकाबले में मौसम की मार के कारण एक अंक हासिल करने वाली पंजाब किंग्स जीत की लय पाने के लिए मैदान में उतरेगी। मेहमान टीमों द्वारा सीएसके के गढ़ में सेंध लगने के कारण चैन्नई को मिली लगातार हार के बाद उनके प्लेऑफ की संभावनाएँ धूमिल लग रही है। सीएसके अंक तालिका में सबसे नीचे होने के कारण उसके लिए क्वालीफाइंग चरणों में जगह बनाने की कोई उम्मीद नहीं दिख रही है। जबकि नौ मैचों में 11 अंकों के साथ पंजाब नॉकआउट बर्थ के लिए अपनी संभावनाओं को बढ़ाने के लिए जीत की राह पर वापस लौटना चाहेगी। पंजाब किंग्स का पिछला मैच बारिश की भेंट चढ़ जाने से सीएसके के लिए अपनी स्थिति सुधारने की बहुत कम उम्मीद बची है क्योंकि उसे अपने शेष सभी मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे और यह भी उम्मीद करनी होगी कि तालिका में शीर्ष टीमें अपने शेष मैच हार जाएं जिससे प्लेऑफ के लिए उसका समीकरण बन जाए। चैन्नई ने शीर्ष क्रम से लेकर अपने बल्लेबाजी क्रम में फेरबदल करने के लिए कई तरकीब आजमाए। चैन्नई को अपना संतुलन ठीक करने की आवश्यकता है। जबकि पंजाब आत्मविश्वास से लबरेज हैं। अब तक पारंपरिक स्पिनरों की मदद करने वाली चिन्नास्वामी की पिच तेज गेंदबाजों के अनुकूल साबित हो सकती है। जिससे चैन्नई अपनी किस्मत बदल सकता है।

जयपुर ग्रीन क्रिकेट क्लब ने 11 स्टार क्रिकेट क्लब को हराया

जयपुर, 29 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित अनुराग मिश्रा स्मृति बी डिवीजन लीग के पूल सी के मैच में जयपुर ग्रीन क्रिकेट क्लब ने इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब को 6 विकेट से हराया। आज प्रात: के एल सैनी स्टेडियम पर इलेवन स्टार क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए गौरव तोड़ावत के 77 रन, नितिन अमरोटिया के 34 रन, कुशाग्र सामोदिया के 42 रन, क्षितिज के 42 रनों से 45 ओवर में 233 रन बनाकर आउट हो गए। जयपुर ग्रीन क्रिकेट क्लब के लिए ईशान धाभाई ने 35 पर 2, रवि बैदवाल ने 29 पर 2, कृतिन राज ने 35 पर 2, सुमित सिंह ने 23 पर 2 व हरि सिंह ने 40 पर एक विकेट लिया। जवाबी पारी में जयपुर ग्रीन क्रिकेट क्लब ने सक्षम सिंह के 43 रन, कमल गुर्जर के 14 रन, राकेश के 53 रन, कृतिन राज के 66 रन नाबाद व रवि बैदवाल के 33 रन नाबाद से 45.4 ओवर में 6 विकेट पर 234 रन बनाकर मैच जीत लिया। इलेवन स्टार के लिए देवांक सिंगोदिया ने 40 पर 2, गगन सोनी, लोकेंद्र व आदित्य पारीक ने एक - एक विकेट लिया।

ल्यूमिनस पावर टेक्नोलॉजीज ने पिंक प्रॉमिस के प्रभाव को दोगुना करने के लिए रॉयल राजस्थान फाउंडेशन के साथ हाथ मिलाया

जयपुर, 29 अप्रैल। सामुदायिक सशक्तिकरण की दिशा में प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए, राजस्थान रॉयल्स के टाइटल स्पॉन्सर, ल्यूमिनस पावर टेक्नोलॉजीज, आगामी मैच के प्रभाव को दोगुना करके, इस उद्देश्य के लिए अपनी शक्तिशाली प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, टीम के साथ महिलाओं के नेतृत्व वाले परिवर्तन को चैंपियन बना रही है।

ल्यूमिनस पावर टेक्नोलॉजीज और राजस्थान रॉयल्स संयुक्त रूप से मुंबई इंडियंस के खिलाफ बहुप्रतीक्षित मुकाबले के दौरान हर छक्के के लिए घरों को सोलर उर्जा से रोशन करने के लिए प्रतिबद्ध होंगे। प्रत्येक छह घरों के लिए 12 घरों के विद्युतीकरण के साथ, यह साझेदारी राजस्थान के सांभर क्षेत्र में महत्वपूर्ण रूप से प्रभाव डालती है-जहां रॉयल राजस्थान फाउंडेशन मताधिकार की सामाजिक इक्विटी शाखा, महिलाओं के नेतृत्व वाले परिवर्तन को जारी रखती है। इस वर्ष, एक कदम आगे बढ़ते हुए, ल्यूमिनस सांभर क्षेत्र में महिलाओं के नेतृत्व वाले उद्यमों के सौर विद्युतीकरण का भी कार्य करेगी।

इस पहल के बारे में बात करते हुए, ल्यूमिनस पावर टेक्नोलॉजीज की एमडी और सीईओ प्रीति बजाज ने कहा, पिंक प्रॉमिस सौर कौशल पहल के माध्यम से ऊर्जा क्षेत्र में अधिक महिलाओं को लाने और उन्हें वित्तीय और डिजिटल साक्षरता के साथ सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। स्कोरबोर्ड पर प्रत्येक छह हिट के साथ, घर सौर ऊर्जा से संचालित होते हैं, परिवारों का उत्थान होता है, और एक उज्जवल भविष्य सुरक्षित होता है। राजस्थान रॉयल्स के साथ हमारा सहयोग इस पहल को बढ़ाता है, जिससे इसे एक मजबूत आवाज और व्यापक पहुंच मिलती है। जब खेल और उद्देश्य एकजुट होते हैं, तो प्रभाव मैदान से परे भी फैलता है। यह साझेदारी इस बात का प्रतीक है कि खेल कैसे सार्थक बदलाव ला सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल के साथ ऊर्जा व नगरीय विकास की समीक्षा की

राजस्थान को, पीएम ई-बस सेवा योजना में 125 अतिरिक्त बसें मिलेंगी- खट्टर

■ मुख्यमंत्री भजनलाल ने पीक आवर्स में बिजली की माँग की आपूर्ति के लिये माँग के अनुरूप विद्युत आवंटन में बढ़ोतरी के लिये केन्द्रीय ऊर्जा मंत्री से अनुरोध किया। मंत्री ने सकारात्मक आश्वासन दिया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्रीय आवास, शहरी कार्य एवं विद्युत मंत्री मनोहर लाल के साथ ऊर्जा एवं नगरीय विकास विभाग की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केन्द्र और राज्य सरकार की संयुक्त परियोजनाओं को केन्द्र के साथ समन्वय बनाते हुए समयबद्ध रूप से पूरा करें।

जयपुर, 29 अप्रेल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर केन्द्रीय आवास, शहरी कार्य एवं विद्युत मंत्री मनोहर लाल के साथ ऊर्जा एवं नगरीय विकास विभाग की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केन्द्र और राज्य सरकार की संयुक्त परियोजनाओं को केन्द्र के साथ समन्वय बनाते हुए समयबद्ध रूप से पूरा करें।

शर्मा ने ऊर्जा विभाग की समीक्षा के दौरान कहा कि हम राज्य के किसानों को वर्ष 2027 तक दिन में बिजली देने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रहे है। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि उपभोक्ताओं को पर्याप्त विद्युत आपूर्ति के लिए उत्पादन इकाइयों एवं प्रसारण तंत्रों का उचित रख-रखाव सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में बिजली तंत्र को सुदृढ़ करने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा निरंतर सहयोग प्राप्त हो रहा है। उन्होंने केंद्रीय विद्युत उत्पादन संयंत्रों के कॉमन पूल से प्रदेश को आवंटित अस्थायी विद्युत कोटे के रूप में सहयोग देने के लिए केन्द्र सरकार को धन्यवाद दिया।

शर्मा ने केन्द्रीय मंत्री से प्रदेश की पीक आवर्स में बिजली की मांग के अनुरूप बिजली के आवंटन में बढ़ोतरी का आग्रह किया, जिस पर केन्द्रीय मंत्री ने सकारात्मक आश्वासन दिया।

केन्द्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में, खासतौर से अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में, राज्य में बेहतरीन कार्य किया जा रहा है।

पीएम कुसुम योजना तथा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में राज्य सरकार ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

उन्होंने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में राजस्थान देश के अग्रणी राज्यों में है।

नगरीय विकास विभाग की समीक्षा के दौरान केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रत्येक नगर निकाय में सीवरेज अनिवार्य रूप से हो तथा आवश्यकतानुसार पुराने और जर्जर सीवरेज को बदलने तथा एलाइनमेंट ठीक करने के कार्य भी किए जाएं। बैठक में पीएम ई-बस सेवा योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि इस योजना के तहत राजस्थान को 675 बसों का प्रारम्भिक आवंटन हुआ था। राज्य सरकार के अनुरोध पर अब इसके लिए केन्द्र द्वारा अतिरिक्त 125 बसें भी दी जाएंगी, जिससे शहरी क्षेत्र में सार्वजनिक सेवा को मजबूती मिलेगी। इस दौरान जयपुर मेट्रो परियोजना, अमृत 2.0, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) सहित, विभिन्न योजनाओं की राज्य में प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबर सिंह खर्रा, ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर सहित, संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

जस्टिस बीआर गवई 52 वें सीजेआई नियुक्त

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई को मंगलवार को भारत का अगला प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) नियुक्त किया गया। न्यायमूर्ति गवई 14 मई को सीजेआई का पदभार संभालेंगे। मौजूदा सीजेआई न्यायमूर्ति संजीव खन्ना का 13 मई को कार्यकाल समाप्त हो रहा है। जस्टिस गवई उनकी जगह लेंगे। कानून मंत्रालय ने जस्टिस गवई की भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति की अधिसूचना जारी की है। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार उनका नाम 16 अप्रैल को सीजेआई खन्ना द्वारा केंद्र सरकार को सिफारिश के रूप में भेजा गया था। जस्टिस गवई का कार्यकाल छह महीने का होगा और वह 23 दिसंबर को 65 वर्ष की आयु पूरी करने पर सेवानिवृत्त होंगे। जस्टिस गवई देश के दूसरे दलित मुख्य न्यायाधीश होंगे। उनसे पहले जस्टिस केजी बालाकृष्णन भारत के मुख्य न्यायाधीश बने थे।

■ 13 मई को मौजूदा मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना का कार्यकाल समाप्त हो रहा है। जस्टिस गवई 14 मई से कार्यभार संभालेंगे।

'सेना तय करे कार्यवाही का तरीका, समय और टारगेट'

प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्यवाही के लिए सेना को खुली छूट दी

■ मंगलवार को प्रधानमंत्री ने सेना प्रमुखों के साथ उच्चस्तरीय मीटिंग की, जिसमें रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, एन.एस.ए. अजीत डोभाल भी थे।

■ इसके बाद प्रधानमंत्री ने गृहमंत्री अमित शाह के साथ मीटिंग की। यही नहीं, संघ प्रमुख मोहन भागवत भी प्रधानमंत्री से मिलने आए।

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की सेनाओं को आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई के लिए खुली छूट दे दी है। हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद, पीएम ने स्पष्ट किया कि सेना को जवाबी कार्रवाई का समय, लक्ष्य और तरीका स्वयं तय करने की खुली छूट है। उन्होंने कहा कि सेना आतंकवादियों को करारा जवाब देने के लिए किसी भी आवश्यक कदम को उठाने में सक्षम है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि थल सेना, नौसेना और वायुसेना को आतंकवाद के खिलाफ कार्रवाई के लिए किसी भी प्रकार की बाधा नहीं होगी। यह फैसला पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद लिया गया, जिसमें निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाया गया। पीएम ने जोर देकर कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ ज़ीरो टॉलरेंस की नीति पर अडिग है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस संबंध में मंगलवार एक उच्च स्तरीय बैठक की, जिसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान, थल सेना प्रमुख, नौसेना प्रमुख और वायुसेना प्रमुख शामिल थे। बैठक में पहलगाम हमले की विस्तृत समीक्षा की गई और आतंकवाद के खिलाफ तत्काल और प्रभावी कार्रवाई की रणनीति पर चर्चा हुई। इस मीटिंग के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ने गृह मंत्री अमित शाह के साथ अलग से मीटिंग की। सूत्रों के अनुसार इस मीटिंग में पहलगाम आतंकी हमले के बाद उपजी सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा हुई। इसके बाद संघ संचालक मोहन भागवत भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने पहुंचे।

बुधवार को होने वाली कैबिनेट बैठक में इस मुद्दे पर और विस्तार से चर्चा होने की उम्मीद है। इसके बाद राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) की बैठक भी हो सकती है, जिसमें आतंकवाद के खिलाफ ठोस रणनीति को अंतिम रूप दिया जाएगा। सीसीएस की बैठक में सेना के ऑपरेशनल प्लान और खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट्स की समीक्षा की जाएगी। सूत्रों का कहना है कि भारत इस हमले का जवाब न केवल त्वरित, बल्कि इतना प्रभावी देगा कि आतंकवादी संगठनों को स्पष्ट संदेश मिले।

ट्रम्प प्रशासन ने एमेज़ॉन को "धमकी"...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

57,000 लोगों को निकाल दिया है, क्योंकि मॉल और बाजारों में ग्राहक कम हो गए हैं और उपभोक्ता भावना कमजोर हुई है।

टैक्नॉलजी सेक्टर, जो अमेरिका की सफलता का स्तंभ रहा है, भी सिकुड़ रहा है। ट्रंप प्रशासन के पहले सौ दिनों में ही इस क्षेत्र से चालीस हज़ार से अधिक लोगों की छंटनी हो चुकी है। आम अमेरिकियों में इसके खिलाफ व्यापक आक्रोश और विरोध व्याप्त है।

कुछ जनमत सर्वेक्षणों के अनुसार, ट्रंप की लोकप्रियता तेजी से गिर रही है। यहाँ तक कि उनके सत्ता ग्रहण करने के बाद से रेटिंग्स में बहुत कमी आई है। इतना ही नहीं, जिन आम मतदाताओं ने उन्हें वोट दिया था, वे अब अपने फैसले पर पछता रहे हैं, मुख्यतः बढ़ती महंगाई और बेरोजगारी के कारण।

हालांकि, अब भी ट्रंप के कट्टर समर्थक, खासकर श्वेत वर्चस्ववादी समूह, मानते हैं कि ट्रंप की नीतियां दीर्घकाल में अमेरिका के हित में हैं।

कई लोग खुश हैं कि वर्षों पहले बंद हो चुकी पुरानी इंडस्ट्रीज फिर से लौट सकती हैं। लेकिन वे यह नहीं समझ पा रहे कि एक बार जो इंडस्ट्री बंद हो गई, उसे दोबारा खड़ा करना बेहद मुश्किल होता है, खासकर अब, जबकि अमेरिका की इन्डस्ट्री का इकोसिस्टम पूरी तरह बदल चुका है।

यदि इन्हें पुनः जीवित किया गया तो कई उद्योग बहुत पिछड़ जाएंगे, क्योंकि इन उद्योगों के लिए जरूरी पुर्जे अब देश में उपलब्ध नहीं हैं और श्रम लागत इतनी अधिक है कि उत्पादन आर्थिक रूप से लाभदायक नहीं रह गया है। फिर भी उम्मीद बनी हुई है कि ये उद्योग फिर से फलेंगे-फूलेंगे।

रेलवे भर्ती परीक्षा में पैन, पैंसिल, पानी पर प्रतिबंध

रेल मंत्रालय ने रेल भर्ती बोर्ड के सभी अध्यक्षों को सर्कुलर जारी किया

■ परीक्षार्थी सिर्फ ई कॉल लैटर के साथ ही आ सकेंगे, पैन भी उन्हें परीक्षा हॉल में ही उपलब्ध करवाया जाएगा।

नयी दिल्ली, 29 अप्रैल। भारतीय रेलवे ने रेल भर्ती बोर्ड की परीक्षाओं में इलेक्ट्रोनिक सामान के अलावा पेन, पेंसिल, टोपी, पर्स एवं पानी की बोतल लाने को भी प्रतिबंधित कर दिया है और हाथों पैरों में मेहंदी लगा कर आने पर भी रोक रहेगी।

रेल मंत्रालय ने सभी रेल भर्ती बोर्डों के अध्यक्षों को एक परिपत्र भेजा है जिसमें कॉल लेटर में दिए गए निर्देशों में संशोधन किया गया है। इसमें परीक्षा केन्द्रों में प्रवेश के लिए प्रतिबंधित वस्तुओं की नयी सूची जारी की गई है।

उम्मीदवारों को दिए गए निर्देशों के पैरा 7(1) में कहा गया है कि प्रतिबंधित वस्तुएं/इलेक्ट्रॉनिक गैजेट जैसे मोबाइल फोन, पेजर, घड़ियां, ईयरफोन, ब्लूटूथ युक्त डिवाइस, माइक्रोफोन, हेल्थ बैंड, कैलकुलेटर, पुस्तक, पेन, कागज, पेंसिल, ई-यूजर, पाउच, स्केल, राइटिंग-पैड, बेल्ट, हैंडबैग, टोपी, पर्स, कैमरा, पानी की बोतल, पैक/खुले खाद्य पदार्थ आदि परीक्षा केन्द्र के अंदर ले जाने की अनुमति नहीं है।

परिपत्र के अनुसार परीक्षा केन्द्र के अंदर केवल ई-कॉल लेटर की अनुमति होगी। उम्मीदवार को परीक्षा केन्द्र के अंदर कोई पेन/पेंसिल नहीं ले जाना है। परीक्षा के दौरान उम्मीदवारों को पेन उपलब्ध कराया जाएगा। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे अपने हाथों/पैरों पर मेंहदी न लगाएं, क्योंकि इससे बायोमेट्रिक्स कैप्चर करने में बाधा आती है।

परिपत्र में कहा गया है कि पैरा 7(2) के तहत तलाशी के दौरान, धातु के वस्त्र, धार्मिक प्रतीक, चूड़ियाँ, आभूषण, मंगल सूत्र, कंगन ले जाते/पहने हुए पाए जाने वाले अभ्यर्थियों को उनके कॉल लेटर में उपयुक्त पुष्टि के साथ परीक्षा हॉल के अंदर जाने की अनुमति दी जाएगी ताकि निरीक्षक ऐसे अभ्यर्थियों के प्रति अतिरिक्त सतर्क रहें।

रेल मंत्रालय के अधिकारियों के अनुसार इन बदलावों को तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है।

लोक गायिका ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाल ही में एक वीडियो पोस्ट किया, जो काफी वायरल हुआ, खासकर पाकिस्तान में।

वीडियो में उन्होंने भारत में धार्मिक आधार पर एकता की कमी के बारे में बात की। हिंदी भाषा के इस वीडियो में उन्होंने कहा कि देश धार्मिक आधार व अन्य मुद्दों पर काफी विभाजित है, दंगे भड़कने में एक सैकेण्ड का समय भी नहीं लगेगा। उन्होंने देश के अन्य भागों में रह रहे कश्मीरियों की सुरक्षा की अपील की। उन्होंने कहा कि न्याय किया जाना चाहिए, बदला नहीं।

राठौड़ व काकोती, दोनों को ही सैक्शन 196 के विभिन्न उपभागों में गिरफ्तार किया गया है, जो जन्म, जाति, जन्म स्थान, आवास व नागरिकता, भाषा आदि के आधार पर दो समुदायों में नफरत बढ़ाने से सम्बंधित हैं।

मीडिया विशेषज्ञों का मत है कि सरकार द्वारा जो सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं, वे नाकाफी हैं, उनके उल्टे परिणाम हो सकते हैं। सरकार के पास दुष्प्रचार ने निपटने के कई प्रभावी तरीके हैं और ताकत का इस्तेमाल आउट डेटेड हो गया है।

राजस्थान में तेज गर्मी और लू का प्रकोप

मौसम विभाग ने दो मई से गर्मी में राहत की भविष्यवाणी की

■ मौसम विभाग के अनुसार एक मई से आंधी-बारिश का दौर शुरु होगा। तेज अंधड़ और बारिश होने से तापमान में कमी आएगी।

जयपुर, 29 अप्रैल। राजस्थान में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी हैं और राज्य में पिछले चौबीस घंटों में सर्वाधिक अधिकतम तापमान बाड़मेर में 46.4 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया जो सामान्य से 4.3 डिग्री सेल्सियस अधिक हैं। हालांकि एक मई से आंधी एवं बारिश की गतिविधियों के कारण दो मई से लू में राहत मिलने की संभावना हैं।

मौसम विज्ञान केन्द्र जयपुर के अनुसार वर्तमान में पश्चिमी राजस्थान के अधिकांश भागों में अधिकतम तापमान 43 से 46 डिग्री सेल्सियस जबकि पूर्वी राजस्थान में 40 से 45 डिग्री के मध्य दर्ज किए जा रहे हैं। राज्य में पिछले चौबीस घंटों में बाड़मेर के अलावा जैसलमेर में 46.2 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा जबकि फलौदी में 45.2, कोटा में 44.6, जोधपुर एवं चित्तौड़गढ़ में 44.4, वनस्थली में 44.2, श्रीगंगानगर में 43.8, बीकानेर एवं जालोर में 43.4, भीलवाड़ा में 43.2, चुरु एवं अलवर में 42.2, उदयपुर के डबोक में 42.1, जयपुर में 42, पाली में 41.9, सीकर 40, धौलपुर में 41, डूंगरपुर में 41.1, सिरोही में 41.4, फतेहपुर में 40.2, करौली 40.9, झुंझुनूं में 40.1, माउंटआबू में 32.4, चुरु 42.2, नागौर 41.5 तथा प्रतापगढ़ एवं सांगरिया में 39.2 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। राज्य में सर्वाधिक न्यूनतम तापमान डूंगरपुर में 29.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

राज्य के अधिकांश भागों में आगामी 48 घंटों में मौसम मुख्यतः शुष्क रहने एवं तापमान में विशेष परिवर्तन नहीं होने की संभावना है। राज्य के कुछ भागों में लू का दौर एक मई तक जारी रहने की संभावना है। एक मई को एक नए पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर संभाग के कुछ भागों में दोपहर बाद तीव्र मेघगर्जन के साथ हल्की बारिश, तेज झोंकेदार हवाएं एवं अंधड़ 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे से चलने की प्रबल संभावना है।

इसके बाद दो और तीन मई को बीकानेर, जोधपुर, अजमेर, उदयपुर, कोटा, जयपुर एवं भरतपुर संभाग के कुछ भागों में गरज-चमक के साथ कहीं-कहीं तेज अंधड़ आने और बारिश होने की प्रबल संभावना है। आंधी-बारिश की गतिविधियां चार से सात मई को भी राज्य के कुछ भागों में जारी रहने की आशंका है। आंधी-बारिश के प्रभाव से तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस गिरावट दर्ज होने एवं दो मई से लू से राहत मिलने के संभावना है।

कार्यकाल पूरा होने के बाद भी नगर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कराने का प्रावधान है। इसके अलावा, सुप्रीम कोर्ट भी पूर्व में तय कर चुका है कि व्यापक जनहित को देखते हुए पांच साल की अवधि पूरी होने से पहले चुनाव कार्यक्रम घोषित किया जाना चाहिए।

इसके बावजूद, राज्य सरकार ने अपने अधिकारों का दुरुपयोग करते हुए, नगरपालिकाओं के चुनाव स्थगित कर उनमें प्रशासक लगा दिए। याचिका में साल 2019 का हवाला देते हुए कहा गया कि तत्कालीन नगरपालिकाओं का कार्यकाल पूरा होने से पहले नवंबर माह में ही चुनाव प्रक्रिया आरंभ की गई थी। ऐसे में राज्य सरकार को निर्देश दिए जाएं कि वह इन नगरपालिकाओं का चुनाव कार्यक्रम घोषित करे। याचिका पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

'सफल इकोनॉमिक्स, सफल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विरोधी सोच भी पनप रही है तथा, विशेष रुप से भ्रष्टाचार के आरोपों पर दो मंत्रियों को हटाये जाने के बाद, भ्रष्टाचार के मोर्चे पर सरकार की नकारात्मक छवि भी बनी है। उल्लेखनीय है कि उक्त मंत्रियों को हटाये जाने का कदम अदालतों तथा भ्रष्टाचार के मामलों की जाँच के दबाव के चलते उठाया गया था। और अब एक अन्य मंत्री पर भी भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगे हैं तथा राजनैतिक हल्कों में ऐसी चर्चाएं हैं कि इस तीसरे मंत्री को भी बर्खास्त किया जायेगा।

लेकिन द्रमुक के लिये सौभाग्य का विषय यह है कि तमिलनाडु में भ्रष्टाचार चुनाव हारने का कोई बड़ा मुद्दा नहीं रहा है। अन्नाद्रमुक प्रमुख स्व. जयललिता पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप थे, जिनमें वे बाद में दोषी भी सिद्ध हुईं, लेकिन तमिलनाडु के मतदाताओं ने उन्हें लगातार दो बार विजयी बनाया तथा 2011 एवं 2016 के दो लगातार चुनावों में जीतकर, वे एक लम्बी राजनैतिक परम्परा को तोड़ने में सफल हुईं।

इस बात को स्टालिन भी जानते हैं कि द्रमुक जब भी सत्ता से बाहर हुई है, जो हर तीसरे चुनाव में हुआ है, तो उसका बड़ा कारण कानून-व्यवस्था की बिगड़ी हुई स्थिति, तथा सरकार एवं द्रमुक के गुंडों की मनमानी ही रही है। यही कारण है कि स्टालिन चुनावों से पहले अर्थव्यवस्था पर फोकस कर रहे हैं तथा ग्रोथ एवं समृद्धि के इर्द-गिर्द ही नैरेटिव गढ़ रहे हैं। अपनी इस उपलब्धि पर विशेष जोर देने के लिये वे उत्तर भारत के राज्यों तथा तमिलनाडु की अर्थव्यवस्था के बीच तुलना करते हुये, इनके बड़े अन्तर की ओर जनता का ध्यान आकृष्ट कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने कहा, "अभी तक, आपने द्रविड मॉडल सरकार पार्ट 1 देखा है। पार्ट 2 वर्ष 2026 में लोड होगा। उसके बाद, हम और नये रिकॉर्ड बनायेंगे।"

कोटा में एक और ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर दिया है। छात्र मूल रूप से बिहार के कटिहार का निवासी है। वह 15 दिन पहले ही कोटा आया था और 11वीं के साथ मेडिकल एंट्रेंस की तैयारी कर रहा था। वह अपने एक साथी के साथ रूम शेयर करके रहता था। उन्होंने बताया कि दूसरा लड़का डिनर के लिए चला गया था। जब वापस आया तो छात्र ने कमरे का दरवाजा नहीं खोला। इसके बाद उसने हॉस्टल मालिक को बताया। दोनों को शक हुआ तो उन्होंने इस संबंध में तुरंत पुलिस को सूचना दी। हॉस्टल रूम का दरवाजा तोड़कर देखा तो सभी के होश उड़ गए। छात्र को आनन-फानन में अस्पताल लेकर गए, जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। कमरे को फिलहाल बंद कर दिया गया है। मृतक के चाचा घटना की जानकारी के बाद कोटा पहुंच गए। उनका कहना था कि छात्र के पिता हृदय रोग से ग्रसित हैं। उन्होंने बिना पोस्टमार्टम के ही शव की मांग की थी। साथ ही यह भी कहा था कि कोई कार्रवाई इस मामले में नहीं चाहते हैं। इसके बाद, जवाहर नगर थाना पुलिस ने बिना पोस्टमार्टम के शव परिजनों को सौंप दिया। परिजनों का कहना था कि बालक अपनी इच्छा से ही कोटा पढ़ने आया था। उसने अपना स्कूल में एडमिशन गांव में ही करवाया था।

क्रिकेट मैच में पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने वाले की पीट-पीट कर हत्या

बेंगलुरु, 29 अप्रैल। कर्नाटक के गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने मंगलवार को बताया कि मंगलुरु में एक स्थानीय क्रिकेट मैच के दौरान एक व्यक्ति की कथित तौर पर 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाने पर दर्शकों में आक्रोश फैल गया और उसकी पीट-पीटकर हत्या कर दी गई।

पुलिस ने घटना के सिलसिले में करीब 12 लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विवाद तब शुरू हुआ जब व्यक्ति को मैच के दौरान कथित तौर पर नारे लगाते हुए सुना गया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने कहा कि लोगों के एक समूह ने हिंसक प्रतिक्रिया व्यक्त की और मौके पर ही उस व्यक्ति पर हमला कर दिया। शुरू में माना जा रहा था कि व्यक्ति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, लेकिन बाद में अधिकारियों ने पुष्टि की कि पीड़ित चोटों के कारण सदमे में था बाद में उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लिया।एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और घटनाओं के क्रम का पता लगाने और नारे के दावे की प्रामाणिकता को सत्यापित करने के लिए जांच चल रही है। मृतक की पहचान अभी तक उजागर नहीं की गई है।

हाई कोर्ट ने 36 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

दिए। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता को मिली सजा को हाईकोर्ट अप्रैल, 1989 में ही स्थगित कर चुका है।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता मोहम्मद अनीस ने बताया कि 13 जुलाई, 1987 को खान मोहम्मद ने माणक चौक थाना पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया था कि रात करीब एक बजे अज्ञात व्यक्ति ने उसके भाई फूल मोहम्मद पर एसिड फैंका, जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने याचिकाकर्ता के खिलाफ निचली अदालत में आरोप पत्र पेश किया, जिस पर अदालत ने 31 मार्च, 1989 को याचिकाकर्ता को हत्या के प्रयास के अपराध से बरी करते हुए, आईपीसी की धारा 326 के तहत दो साल छह माह की सजा सुनाई गई। इस आदेश के खिलाफ उसी साल हाईकोर्ट में अपील दायर की गई। वहीं, राज्य सरकार की ओर से भी निचली अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए दी गई सजा की अवधि को बढ़ाने की गुहार की गई। याचिका पर सुनवाई करते हुए, अदालत ने याचिकाकर्ता को दोषमुक्त करते हुए निचली अदालत का आदेश रद्द कर दिया और मामले में राज्य सरकार की ओर से पेश अपील भी खारिज कर दी।

राफेल गिराने का पाकिस्तान का दावा झूठा

■ भारत सरकार ने कहा, पाकिस्तान द्वारा जिस विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का वीडियो दिखाया जा रहा है वह राफेल नहीं बल्कि जून 2024 में महाराष्ट्र में दुर्घटनाग्रस्त सुखोई विमान का वीडियो है।

नयी दिल्ली, 29 अप्रैल। भारत ने पाकिस्तान समर्थित अनेक सोशल मीडिया खातों में भारतीय वायु सेना के एक लड़ाकू विमान को गिराये जाने के दावे को करार दिया और कहा है कि यह भ्रामक तथा निराधार दुष्प्रचार है और भारत का कोई विमान नहीं गिराया गया है।

सूचना और प्रसारण मंत्रालय के पत्र सूचना कार्यालय ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि पाकिस्तान का समर्थन करने वाले अनेक सोशल मीडिया खाते झूठा दावा कर रहे हैं कि पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर के पुंछ सेक्टर में नियंत्रण रेखा के पास भारत के राफेल लड़ाकू विमान को गिरा दिया है।

पत्र सूचना कार्यालय ने कहा है कि पाकिस्तान ने भारत के किसी लड़ाकू विमान को नहीं गिराया है। पाकिस्तान समर्थित सोशल मीडिया खातों में जो वीडियो साझा किया जा रहा है वह जून 2024 में महाराष्ट्र में दुर्घटनाग्रस्त हुए सुखोई-30 लड़ाकू विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने का है।

कांग्रेस के पोस्टर ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

यू-ट्यूब चैनलों और सोशल मीडिया अकाउन्ट्स के खिलाफ कार्रवाई शुरु कर दी है और कई शीर्ष पाकिस्तानी समाचार चैनलों पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। इनमें डॉन न्यूज़, ए.आर.वाय. न्यूज़, समा टीवी और जियो न्यूज़ शामिल हैं।

इन्टरनैट सामग्री की निगरानी करने वाले अधिकारियों का कहना है कि कुछ पाकिस्तान-आधारित सोशल मीडिया हैंडल, खासकर विदेशों में रहने वाले लोगों को निशाना बनाकर, ब्रेनवॉश करने वाली सामग्री डालते हैं, ताकि अंतरराष्ट्रीय राय को प्रभावित किया जा सके। सरकार के सूत्रों ने कहा कि इस तरह के प्रयासों का उद्देश्य पहलगाम हमले जैसी घटनाओं को तोड़-मरोड़ कर पेश करना है।

इज़रायल की रणनीति से प्रेरणा लेते हुए, भारत सरकार भी एक वीडियो श्रृंखला जारी करने की योजना बना रही है, जिसमें पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ लंबे समय से जारी आतंकवादी हमलों को उजागर किया जाएगा। गाज़ा संघर्ष के दौरान, इज़रायल ने हमास की बर्बरता को उजागर करने के लिए वीडियो जारी किए थे। एक सरकारी अधिकारी ने कहा है, "यह एक व्यापक युद्ध है, जो बंदूकों से नहीं, बल्कि सोशल मीडिया, नैरेटिव्स और धारणाओं के ज़रिए लड़ा जा रहा है।"

मुंबई के स्क्वायर मॉल में आग से 100 दुकानें जलीं

मुंबई, 29 अप्रैल। मुंबई से लगे बांद्रा में स्क्वायर मॉल बिल्डिंग में मंगलवार सुबह 4.10 बजे आग लगी, जो शाम तक नहीं बुझाई जा सकी। घटना को 16 घंटे बीत चुके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 100 के करीब दुकानें जल चुकी हैं। गनीमत यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।अधिकारियों के मुताबिक शुरुआत में 4 मंजिला मॉल के बेसमेंट में मौजूद इलेक्ट्रॉनिक शोरूम में आग लगी थी। जो धीरे-धीरे चौथे फ्लोर तक पहुंची। फायर ब्रिगेड को सबसे पहले सुबह 4.50 बजे आग की सूचना मिली थी। पहले इसे लेवल 3 की आग घोषित किया गया था।

जम्मू कश्मीर के 50 पर्यटन स्थल बंद

87 पर्यटन स्थलों की सुरक्षा ऑडिट के बाद यह कदम उठाया गया

■ गुलमर्ग, सोनमर्ग और पहलगाम पर्यटकों के लिए खुले रहेंगे।

श्रीनगर, 29 अप्रैल। जम्मू-कश्मीर में अधिकारियों ने सुरक्षा चिंताओं को ध्यान में रखते हुए समूचे केंद्र शासित प्रदेश के कम से कम 50 रिजॉर्ट्स और पर्यटन स्थलों को 'बंद' कर दिया है।

अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह निर्णय पिछले सप्ताह पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद सभी जिलों में किए गए 87 पर्यटन-स्थलों की व्यापक सुरक्षा ऑडिट के बाद लिया गया है।

पर्यटकों के लिए अब प्रतिबंधित प्रमुख स्थलों में बांदीपुरा जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर स्थित गुरेज़ घाटी शामिल है जिसने पिछले दशक में हजारों पर्यटकों को आकर्षित किया है। बंद किए गए अन्य प्रमुख स्थलों में बडगाम में यूसमर्ग और दूधपथरी, दक्षिण कश्मीर में अहरबल, कोंसरनाग और वेरीनाग, बारामुल्ला में एलओसी पर कमान पोस्ट और कुपवाड़ा में सुरम्य बंगस घाटी शामिल हैं।

इस बीच श्रीनगर के पुराने शहर स्थित भव्य जामिया मस्जिद में पर्यटकों का जाना निषेध कर दिया गया है। हालांकि पहलगाम, गुलमर्ग और सोनमर्ग के प्रमुख रिजार्ट पर्यटकों के लिए खुले रहेंगे। इन जगहों पर पर्यटकों की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

केन्द्र शासित प्रदेश में वन विभाग ने भी पर्यटकों के लिए अपने सभी ट्रैकिंग रूट बंद कर दिए हैं।

पिछले चार वर्षों में स्थानीय और गैर-स्थानीय दोनों तरह के पर्यटक कश्मीर के मैदानों और अल्पाइन ट्रेल्स पर खास तौर पर गर्मियों के ट्रैकिंग सीजन के दौरान आते रहे हैं। हाल के वर्षों में घाटी में पर्यटकों की आमद में बढ़ोतरी देखी गई है, लेकिन पहलगाम हमले से पर्यटन उद्योग को गहरा झटका लगा है। पिछले छह दिनों में कई पर्यटक कश्मीर छोड़ चुके हैं जबकि कई अन्य ने कश्मीर की अपनी आगामी यात्रा की योजना रद्द कर दी है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2009/28296 जयपुर कार्यालयः सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोनः 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोनः 2386031, 2386032, फैक्सः0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोनः 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालयः आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोनः 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालयः राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोनः 2627612, फैक्सः0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्सः 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोनः 230200, 230400, फैक्सः 07469-230600